निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट के उद्घाटन परेड में शामिल स्वान दस्ता

• बोकारो, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 149 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

चार दिवसीय 20वीं झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट का आगाज, पुलिस तकनीक और अनुसंधान का दिखेगा जलवा

बेहतर काम कर रही झारखंड पुलिस : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। 20वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का आगाज मंगलवार को हुआ। पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान राज्य भर की आठ टीमों में शामिल 80 पुलिसकर्मियों के बीच मुकाबला होगा। जैप वन परिसर रांची में 17 सितंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कई प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, डीजीपी सहित वरीय पुलिस अधिकारियों ने किया। झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान विभिन्न जिलों के पुलिस अफसर तकनीक और अत्यधिक अनुसंधान के गुर का प्रदर्शन करेंगे। विभिन्न स्पर्धाओं में झारखंड पुलिस की आठ टीमों में शामिल 80 से ज्यादा पुलिसकर्मी भाग ले रहे हैं। 17 अक्टूबर तक चलने वाले पुलिस ड्यूटी मीट में कई प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है। इसमें 12 तरह की प्रतियोगिताएं होंगी जिसमें फॉरेंसिक साइंस (लिखित), क्राइम जांच, कंप्यूटर अवेयरनेस, फोटोग्राफी, लिफ्टिंग पैकिंग, डॉग स्क्वायड एक्सप्लोसिव ट्रैक्टर, फिंगर प्रिंट (प्रैक्टिकल व ओरल) जैसे विषयों पर प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पर आने वाली टीमों को मिलाकर राज्य की टीम तैयार की जाएगी जिसे राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए भेजा जाएगा। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे आज

झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट 2025 के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह आयोजन केवल कुशलता, अनुशासन और दक्षता का परिचय नहीं है बल्कि यह हमारे पुलिसकर्मियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सहयोग और टीम भावना को भी सशक्त करता है। पुलिस ड्यूटी मीट में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं और यह अपेक्षा करता हूं कि आप सभी अपने कौशल, समर्पण और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। राज्य के विभिन्न जिलों से आए हमारे पुलिसकर्मी अपनी-अपनी दक्षताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हमारे पुलिस बल की एकता, प्रतिबद्धता और सेवा भावना का प्रमाण है। पुलिसकर्मी किसी भी राज्य की सुरक्षा, शांति और व्यवस्था के आधार स्तंभ होते हैं। हमारे जवान दिन-रात कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हैं, चाहे वह विधि-व्यवस्था बनाए रखना हो, अपराध नियंत्रण करना हो या आपदा एवं संकट की घड़ी में जनसेवा का दायित्व निभाना हो। राज्यपाल ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच संवाद और विश्वास का रिश्ता मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। मैं सभी पुलिसकर्मियों से आग्रह करता हूं कि वे जनता से शालीनता से संवाद करें, उनकी शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनें और तत्परता से उनका निपटारा करें ताकि लोग बिना किसी झिझक के थाने आ सकें। राज्यपाल ने कहा कि अनुसंधान प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। अनुसंधान कार्यों में तकनीकी सहयोग और वैज्ञानिक तरीकों का अधिकाधिक प्रयोग किया जाना चाहिए ताकि अपराधी शीघ्रता से कानून के दायरे में आ सके और पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। यही एक सशक्त और संवेदनशील पुलिस व्यवस्था का प्रमाण है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानून भारत की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक और व्यापक सुधार का प्रतीक हैं।

रेल मंत्री ने दो नई डोर-टू-डोर माल व पार्सल सेवाओं को दिखाई हरी झंडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज वर्चुअल माध्यम से सोनिक इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स हब का उद्घाटन किया और दो नई डोर-टू-डोर माल एवं पार्सल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। श्री वैष्णव ने कहा कि देश के लिए डोर-टू-डोर सेवाएं अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि इससे न केवल दक्षता बढ़ेगी बल्कि लॉजिस्टिक्स लागत में भी काफी कमी आएगी। उन्होंने बताया कि अब उद्योगों को अपने माल की ढुलाई के लिए पूरी रेक भरने की आवश्यकता नहीं होगी, वे आवश्यकतानुसार कुछ कंटेनर ही भेज सकते हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि रेलवे अब फैक्ट्री और ट्रेन लोडिंग/अनलोडिंग पॉइंट्स के बीच की खाई को पाटेगा, जिससे ग्राहकों को संपूर्ण डोर-टू-डोर सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि सोनिक देश का पहला इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स हब बन गया है, जो इस प्रकार की सुविधा प्रदान करेगा। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल पहल के तहत अब तक 115 टर्मिनल विकसित किए जा चुके हैं, जो ग्राहकों को बहु-मॉडल सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। मुंबई-कोलकाता कॉरिडोर से शुरुआत करते हुए जल्द ही और सेवाएं शुरू की जाएंगी ताकि देशभर में माल परिवहन और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिल सके। मंत्री ने यह भी बताया कि ट्रैक्टर जैसी भारी मशीनरी को भी अब सस्ती दरों पर किसानों तक पहुँचाया जा सकेगा। जिस प्रकार कार कार्गो को प्रभावी रूप से ले जाया जाता है, उसी तरह अब ट्रैक्टर और जेसीबी जैसी भारी उपकरणों का भी रेल मार्ग से परिवहन संभव होगा। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार ने कहा कि यह डोर-टू-डोर डिलीवरी पहल रेलवे लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एक पैराडाइम शिफ्ट है। अब रेलवे केवल माल ढोने वाली संस्था नहीं रहेगी बल्कि एक पूर्ण लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता के रूप में विकसित होगी। गौरतलब है कि भारतीय रेल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी माल वाहक है, जो हर वर्ष 1.6 अरब टन माल का परिवहन करती है।

झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष की जमीन विवाद में हत्या

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष मुन्ना सिन्हा की जमीन विवाद के चलते हत्या कर दी गई। मुन्ना सिन्हा, अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। मुन्ना सिन्हा पलामू के पांकी थाना क्षेत्र के डंडार के रहने वाले थे और झामुमो के पांकी प्रखंड के अध्यक्ष थे। उनकी हत्या का आरोप गांव के ही रहने वाले अरुण ठाकुर और डोमन ठाकुर के परिवार पर लगा है। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। दरअसल, मुन्ना सिन्हा मंगलवार को अपनी जमीन को ट्रैक्टर से जुतवा रहे थे। तभी गांव के ही अरुण ठाकुर एवं डोमन ठाकुर के साथ उनकी किसी बात पर बहस होने लगी। इसी बहस में आरोपियों ने मुन्ना सिन्हा पर टांगी से हमला कर दिया, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुन्ना सिन्हा के सिर और गर्दन पर जख्म के निशान थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता अस्पताल पहुंचे।

मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी भानु मांझी को लगी गोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिला पुलिस और जमशेदपुर के कुख्यात अपराधी भानु मांझी के बीच मुठभेड़ हुआ है। मुठभेड़ में अपराधी भानु मांझी को गोली लगी है। घटना के बाद अपराधी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि तेतुलमारी थाना क्षेत्र के पास एंटी क्राइम चेकिंग लगाई गई थी। इसी दौरान भानु मांझी भी उसी रास्ते से गुजर रहा था। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें भानु मांझी को गोली लगी है। फिलहाल उसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वहीं एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि बाइक सवार अपराधी द्वारा पुलिस की पेट्रोलिंग वाहन पर फायरिंग की गई। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें अपराधी ने बाइक छोड़कर भागने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस की फायरिंग में एक अपराधी के पैर में गोली लगी। उसे पुलिस द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसपर धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर में दर्जनों मामले दर्ज हैं। इसमें हत्या, फायरिंग, बमबाजी और रंगदारी के मामले शामिल हैं। एसएसपी ने बताया कि अपराध करने वाले बख्शे नहीं जायेंगे। पुलिस ने भानु मांझी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेजा दिया था, जो प्रिंस खान गिरोह के लिए काम कर रहे थे। बता दें कि सोमवार को पुलिस ने जमशेदपुर के भानु मांझी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। ये चारों सदस्य गैंगस्टर प्रिंस खान के लिए शूटर का काम करते थे।

पाम ऑयल से भरा टैंकर पलटा

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। सोमवार देर रात एनएच-2 पर गोरहर थाना क्षेत्र के पास एक पाम ऑयल टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। टैंकर से कच्चा पाम ऑयल सड़क पर फैल गया जिसे इकट्ठा करने के लिए आसपास के ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। टैंकर पलटने के कारण एनएच-2 पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया जिससे कई घंटों तक वाहन फंसे रहे।

ईंट भट्ठे पर बन रही चिमनी भरभराकर गिरी, मजदूर की मौत, चार घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। जिले के मेराल थाना क्षेत्र के कमरमा गांव में एक बड़ी दुर्घटना घटी है। यहां नए ईंट के भट्टे का निर्माण कार्य चल रहा था, मजदूर चिमनी पर चढ़ कर निर्माण कार्य कर रहे थे कि अचानक चिमनी धराशाई हो गई और इस घटना में पांच मजदूर दब गए, जिसमें से एक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। सभी दबे मजदूरों को निकालकर सदर अस्पताल लाया, जहां इलाज के क्रम में एक की मौत हो गई। मेराल थाना क्षेत्र के कमरमा गांव में नए ईंट भट्टे का निर्माण चल रहा था। यूपी के मुरादाबाद के रहने वाले सभी मजदूर बिना किसी सुरक्षा के चिमनी पर चढ़ कर कार्य कर रहे थे कि अचानक चिमनी धराशाई हो गई। इसके धराशाई होने के कारण कार्य कर रहे 5 मजदूर मलबे में दब गए। आनन फानन में स्थानीय लोग एवं पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी के माध्यम से मलबे में दबे 5 लोगों का रेस्कयू किया। रेस्क्यू के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान पप्पू नाम के एक मजदूर की मौत हो गई जबकि शेष चार गंभीर रूप से घायल मजदूरों का इलाज चल रहा है। ईंट भट्ठे के हेड मिस्त्री ने बताया कि ईंट कमजोर थी जिसके कारण यह घटना घटी है। वहीं ईंट भट्टा संचालक ने कहा कि घटना कैसे घटी जो मिस्त्री है वही बताएगा। इस मामले पर सदर अस्पताल के चिकित्सक ने कहा कि एक की मौत इलाज के क्रम में हुई है। वहीं थाना प्रभारी ने कहा कि सूचना मिली कि कमरमा गांव में नवनिर्मित ईंट भट्टे की चिमनी धराशाई हो गई है, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई है और चार लोग घायल हैं। ये सभी यूपी के रहने वाले हैं।

छात्र के अपहरण का प्रयास विफल

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। धनसार थाना क्षेत्र स्थित एक निजी स्कूल के बाहर मंगलवार सुबह एक छात्र के अपहरण का प्रयास किया गया। छात्र की सूझ-बूझ और साहस के कारण यह वारदात टल गई। छात्र सुबह करीब 11 बजे स्कूल वैन से विद्यालय पहुंचा था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे पकड़कर खींचने का प्रयास किया। अपहरणकर्ता टोपी पहन रखी थी और उसका चेहरा रुमाल से ढका हुआ था।

सीइओ ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण को लेकर की गई प्रारंभिक तैयारी को लेकर मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने सभी जिलों के ईआरओ और उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान ऑनलाइन जुड़े सभी पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के पूर्व की तैयारियों में वर्तमान मतदाता सूची से लेकर 2003 के मतदाता सूची के मैपिंग की प्रक्रिया को त्रुटि रहित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की मैपिंग के क्रम में वैसे मतदाता जिनका 2003 के वोटर लिस्ट में नाम है, उन्हें इन्यूम्यूरेशन फॉर्म देते समय बीएलओ द्वारा पुराने मतदाता सूची में दर्ज मतदाता का विवरण उपलब्ध करा दिया जाए। वैसे मतदाता जिनका नाम 2003 में अन्य राज्य के मतदाता सूची में है, वे अपना विवरण संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की ऑफिसियल वेबसाइट से डॉउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए भी मतदाताओं को जागरूक करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि वैसे मतदाता जिनका 2003 के वोटर लिस्ट में नाम नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता का नाम 2003 की मतदाता सूची में है। ऐसे मतदाताओं को बीएलओ द्वारा उनके माता-पिता का विवरण 2003 की मतदाता सूची से निकालकर इन्यूम्यूरेशन फॉर्म के साथ उपलब्ध कराने हेतु भी 2003 के मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग पूरी करनी होगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं द्वारा इन्यूम्यूरेशन फॉर्म भरने के समय जन्म तिथि या जन्म स्थान प्रमाणित करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेजों के बारे में बताया गया है। मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम राज्य में जल्द ही शुरू होने वाला है। ऐसे में कुछ ऐसी बातें हैं जिन्हें हर मतदाता को अपनी प्रमाणिकता साबित करते समय ध्यान रखना होगा। 1 जुलाई 1987 से पहले जन्मे मतदाता को अपनी जन्म तिथि या स्थान की सत्यता स्थापित करने के लिए केवल अपना एक वैध दस्तावेज देना होगा। यदि 2003 की मतदाता सूची में उनका नाम है तो बीएलओ द्वारा इसका विवरण इन्यूम्यूरेशन फॉर्म के साथ उपलब्ध करा दिया जाएगा। 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे मतदाता को अपने दस्तावेज के साथ-साथ अपने माता-पिता में से किसी एक का वैध दस्तावेज जमा करना होगा। यदि 2003 की मतदाता सूची में उनका या उनके माता-पिता का नाम है तो बीएलओ द्वारा इसका विवरण इन्यूम्यूरेशन फॉर्म के साथ उपलब्ध करा दिया जाएगा। 2 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे युवा मतदाता को अपना और अपने माता-पिता का वैध दस्तावेज फॉर्म के साथ देना होगा। समीक्षा बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, सभी जिलों के ईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हथियारबंद नक्सलियों ने मोबाइल टावर फूंका

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा थाना क्षेत्र स्थित बहदा गांव में सोमवार देर रात नक्सलियों ने दहशत फैला दी। भाकपा (माओवादी) के करीब दर्जनभर हथियारबंद नक्सली देर रात गांव में पहुंचे और मोबाइल टावर को आग के हवाले कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार नक्सलियों ने पहले लोगों को घरों से बाहर न निकलने की चेतावनी दी फिर टावर परिसर में रखे पैनल और बैटरी उपकरणों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। कुछ ही देर में पूरा टावर धधक उठा।

बराकर नदी में मिला लापता युवक का शव

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। मैथन ओपी क्षेत्र में दो दिनों से लापता युवक मिथुन प्रसाद का शव बराकर नदी में मिला है। प्रोफ़ेसर कॉलोनी निवासी मिथुन रविवार शाम से लापता था। उसका शव मंगलवार को नदी में उपलाता पाया गया। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलते ही मैथन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान होने के बाद मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

हाथियों ने वृद्ध को पटक कर मार डाला

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बारियातू थाना क्षेत्र के डाढ़ा पंचायत स्थित कटईटोला गांव में सोमवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने भारी तबाही मचाई। हाथियों ने 61 वर्षीय मधवा उरांव को पटक कर मार डाला। परिजनों के अनुसार देर रात करीब 12 बजे दस से अधिक हाथियों का झुंड गांव में दाखिल हुआ। हाथियों के आने से घर के बाहर बंधे जानवर डरकर रस्सी तोड़कर भाग गए। मृतक मधवा उरांव इन्हीं जानवरों को पकड़ने गए। उन्होंने टॉर्च की रोशनी में उन्हें खोजने की कोशिश की। इसी बीच हाथियों ने रोशनी देखकर उन पर हमला कर दिया।

सीआइएसएफ जवान ने की खुदकुशी

भागलपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले में सीआईएसएफ के जवान ने खुदकुशी कर ली। कहलगांव एनटीपीसी कैंपस में फंदे से लटका हुआ शव मिला है। जवान वर्दी में था। मृतक की पहचान कांस्टेबल दीपक कुमार (28) के तौर पर हुई है। मुंगेर के घोरघट इलाके का रहने वाला था। एनटीपीसी में ड्यूटी लगी थी। जानकारी के मुताबिक लंबे समय से डिप्रेशन में था। काफी परेशान रहता था। इलाज कराने के बाद भी ठीक नहीं हो रहा है। सोमवार रात 10 बजे ड्यूटी पर गया था। कैंपस में जिस प्वाइंट पर ड्यूटी ली थी, वहीं जहां ड्यूटी रेलिंग के सहारे फंदे से झूलकर सुसाइड कर लिया।

25-25 हजार रुपए के दो इनामी बदमाश धराए

पटना(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी के पीरबहोर इलाके में 20 अक्टूबर को शकील अहमद मल्लिक की हुई हत्या मामले में शामिल दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों 25-25 हजार रुपए के इनामी बदमाश हैं। वे पिछले एक साल से फरार चल रहे थे। शकील अहमद मल्लिक की हत्या के वक्त पकड़े गए बदमाश सैफी ने दो पिस्टल इम्तियाज उर्फ बिक्की और सोनू को दिया था। इसी पिस्टल से डीडी के साथ मिलकर तीनों ने गोली मारी थी।

छठ घाट बनाते युवक की डूबने से मौत

बक्सर(नबिटा ब्यूरो)। धनसोई थाना क्षेत्र के बन्नी गांव में मंगलवार सुबह छठ महापर्व की तैयारी के दौरान एक युवक की पोखरे में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बन्नी गांव निवासी प्रेमजीत कुशवाहा (20) के रूप में हुई है। प्रेमजीत अपने साथियों के साथ आगामी छठ पर्व के लिए गांव के पास स्थित पोखरे पर घाट तैयार करने गया था।

जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान व सुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनता दरबार का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन, प्राप्त शिकायतों पर जांचोपरांत यथोचित कारवाई का मिला आश्वासन जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों को जन समाधान पोर्टल के माध्यम से संबंधित विभाग को भेज कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराया जाता है।

जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और सुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिसका मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों और समस्याओं को सुनना, उनका त्वरित निवारण करना और प्रशासनिक सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाना है। इसी क्रम में आज उपायुक्त, रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाकर आमजनों की शिकायतों को सुना और उसके त्वरित निराकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए करीब सैकड़ों से ज्यादा लोगों से उपायुक्त ने मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस प्रकार बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया। जनता दरबार में उपस्थित फरियादियों ने जमीन विवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, राशन, शिक्षा एवं अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों पर अंचलाधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रत्येक मामले में फोन पर संबंधित5 अधिकारी से अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और पारदर्शी ढंग से निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें ताकि आमजन को राहत मिल सके। जनता दरबार के प्रति आमजनों का बढ़ रहा है भरोसा, हर मंगलवार और शुक्रवार को सौ से ज्यादा लोग जनता दरबार में पहुंच रहे हैं, अपनी शिकायत से उपायुक्त को अवगत करा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि मंगलवार एवं शुक्रवार के अलावा भी आमजन अपनी समस्याओं को लेकर समाहरणालय आ सकते हैं, संबंधित विभाग को अपना आवेदन दे सकते हैं, उनके आवेदन का त्वरित निराकरण किया जायेगा। आगे उपायुक्त ने बताया कि जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों/आवेदनों के त्वरित निराकरण को लेकर जिला स्तर पर जन समाधान पोर्टल बनाया गया है, ताकि पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ आमजनों की शिकायतों का निष्पादन किया जा सकें। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है। इसका उद्देश्य लोगों की वास्तविक समस्याओं को सुनना और उन्हें त्वरित समाधान प्रदान करना है। हमारा प्रयास है कि जिला प्रशासन हर नागरिक तक प्रभावी ढंग से पहुँचे और विश्वास का वातावरण बने।

जमीनी विवाद में जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत, डंडार गांव में जमीनी विवाद में जेएमएम पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष मुन्ना सिन्हा को टांगी से वार कर हत्या कर दिया गया, मुन्ना सिन्हा के मां ने बताया की यह घटना मंगलवार को तब हुई जब मुन्ना अपने खेत पर जुताई कर रहा था वहीं अरुण ठाकुर, डोमन ठाकुर नामक व्यक्ति से किसी बात को लेकर विवाद छिड़ गया विवाद इतना बढ़ गया की अरुण ठाकुर नामक व्यक्ति ने मुन्ना सिन्हा पर टांगी से वार कर वहां से भागने में सफल रहें वहां स्थानीय ग्रामीण व मुन्ना के घर वाले उनलोगों को पकड़ने की कोशिश भी किए मगर वे तब तक भाग निकले थें वहीं तुरन्त वहां मौजूद ग्रामीण व मुन्ना के घरवाले द्वारा घायल मुन्ना को आनन फानन में राजा मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया वहीं घटना की खबर मिलते ही जेएमएम के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा संत मरियम स्कूल के डायरेक्टर अविनाश देव सहित अन्य गणमान्य लोग अस्पताल पहुंच कर मृत मुन्ना सिन्हा के घरवाले को ढांढस बंधाया साथ ही हर दुख में उनके साथ खड़ा रहने की भी बात कही राजेंद्र सिन्हा ने कहा की जमीनी विवाद में किसी को हत्या कर देना निंदनीय अपराध है मैं शासन प्रशासन से यही कहना चाहूंगा की दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दे, उधर पांकी पुलिस द्वारा फरार आरोपियों के घर पकड़ के लिए छापामारी किया जा रहा है, डंडार गांव में भी माहौल को देखते हुए सुरक्षा बल की तैनाती कर दिया गया है, शव को पोस्टमास्टर्म हेतु पोस्टमास्टर्म हाउस ले जाया गया है।

‘वोट चोर गद्दी छोड़’ हस्ताक्षर अभियान को लेकर कांग्रेस ने तेज की तैयारियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला कांग्रेस भवन में जिला अध्यक्ष सुश्री बिमला कुमारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस संगठन की सभी इकाइयों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य ह्लवोट चोर गद्दी छोड़ह्व हस्ताक्षर अभियान की रणनीति को अंतिम रूप देना था। सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि इस अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम न मानकर इसे जन-जागरूकता और लोकतंत्र बचाने के आंदोलन के रूप में संचालित किया जाए। जिला अध्यक्ष सुश्री बिमला कुमारी ने कहा कि कांग्रेस संगठन आज एक बड़े लोकतांत्रिक संघर्ष के मोर्चे पर खड़ा है। वोट चोरी केवल चुनावी अनियमितता नहीं, बल्कि जनता की आस्था और अधिकार का सीधा अपमान है। हम इस अन्याय के खिलाफ खामोश नहीं रह सकते। हर पंचायत, हर वार्ड और हर मोहल्ले तक पहुँचकर जनता को यह विश्वास दिलाना होगा कि कांग्रेस उनके वोट की रक्षा के लिए अंतिम दम तक संघर्ष करेगी। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे वरिष्ठ कांग्रेसी सत्या दुबे, कांग्रेस उपाध्यक्ष मिथिलेश सिंह, विनोद तिवारी, महिला जिलाध्यक्ष रेखा सिंह, जिला प्रवक्ता गोपाल सिंह, कार्यालय प्रभारी जितेंद्र कमलापुरी,युवा जिलाध्यक्ष मुन्ना खान, चैनपुर प्रखंड बीस सूत्री के अध्यक्ष रंजन दुबे,मजदूर नेता अनिल सिंह, ओमप्रकाश त्रिपाठी,आशीष ठाकुर, जिशान खान, रिजवान खान, गुलाम नबी सहित कई पदाधिकारियों ने संगठन की पूरी ताकत इस अभियान में लगाने का संकल्प व्यक्त किया।बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में प्रत्येक प्रखंड में पृथक रूप से बैठकें आयोजित की जाएँगी और क्रमवार सभी पंचायतों में हस्ताक्षर शिविर लगाकर इस अभियान को जन-आवाज बनाया जाएगा।

उपायुक्त ने अभियंताओं संग बैठक कर की संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में मंगलवार को तकनीकी विभाग के कार्यपालक अभियंताओं के साथ बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय सभागार में आयोजित इस बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंताओं के साथ उनके विभाग की ओर से संचालित विभिन योजनाओं, परियोजनाओं एवं कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की गयी।

इस बैठक का उद्देश्य विकास एवं निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर लंबित परियोजनाओं को शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था। हुसैनाबाद माइनर इरीगेशन द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा के दौरान चनबोथवा नाला पर चेकडैम निर्माण कार्य आवंटन होने के पश्चात भी प्रारंभ नहीं होने का मामला प्रकाश में आया।इस दौरान बताया गया कि संवेदक द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इसपर डीसी ने अभियंता को संबंधित संवेदक को आखरी चेतवानी देते हुए कार्य प्रारंभ कराने की बात कही अन्यथा टेंडर कैंसिल करने की बात कही। डीसी ने अनाबद्ध और डीएमएफटी मद से क्रियान्वित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा में खत्म करने की बात कही।इसी तरह जिला परिषद के अनटाईड फण्ड द्वारा क्रियान्वित योजनाओं में बेहद धीमी प्रगति को लेकर उपायुक्त ने जिला अभियंता के प्रति नाराजगी प्रकट करते हुए सभी कार्यों में तेजी लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगली बैठक में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर जिला अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई किया जायेगा।उपायुक्त ने छोटे-छोटे निर्मान प्रोजेक्ट को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए लापरवाही बरतने वाले संवेदकों को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने सभी तकनीकी पदाधिकारियों को पुरानी योजनाएं,जो हस्तगत करा दिए गये हैं उसे सूची से बाहर करने का निदेश दिया।उपायुक्त ने बिजली विभाग,पथ निर्माण विभाग,भवन निर्माण प्रमंडल भवन निर्माण निगम लिमिटेड,जल संसाधन,लघु सिंचाई प्रमंडल,राष्ट्रीय उच्च पथ पथ सहित विभिन्न तकनीकी विभागों से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कुपोषण उन्मूलन व संतुलित आहार के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जा रहा ‘पोषण माह-2025’

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पोषण का संबंध केवल भोजन से नहीं, बल्कि हमारी पूरी जीवनशैली से है कुपोषण उन्मूलन और संतुलित आहार के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाए जा रहे ‘पोषण माह-2025’ समारोह का आयोजन समाज कल्याण विभाग द्वारा किया गया।

इस दौरान उपायुक्त राम निवास यादव ने समाज कल्याण द्वारा लगाया गए सभी स्टालों का निरीक्षण कर पोषण माह जागरूकता अभियान के तहत पौष्टिक आहार का जायजा लिया। साथ ही कई महिलाओं की गोदभराई भी कराई गई तथा बच्चों का अन्नप्राशन किया गया। इस दौरान उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं को पोषण से संबंधित जानकारी दी और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और शिशुओं के अन्नप्राशन का आयोजन किया गया। साथ ही किशोरियों को पौष्टिक आहार दिया गया। मौके पर सभी को पौष्टिक आहार/सात्विक भोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिसके लिए समग्र प्रयास की आवश्यकता है। ताकि पोषण माह कार्यक्रम सफल हो सके। पोषण अभियान योजना अंतर्गत 17 सितम्बर 2025 से 16 अक्टूबर 2025 तक पोषण माह-2025 का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय व्यंजन प्रतियोगिता जिसमें गिरिडीह जिला अंतर्गत कुल 10 परियोजनाओं के सेविका, सहायिका एवं पोषण सखी ने विभिन्न प्रकार की व्यंजन का स्टॉल लगाया गया। जिसमें सरिया परियोजना ने प्रथम, डुमरी परियोजना ने द्वितीय एवं गिरिडीह सदर परियोजना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोषण माह 2025 का प्रमुख विषय-मोटापा कम करना-चीनी, नमक और तेल को खाने में कम करना प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा- पोषण भी, पढ़ाई भी वृद्धि निगरानी, शिशु और छोटे बच्चों को खिलाने के तरीके एक पेड़ माँ के नाम / कन्वर्गेन्स एक्शन & डिजिटइजेशन पोषण में पुरूष को मुख्यधारा में शामिल करना लोकल फोर वोकल के तहत - प्रतिदिन के आहार में स्थानीय भोजन को बढ़ावा दें। इस अवसर पर उपायुक्त ने अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पोषण का संबंध केवल भोजन से नहीं, बल्कि हमारी पूरी जीवनशैली से है।

गिरिडीह में कर्पूरी भवन निर्माण को लेकर नाई समाज की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राष्ट्रीय नाई महासभा की एक बैठक मंगलवार को कृष्णानगर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नन्दलाल शर्मा ने की । बैठक में सबसे पहले गिरिडीह में कर्पूरी ठाकुर चौक का सौन्दर्यीकरण के लिए झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को धन्यवाद दिया गया। निर्णय लिया गया कि छठ महापर्व के बाद कर्पूरी ठाकुर चौक का उद्घाटन नगर विकास मंत्री के हाथों होगा। बैठक में सभी प्रखंड अध्यक्षों ने मांग किया कि गिरिडीह में एक कपूरी भवन का निर्माण के लिए समाज को पहल करना चाहिए। तत्पश्चात यह सर्वसम्मति से तय किया गया कि बहुत जल्द विभिन्न प्रखंडों में बैठक करके आगामी नवम्बर महिना में जिला स्तर पर एक सम्मेलन किया जाएगा ।

नाव पलटने से नाबालिग लड़की की मौत तीन लोग डूबने से बाल बाल बचे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी /कटिहार। बरारी प्रखंड के सेमापुर थाना क्षेत्र के डहरा गांव वार्ड-17 में सोमवार की शाम नाव पलटने से 13 वर्षीय लड़की की मौत हो गई।जबकि दो लड़की और एक महिला डूबने से बाल-बाल बच गए।

हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है।ग्रामीणों के अनुसार डहरा गांव निवासी रविन्द्र मंडल की पुत्री जूही कुमारी (13) अपनी बड़ी बहन निशु कुमारी (14) छोटी बहन कोमल कुमारी (12) एवं मामी रंजू देवी (30) पत्नी वीरेंद्र मंडल और 12 वर्षीय ममेरे भाई के साथ नाव से खेत की ओर गई थी। वापसी के दौरान बीच धार में नाव अचानक असंतुलित होकर पलट गई। सभी लोग पानी में डूब गए। इस दौरान ममेरा भाई किसी तरह तैरकर किनारे पहुंचा और शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने रंजू देवी समेत दो लड़कियों को बाहर निकाल लिया। लेकिन जूही कुमारी लापता हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों ने खोजबीन शुरू की। काफी मशक्कत के बाद रात करीब 9 बजे जूही का शव नदी की धारा से बरामद किया गया। घायलों को तत्काल कटिहार सदर अस्पताल भेजा गया। जहां सभी का इलाज चल रहा है। सेमापुर थानाध्यक्ष ने बताया कि नाव पलटने की घटना में एक बच्ची की मौत हुई है। जबकि दो लोग इलाजरत हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अवैध हथियार एवं बडी मात्रा में हथियार बनाने का समान पुलिस ने किया बरामद किया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले के कोढा थाना पुलिस ने अवैध हथियार व अवैध हथियार बनाने में उपयोग किए जाने वाले सामानों को छापेमारी कर जप्त करने में सफलता पाई है।

इस बाबत पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अवैध हथियार तस्करी के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है । इसी क्रम में सोमवार की रात्रि में कोढ़ा थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रामपुर हाट ग्राम में अवैध हथियारों का कारोबार किया जा रहा है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु थानाध्यक्ष अपने पुलिस बल के साथ तत्परता से उक्त स्थल पर छापामारी करने पहुँचे। छापामारी के क्रम में रामपुर हाट गॉव से 02 देशी कट्टा एवं मिनी गन फैक्टी का कुछ अन्य आपराधिक सामग्री बरामद की गई। बरामद वस्तुओ मे एक सिलेंडर ,गैस लोहा कटिंग मशीन दो ब्लेड, एक लेंथ मशीन , 01वेल्डिंग मशीन ,02 ड्रिल मशीन , 02लोहा का रेती , 01 हेक्सा आरी फ्रेम , 06 छेनी , 03हथौड़ी , 01पीतल का फ्रेम सांचा , 04 लोहा का टुकड़ा , 01लकड़ी काटने वाला आरी , 01 लोहा का फ्रेम , वेल्डिंग रड 01 पैकेट, 01 लोहे का रड , 02लोहे का बना सरसी , 01 पीतल कटींग फ्रेम सॉचा , लोहे का नाली बड़ा- छोटा 06 पीस शामिल है। एसपी ने बताया कि मामले पर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

‘रुपौली बोले–अब बदलाव तय’ : आमोद मंडल का बिगुल, कहा जनता के भरोसे उतरा हूं मैदान में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ जन सुराज ने रुपौली से उतारा पूर्व राजद प्रदेश महासचिव आमोद मंडल को प्रत्याशी, बोले–‘विकास और स्वाभिमान ही हमारी राजनीति का मूल मंत्र’

रुपौली/पूर्णिया। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रुपौली की सियासत में नई हलचल मच गई है। जन सुराज पार्टी ने अपनी दूसरी सूची जारी करते हुए पूर्व राजद प्रदेश महासचिव आमोद मंडल को रुपौली विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी के इस ऐलान के बाद इलाके की राजनीतिक बिसात पर नई चालें चली जाने लगी हैं।

आमोद मंडल ने नाम घोषित होने के बाद कहा कि वे रुपौली की जनता के आशीर्वाद से चुनावी मैदान में उतरे हैं। उन्होंने कहा—‘रुपौली में मेरा मुकाबला किसी व्यक्ति से नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों से है। जनता के विश्वास और आशीर्वाद से इस क्षेत्र की तस्वीर बदलना ही मेरा लक्ष्य है। यदि जनता मुझे अवसर देती है तो सबसे पहले रुपौली को बाढ़ के भय से मुक्त करने के लिए रिंग बांध निर्माण मेरा प्राथमिक कार्य होगा। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को लेकर ठोस कदम उठाना मेरी प्राथमिकता में रहेगा।’ आमोद मंडल ने कहा कि वे जन सुराज पार्टी के विचार और नीति से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह, जो पूर्व सांसद भी रह चुके हैं, बिहार की राजनीति में एक नई सोच और ईमानदार विकल्प लेकर आए हैं। ‘पप्पू सिंह जैसे स्वच्छ छवि वाले नेता के मार्गदर्शन में जन सुराज एक मजबूत विकल्प बन चुका है,’ उन्होंने कहा। प्रशांत किशोर के प्रति भी आमोद मंडल ने सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी वैचारिक यात्रा और बिहार को नए रास्ते पर ले जाने की प्रतिबद्धता ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है। ‘प्रशांत किशोर ने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया है, न कि सत्ता की सीढ़ी। उनके विचारों ने जन सुराज को जनांदोलन में बदल दिया है,’ आमोद मंडल ने कहा। रुपौली में आमोद मंडल के उतरने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। जदयू ने कलाधर मंडल पर भरोसा जताया है, जो इससे पूर्व हुए उपचुनाव में भी प्रत्याशी रह चुके हैं। वहीं राजद ने अपने पुराने किले को बचाने के लिए बीमा भारती को मैदान में उतारा है। लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि आमोद मंडल का प्रवेश रुपौली की सियासत को नई दिशा दे सकता है, क्योंकि वे क्षेत्र में विकास और स्वाभिमान की राजनीति के प्रतीक बनकर उभर रहे हैं। आमोद मंडल ने अंत में कहा—‘रुपौली के लोगों ने अब ठान लिया है कि वे राजनीति में नई शुरूआत करेंगे। जन सुराज उस नई शुरूआत का नाम है, जहां जनता ही नेता है और विकास ही धर्म।’

सिद्धों कान्हू कृषि व वनउपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कार्यशाला का उद्देश्य बिचौलियों को हटाकर किसानों को उनके कृषि और वनोपज का सीधा लाभ पहुंचाना है, कार्यशाला में धान, गेहूं, लाह, इमली और महुआ जैसे उत्पादों के संकलन पर चर्चा हुई, ताकि किसानों के लिए प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित हो सके नगर भवन में आज सिद्धों कान्हू कृषि एवं वनोपेज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उपायुक्त रामनिवास यादव, उप विकास आयुक्त, स्मृता कुमारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया। उक्त कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीणों को अब वनोपज का मलिकाना हक मिलेगा। इसके लिए प्रशासन सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज सहकारी संघ का गठन कर अनुसूचित जनजाति एवं ग्रामीणों को वनोपज उत्पादन एवं संग्रहित उत्पादों का उचित पारिश्रमिक दिलाने की कवायत शुरू की है। इसमें कृषि एवं वनोपज जैसे धान, गेहूँ, सब्जी, फल, कुटकी, सरगुज, चिरौंजी, नट चिरोता, आवला, बिडी पत्ता, महुआ, करंज, हरे, बहेरा, रेशम, तशर, लाह आदि का उत्पादन संकलन प्रसंस्करण, अनुसंधान तथा विकास की विभिन्न गतिविधियों को सहकारी आधार पर संगठित किया जायेगा। क्रय विक्रय को ऐसी व्यवस्था होगी जिसमें सदस्यों को सर्वोतम लाभ मिल सके। विभागीय संकल्प के अनुसार सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ का गठन किया गया है। इसका दायित्व है कि कृषि एवं अनुसंगी गतिविधियों तथा वनोपज के व्यापार से ठिकेदारी प्रथा पूर्ण रूप से समाप्त करना है। अनुसूचित जनजाति एवं ग्रामिणों को अब वनोपज का सिधा लाभा मिलेगा। आगे उपायुक्त ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लक्ष्य को प्राप्ति करने हेतु प्रेरित किया गया, साथ ही कृषि एवं वनोपज के माध्यम से सशक्तिकरण हेतु सिडकोफेड के कार्याकलापों की सराहना की। सहकारी समिति के सदस्यों को संघ के माध्यम से अपने उपज का अधिकतम मूल्य प्राप्त करने और सहकारिता के माध्यम से बिचौलियों के शोषण से मुक्त होने से संबंधित जानकारियों को विस्तार से साझा किया गया इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी ने कहा कि सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लिमिटेड सिद्धकोफेड एक राज्य स्तरीय शीर्ष सहकारी संस्थान है, जो कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग सहकारिता प्रभाग झारखण्ड सरकार से निबंधित है। उन्होंने कहा इसका दायित्व कृषि एवं वनोपज की खरीद, भंडारण, प्रसंस्कारण और विपणन, बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि का इनपुट व्यवसाय, कृषि अवसंरचना के लिए वेयर हाउस, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज, प्रसंस्करण ईकाइयों, राईस मिल इत्यादि है इसके अलावा जिला सहकारिता पदाधिकारी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि शीर्ष संगठनों एवं निजी कंपनियों के साथ विपणन हेतु संस्थागत सहयोग करना, सहकारी योजनाओं से संस्थागत अनुदान एवं अवसंरचना हेतु अभिसरण तथा लाह, शहद आदि के उत्पादन में वृद्धि सहित अन्य गतिविधियां है एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न योजनाओं से एमपी सीएस के माध्यम से राज्य के कृषकों/वनोपज संग्रहकों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जा सके तथा उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाया जा सके सभी एमपी सीएस को जिला सहकारी यूनियन का साधारण सदस्य शेयर धारक बनाना। जिलान्तर्गत कार्यरत एफपीओ को जिला सहकारी यूनियन सिद्वकोफेड से नाममात्र सदस्य के रूप में जोड़ना।सभी एमपीसीएस में सदस्यता अभियान चलाकर कार्यक्षेत्र अंतर्गत शत प्रतिशत परिवारों को जोड़ना प्रधानमंत्री किसान समृद्धि योजना पीएमकेएसवाई के क्रियान्वयन हेतु इच्छुक एवं योग्य एमपीसीएस का चयन। कृषि एवं वनोपज उत्पादों के व्यवसाय हेतु एमपीसीएस को क्रैडिट लिन्केज की सुविधा प्रदान कराना।

किसानों की मेहनत का लाभ किसानों को मिले, न कि बिचौलियों और पूंजीपतियों को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने झारखंड सरकार से तत्काल सभी पंचायतों में धान खरीदी केंद्र खोलने की व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि इस साल बेहतर फसल का लाभ किसानों को मिले न की बिचौलियों और पूंजीपतियों को इस बाबत पूर्व जिप सदस्य एवं फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने कहा कि, भाजपा शासन काल से ही झारखंड में देखा जा रहा है कि किसानों को उनकी फसल का लाभ नहीं मिल पाता।

बिचौलियों के माध्यम से पूंजीपति ही उसका लाभ उठा लेते हैं। मौजूदा सरकार गठन के पहले गठबंधन में शामिल दलों ने इस बात की घोषणा की थी, कि उनकी सरकार बनने पर किसानों को पूरी सहूलियतें दी जाएंगी। लेकिन ऐसा कुछ खास हुआ नहीं, भाजपा शासन जैसा ही किसानों की मेहनत का लाभ बिचौलिए और पूंजीपति उठाते जा रहे हैं कहा कि, इस वर्ष धान की फसल अच्छी हुई है। लेकिन अगर सभी पंचायतों में धान खरीदने की व्यवस्था नहीं की गई, साथ ही धान खरीदने के लिए अग्रिम राशि नहीं भेजी गई, तो फिर से किसानों का श्रम लूट लिया जाना तय है। किसानों को लगभग आधी कीमत पर धान बेचने को विवश होना पड़ेगा। इसलिए सरकार तत्काल किसानों के हित में यह कदम उठाए यादव ने कहा कि, शीघ्र ही विषय पर लिखित रूप से सरकार एवं प्रशासन को दिया जाएगा। किसान हित में उक्त मांग करने वालों में फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता संजय चौधरी, राजेंद्र मंडल, रामलाल मंडल, मनोज यादव, शंभू ठाकुर, शिवनंदन यादव, शंभू तुरी, पंकज वर्मा सहित अन्य थे।

550 से अधिक छात्र-छात्राओं ने ली 'खादी अपनाने' की शपथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। "हर घर स्वदेशी–घर घर स्वदेशी" मिशन के तहत स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने एवं 'खादी' के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से खादी और ग्रामोद्योग आयोग, राज्य कार्यालय रांची द्वारा मंगलवार को औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (आई.टी.आई.), ईटकी रोड, बजरा, रांची में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सबसे पहले छात्रों के बीच क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में परमानंद रजक, प्रभारी प्राचार्य, आशीष कुमार, वरिष्ठ प्रशिक्षण पदाधिकारी, विभिन्न ट्रेडों के प्रशिक्षण पदाधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के वरिष्ठ कार्यालय अधीक्षक सुशांता चक्रवर्ती एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। क्विज प्रतियोगिता के पश्चात लगभग 550 छात्र-छात्राओं, अध्यापकगण और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के कर्मचारियों की उपस्थिति में खादी प्रतिज्ञा दिलाई गई। इसके उपरांत एक भव्य खादी यात्रा निकाली गई, जिसका नेतृत्व आई.टी.आई. के प्राचार्य एवं आयोग के वरिष्ठ कार्यकारी सह कार्यालय अधीक्षक ने किया। खादी यात्रा में आमजन की स्वैच्छिक भागीदारी से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य ने अपने संबोधन में युवाओं से आह्वान किया कि वे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 'खादी' को अपनाएं और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि खादी को अपनाना आज समय की मांग है, और यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "वोकल फॉर लोकल" तथा "आत्मनिर्भर भारत" के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। खादी ग्रामोद्योग आयोग के प्रतिनिधि ने निदेशक महोदय का संदेश विद्यार्थियों को सुनाया और जनमानस से "हर घर स्वदेशी–घर घर स्वदेशी" मिशन को सफल बनाने का आह्वान किया। आयोग ने अनुरोध किया है कि इस कार्यक्रम की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, ताकि खादी एवं स्वदेशी उत्पादों के प्रति जनजागरूकता को और गति मिल सके।

15 बाइक चोर गिरफ्तार, 24 से अधिक चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 15 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 24 से अधिक चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की हैं। यह कार्रवाई ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में नामकुम थाना क्षेत्र में की गई हैं।

चालाकी से करते थे बाइक की हेराफेरी

गिरोह के सदस्यों की कार्यशैली बेहद संगठित थी। चोरी की वारदात को अंजाम देने से पहले ये आरोपी बाइक के लिए ग्राहक तैयार कर लेते थे। खरीदार मिलने पर चोरी की बाइक बेच दी जाती थी, जबकि खरीदार न मिलने पर बाइक को होटल में गिरवी रख दिया जाता था। चोरी के बाद गिरोह होटल में जमकर पार्टी करता था और बाइक को बतौर गारंटी होटल में छोड़ जाता था। कुछ दिनों बाद वे होटल संचालकों को धमकाते थे कि बाइक चोरी की है और अगर वापस नहीं की गई तो पुलिस को इसकी जानकारी दे देंगे। इस डर से होटल संचालक बाइक उन्हें वापस कर देते थे।

गुप्त सूचना पर हुई बड़ी छापेमारी

सोमवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि नामकुम थाना क्षेत्र के रांची–टाटा मुख्य मार्ग पर बंद टी प्वाइंट होटल के पास बाइक चोर गिरोह चोरी की मोटरसाइकिल की खरीद-बिक्री के लिए जुटा है। सूचना के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर सभी 15 सदस्यों को धर दबोचा।

पुलिस ने मांगे कागजात, खुल गई चोरी की पोल

गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने आरोपियों से बरामद बाइक के दस्तावेज मांगे तो कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में सभी ने बाइक चोरी की बात स्वीकार की। आरोपियों ने बताया कि वे रांची के विभिन्न थाना क्षेत्रों से अपने सहयोगियों की मदद से मोटरसाइकिल चोरी करते थे। चोरी के बाद नंबर प्लेट बदलकर सिल्ली, मुरी और रांची के अन्य इलाकों में सस्ते दामों पर सिंडिकेट के जरिए बाइक बेच दी जाती थी। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और खरीददारों की पहचान कर रही है। इस कार्रवाई से जिले में बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं पर लगाम लगने की उम्मीद है।

एक नजर

इंटर विद्यालय कौआकोल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

कौआकोल। प्रखण्ड के इंटर विद्यालय कौआकोल में इन दिनों स्वीप कार्यक्रम के तहत लगातार मतदाता जागरूकता को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्याम कुमार वर्मा ने बताया कि लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता को लेकर विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा प्रभातफेरी,चित्रकला,रंगोली आदि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

स्कूली बच्चों के बीच बैग का वितरण

कौआकोल। प्रखण्ड के इंटर विद्यालय कौआकोल में प्रभारी प्राचार्य श्याम कुमार वर्मा एवं गायत्री प्रोजेक्ट बालिका इंटर विद्यालय कौआकोल में प्रभारी प्राचार्य सन्दीप कुमार की देखरेख में स्कूल बैग एवं शैक्षणिक सामाग्री का वितरण किया गया। वहीं इंटर विद्यालय कौआकोल में शैक्षणिक चलचित्र भी बच्चों को दिखाया गया। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

विस चुनाव : शराब कारोबारियों पर कड़ी नजर विशेष निगरानी अभियान शुरू

नवादा। विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू होते ही मद्यनिषेध विभाग ने अवैध शराब कारोबार, निर्माण, परिवहन और तस्करी पर नियंत्रण के लिए विशेष निगरानी अभियान शुरू कर दिया है। मद्यनिषेध अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में प्रशासन को सहयोग दें। उन्होंने कहा कि अवैध शराब से संबंधित किसी भी सूचना को नागरिक विभागीय टोल फ्री नंबर 15545, 1800-345-6268 अथवा जिला मद्यनिषेध नियंत्रण कक्ष (बुधौल) के नंबर 8544424181 पर दे सकते हैं। शिकायतकर्ता का नाम और मोबाइल नंबर पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। इसके अलावा नागरिक अधीक्षक मद्यनिषेध अरुण कुमार मिश्र (9473400617), उत्पाद थाना नवादा की थानाध्यक्ष पवित्रा कुमारी (7762908481) और उत्पाद थाना पकरीबरावां के थानाध्यक्ष रामेश्वर टुड्डु (7979715296) को भी सीधे सूचना दे सकते हैं। अधीक्षक ने कहा कि आमजन के सहयोग से ही चुनाव अवधि में अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी रोक संभव है।

चुनाव को लेकर सघन वाहन जांच अभियान शुरू

बिहारशरीफ। आगामी 6 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले में पुलिस प्रशासन द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। नालंदा-नवादा को जोड़ने वाले राज्य हाइवे 71 पर मायापुर मोड़ के पास एक विशेष चेकपोस्ट स्थापित किया गया है। यहां दोपहिया और चारपहिया सभी वाहनों की सावधानी पूर्वक जांच की जा रही है। इस चेकपोस्ट पर कृषि सलाहकार रामचंद्र कुमार को दंडाधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि एसआई संजय सिंह पुलिस बल के साथ तैनात हैं। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि यह चेकपोस्ट विधानसभा चुनाव को भयमुक्त और निष्पक्ष बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। वाहनों की आवाजाही पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में नियमित गश्त और निरीक्षण भी किया जा रहा है, ताकि असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाया जा सके और मतदाताओं को शांतिपूर्ण माहौल में मतदान करने में सुविधा हो।

सिविल सर्जन ने अस्पताल पहुंच लिया जायजा

रजौली। अनुमंडल मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण सिविल सर्जन नवादा डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने किया। इस दौरान उन्होंने लेबर रूम, इमरजेंसी रूम, एक्सरे रूम आदि का निरीक्षण किया और स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत कर उन्हें आवश्यक निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली गई है और अस्पताल में व्याप्त खामियों को दूर करने को लेकर निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अस्पताल में तैनात स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत कर आवश्यक निर्देश भी दिए।गौरतलब है कि रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में इमरजेंसी ट्रामा सेंटर का उद्घाटन किया गया था, लेकिन पूरी व्यवस्था नहीं होने के कारण आज तक यह बंद पड़ा है। अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सक की नियमित पोस्टिंग नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। इस मौके पर अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार और पीएचसी प्रभारी डॉ. सौरभ कुमार निराला के अलावे अस्पताल मैनेजर विकास कुमार समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

शहर में चलाया जा रहा वाहन जांच अभियान

नवादा। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर नवादा जिले में बड़े पैमाने पर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। जिला मुख्यालय के अनेक स्थलों पर पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में वाहनों की जांच और तलाशी की जा रही है। इस दौरान शहर के सद्भावना चौक, प्रजातंत्र चौक, भगत सिंह चौक, इंदिरा चौक सहित कई जगहों पर पुलिस पदाधिकारी द्वारा वाहनों की तलाशी ली जा रही है। भगत सिंह चौक पर नगर थाना के सब इंस्पेक्टर अमर कुमार के नेतृत्व में वाहनों की सघन तलाशी ली गई एवं समुचित कागजात की जांच की गई। इस संबंध में पुलिस पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव को संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह कटिबद्ध है।

मूर्ति बिगहा गांव जाने वाली जर्जर सड़क से बढ़ी परेशानी

औरंगाबाद/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले के ओबरा प्रखंड में सड़क की स्थिति इन दिनों काफी जर्जर हो गई है। प्रखंड के डिहरी पंचायत के मूर्ति बिगहा जाने वाली पथ पर ग्रामीणों को आवागमन करने में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बता दें कि 20 से 25 वर्ष पहले ईंट सोलिंग का कार्य हुआ था। इसके बाद कोई कार्य नहीं हुआ। सड़क से होकर करीब 1000 हजार की आबादी प्रभावित हो रही है। ग्रामीण चंदन सिंह, निक्कू सिंह, मनजीत सिंह ने बताया कि सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। पैदल चलना भी मुश्किल है। कोई भी चार पहिया वाहन पर आना नहीं चाहता है। यहां तक की बच्चों को विद्यालय जाने में भी काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। जब कोई ग्रामीण पड़ जाता है तो अस्पताल ले जाने के लिए भी मशक्कत करना पड़ता है। इस पथ से होकर 20 गांव के लोग आवागमन करते हैं। इतना होने के बावजूद भी अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को सड़क की निर्माण की दिशा में कोई पहल नहीं की जा रही है। बताया कि कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सामने मुद्दा उठाया लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। बताया कि सोनबर्षा गांव तक पक्की सड़क है। इसके बाद उनके गांव जाने के लिए लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल दूरी तय करना पड़ता है। बता दें कि कुछ वर्ष पहले प्रखंड प्रमुख के द्वारा सड़क पर ईंट सोलिंग का कार्य कराया गया था परंतु ट्रैक्टर और अन्य वाहनों के चलने के कारण कुछ दिन में ही सड़क जर्जर हो गई। कच्ची मार्ग पर पैदल ही सफर करते हैं।

क्षतिग्रस्त पइन की मरम्मत न होने से किसान मायूस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर। मदनपुर प्रखंड के बनियां पंचायत के शिवा बिगहा चहका से सैलवां कोइरी बिगहा पइन जो झरही नदी से निकलती है, वह पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त है। झरही नदी में पानी अत्यधिक प्रवाहित होने के कारण पइन के पिंड अनेकों जगह पर तोड़ दिया है जिस कारण किसानों को खेत पटवन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सैलवां पइन से तीन पंचायतों बनिया, महुआवां एवं बेरी के थवई सैलवां, कोइरी बिगहा, बेलहर महुआवां आदि गांवों के सैकड़ों एकड़ जमीन का सिंचाई होता है। किन्तु सरकार के उपेक्षा पूर्ण रवैया के कारण इस पइन का जीर्णोद्धार नहीं हो पाया है। उक्त गांवों के किसानों को सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है। पूर्व में बनिया पंचायत के पंचायत समिति सदस्या बबिता देवी के द्वारा बिहार सरकार के लघु जल संसाधन विभाग के मंत्री सह औरंगाबाद ज़िला के प्रभारी मंत्री संतोष कुमार सुमन, सचिव लघु जल संसाधन विभाग बिहार पटना एवं जिलाधिकारी, कार्य पालक अभियंता लघु जल संसाधन विभाग को पत्र लिखकर शिवा बिगहा चहका से सैलवां कोइरी बिगहा तक पैईन को हर खेत तक पानी जो जल जीवन हरियाली बिहार सरकार की महात्वाकांक्षी योजना है। इसके माध्यम से लघु जल विभाग के तहत इसको कार्यान्वित करवाने की मांग पूर्व में ही की गई थी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

सड़क किनारे बने गड्ढे में गिरकर बालक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जामताड़ा। जिले के करमाटांड़ थाना क्षेत्र के काशीटांड़ में मंगलवार को सड़क किनारे बने गड्ढे में गिरने से 10 वर्षीय बालक की डूबकर मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों के अनुसार, बालक सुबह लगभग 8 बजे घर से खेलने के लिए निकला था। काफी देर तक घर वापस न लौटने पर परिवार के सदस्यों ने उसकी खोजबीन शुरू की। तलाश के दौरान बालक अचेत अवस्था में सड़क के किनारे रेलवे लाइन के पास बने गड्ढे में मिला। परिजन तत्काल उसे जामताड़ा सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि रेलवे लाइन के पास सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। इसी दौरान गड्ढा बनाया गया था, जिसमें पानी भरा हुआ था। उसी गड्ढे से बालक का शव बरामद किया गया।

उब गांव में श्रीमद भागवत कथा चार दिवसीय ज्ञान यज्ञ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। ऊब गांव में चार दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन शुरू हो गया है। कथा स्थल पर गीत-संगीत और भक्ति भाव के बीच भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। तीसरे दिन सोमवार को अयोध्या से पधारी देवी अनुराधा सरस्वती ने भागवत कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भागवत कथा का श्रवण करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है। देवी अनुराधा सरस्वती ने कहा कि श्रीमद भागवत कथा के श्रवण से परिवार और स्वयं के जीवन से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। कथा में छिपे रहस्यों से अभिमान खत्म होता है, भक्तों का भाग्य खुलता है और घर में सुख-शांति का वातावरण बनता है। उन्होंने यह भी बताया कि जहाँ भागवत कथा का आयोजन होता है, वहां भूत-प्रेत की नकारात्मक शक्तियों का वास नहीं रहता और पूरे क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा फैलती है। कार्यक्रम के आयोजक एवं प्रबंध निदेशक कपिलदेव संगीत महाविद्यालय के दिनेश पाण्डेय हैं। प्रतिदिन

सैकड़ों श्रद्धालु इस ज्ञान यज्ञ में भाग लेकर लाभ उठा रहे हैं। देवी अनुराधा सरस्वती के भक्ति गीत और संगीत से उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर पूर्व मुखिया अभिमन्यु शर्मा, राजीव पाण्डेय, दामोदर उपाध्याय, सुशील कुमार पाण्डेय, कौशल किशोर पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, ऋचा कुमारी, बबन शर्मा, कौशल्या कुमारी, ममता देवी, कुंती देवी, और रामजी शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। भक्तों का मानना है कि भागवत कथा का श्रवण करने से न केवल व्यक्तिगत जीवन सुधरता है, बल्कि आस-पास के लोग भी इसका लाभ प्राप्त करते हैं।

झारखंड में मानसून की विदाई के बाद भी बादलों का डेरा

तापमान में नहीं आया बदलाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड से 13 अक्टूबर को औपचारिक रूप से मानसून की विदाई हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद आसमान में बादलों का डेरा बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम बंगाल और झारखंड के ऊपरी वायुमंडल में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है, जो समुद्र तल से 3.1 से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है। यही कारण है कि राज्य में इन दिनों आंशिक बादल छाए हुए हैं। हालांकि सुबह-शाम हल्की ठंडक का एहसास होने लगा है, लेकिन तापमान में कोई विशेष गिरावट दर्ज नहीं की गई है। मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक, अगले सात दिनों तक अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। पूरे सप्ताह आंशिक बादल छाए रहेंगे, लेकिन मौसम शुष्क बना रहेगा। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अधिकतम तापमान चाईबासा में 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर में 33.8, डाल्टनगंज में 31.6, बोकारो में 32.1 और धनबाद में 32 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 17.3 डिग्री (लातेहार) से लेकर 20.2 डिग्री सेल्सियस तक रहा। वापसी के दौरान मानसून ने गढ़वा को किया सराबोर 1 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक मानसून की वापसी के दौरान झारखंड में सामान्य से 42% अधिक बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में गढ़वा में सबसे अधिक 266% अतिरिक्त वर्षा हुई। गिरिडीह में 134%, जामताड़ा में 116%, धनबाद में 113% और लातेहार में 103% अधिक बारिश दर्ज की गई। वहीं, साहिबगंज, सिमडेगा, पाकुड़, गोड्डा, रांची, खूंटी और गुमला में सामान्य से कम वर्षा हुई। मौसम विभाग ने साफ किया है कि निकट भविष्य में झारखंड में बारिश की कोई संभावना नहीं है, लेकिन बादलों की मौजूदगी के कारण दिन में हल्की उमस और रात में हल्की ठंडक बनी रहेगी।

गिरिडीह में राजनीतिक धमासान तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बिहार विधान सभा चुनाव 2025 के ऐलान के साथ ही राजनीतिक घमासान और तेज हो गया है। राज्य में पिछले 20 वर्षों से सत्ता में काबिज एनडीए के नेताओं पर अब जनता की बढ़ती जागरूकता और महागठबंधन की लोकप्रियता का दबाव है। राजद का कहना है कि कानूनी शिकंजों से तेजस्वी यादव को सत्ता में आने से रोकने की कोशिशें असफल साबित होंगी। महागठबंधन के मजबूत स्तंभ और गरीबों के मसीहा लालू प्रसाद यादव की विचारधारा और सामाजिक न्याय की ताकतें राजनीतिक परिदृश्य में ऐतिहासिक बदलाव ला रही हैं। प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने पूर्व डिप्टी सीएम के रूप में बिहार के पांच लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी, जो युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित हुई। राजद के नेताओं का कहना है कि तेजस्वी यादव की लोकप्रियता और उनके जनहित के कार्यों से एनडीए बौखलाया हुआ है। बिहार के जनता ने महागठबंधन के नेताओं की वोट अधिकार यात्रा का भी भरपूर समर्थन किया। जिला अध्यक्ष इरफान आलम, प्रदेश अध्यक्ष गिरेंद्र प्रसाद यादव, और अन्य राजद नेताओं ने कहा कि लालू-तेजस्वी परिवार के खिलाफ रची गई साजिशें जनता के अधिकारों और सामाजिक न्याय की भावना को दबाने की कोशिश हैं, लेकिन इनका कोई असर नहीं होगा। तेजस्वी यादव को न्यायालय पर पूर्ण भरोसा है और कोई भी उन्हें बिहार का मुख्यमंत्री बनने से रोक नहीं सकता। राजद का संदेश साफ हैः तेजस्वी यादव की सरकार 2025 में बनेगी और उनका लक्ष्य बिहार के युवाओं, गरीबों और महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा के लिए संक्षिप्त निविदा सूचना सं.: 03एचडब्ल्यूएचसीओएन॥ऑफ2025-26 [निविदा सं. 03एचडब्ल्यूएचसीओएन॥ऑफ2025-26 (दो पैकेट प्रणाली में खुली निविदा)], दिनांक 13.10.2025; उप मुख्य अभियंता/निर्माण/II, पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकलघाट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए समुचित अनुभव, वित्तीय दक्षता एवं पर्याप्त एवं अपेक्षित संसाधन एवं अनुभव रखने वाले ख्यातिप्राप्त ठेकेदारों से ई-निविदा के लिए खुली निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः** लिलुआ वर्कशॉप, पूर्व रेलवे में ईएमयू कोच के पीओएच के लिए पिट के प्रावधान के साथ रोड सह रेल ट्रैक का निर्माण एवं एल-शॉप बे III एवं बे IV के क्रेन गर्डर का मजबूतीकरण, आईसीएफ बे के निर्माण जैसे विभिन्न बुनियादी विकास कार्य। **अनुमानित मूल्यः** रु. 31,08,33,604.68; **बयाना राशिः** रु. 17,04,200/-; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 10 महीने; **खुलने की तारीखः** 11.11.2025। विस्तृत निविदा सूचना, दस्तावेज तथा समय-समय पर जारी संशोधनी के साथ आवश्यक पात्रता के मानदंड वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोलियां उपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (CON-47/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा–711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **सीनि. डीईएन/सी/हावड़ा। एनआईटी सं.: 157_2025-26, दिनांक 13.10.2025, कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडलः ठेकेदार के निजी पीक्यूआरएस पोर्टलों (2 अदद) एवं गैंट्री द्वारा सीनि. डीईएन/सी/एचडब्ल्यूएच के अधीन एसएचई-जीओजीटी लोकेशनों में सीटीआर(पी)-9.719 टीकेएम : डाउन 24.000-33.719=9.719 किमी, कुल-सीटीआर(पी)-9.719 टीकेएम एवं लोकेशन-एचडब्ल्यूएच-बीएलवाई कॉर्ड में टीएसआर(पी)-29.799 टीकेएम : अप कॉर्ड 2.000-6.000=4.000 किमी, बीएलवाई-एसकेजीः अप कॉर्ड 66.000-81.000=15.000 किमी, बीडीसी-केडब्ल्यूएई अप 2.000-7.374=5.374 किमी; डाउन 2.000-7.425=5.425 किमी तथा अन्य कोई भी आनुषंगिक कार्य। **अनुमानित लागतः** रु. 9,39,67,320.76; **बयाना राशिः** रु. 6,19,800। **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 12 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 21.10.2025 को 14.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-345/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/25/60, दिनांक 13.10.2025; प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, 17, नेताजी सुभाष रोड, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित मदों की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक, निविदा सं., भंडार का विवरण, ईएमडी** क्रमशः निम्नलिखित हैं:- **निविदा खुलने की तारीखः 10.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (1) 21255018, केई2 डिस्ट्रिब्यूटर वॉल्व साथ में प्रेशर ट्रांसफॉर्मर इत्यादि, रु. 1,03,130/-. **निविदा खुलने की तारीखः 29.10.2025, समयः 13.30 बजेः** (2) 14251019, आरडीएसओ/एसपीएन/177/2012 (संस्करण 3) (नवीनतम संस्करण एवं अद्यतन संशोधन, यदि कोई हो, के साथ) के अनुसार सिंगल सेक्शन डिजिटल टाइप एक्सल काउंटर के लिए मॉडम कार्ड की खरीददारी, विनिर्देश (सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लि. के लिए उपयुक्त। निर्माता-एसएसडीएसी फेज रिवर्सल टाइप) इत्यादि, रु. 1,14,980/-। **निविदा खुलने की तारीखः 10.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (3) 21251019ए, शैकल लॉक एवं लॉक पिन के साथ स्प्लिट पिन इत्यादि, रु. 1,78,270/-। (4) 21251486, बीओएक्सएनएचएल वैगन इत्यादि के लिए स्ट्रिंगर (इन), रु. 1,85,400/-। **निविदा खुलने की तारीखः 03.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (5) 11251501, रबड़ स्प्रिंग, रु. 1,60,060/-। **निविदा खुलने की तारीखः 04.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (6) 08251468, 25 केडब्ल्यू ब्रशलेस अल्टरनेटर साथ में रेक्टिफायर सह रेगुलेटर उपकरण, रु. 5,59,090/-। **निविदा खुलने की तारीखः 07.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (7) 21255030, उच्च क्षमता ड्राफ्ट गीयर अरेंजमेंट इत्यादि, रु. 2,26,200/-। **निविदा खुलने की तारीखः 10.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (8) 14255144, विनिर्देश सं. आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/107/2018 वर्सन 2.1, क्रम सं. 2.3(बी) अथवा अनुच्छेद सं. 5(बी) के अनुसार बिना कीपैड एवं डिसप्ले के बगैर 5 वॉट वीएचएफ डुगुटॉक वॉकी टॉकी सेट की खरीददारी। प्रत्येक सेट में निम्नलिखित शामिल होने चाहिए : सम्पूर्ण रूप से बॉक्स पैकिंग में (1) एक सं. वीएचएफ सेट के साथ अनुकूल बैटरी + बैटरी चार्जर + एंटीना + अनुकूल बेल्ट क्लिप, (2) विनिर्देश सं. आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/107/2018, वर्सन 2.1 के अनुसार वीएचएफ सेट के लिए अनुकूल एक अदद अतिरिक्त बैटरी। बैटरी का प्रकार लाई-आयन होना चाहिए, बैटरी, आईपी67 इत्यादि, रु. 9,63,020/-। **निविदा खुलने की तारीखः 03.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (9) 06251274, 500 टिकटों युक्त यूटीएस थर्मल पेपर टिकट रोल की खरीददारी, रु. 6,76,190/-। **निविदा खुलने की तारीखः 10.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (10) 11251837, होज कनेक्शन 20 मिमी बोर x 550 मिमी, रु. 1,04,870/-। **निविदा खुलने की तारीखः 05.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (11) 11251078, एक्सल बॉक्स गाइड अरेंजमेंट की एनएफटीसी/यूएचएमडब्ल्यूपीई पैकिंग रिंग के लिए किट की खरीददारी, रु. 2,02,320/-। **निविदा खुलने की तारीखः 03.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (12) 11251074ए, बीएमबीसी कोचों इत्यादि के लिए ब्रेक गीयर बुशों के लिए किट की खरीददारी, रु. 3,84,080/-। **निविदा खुलने की तारीखः 04.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (13) 11251123, रबड़/मेटल शिम, रु. 3,57,980/-। **निविदा खुलने की तारीखः 11.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (14) 21252085, लॉक लिफ्ट लीवर असेम्बली इत्यादि, रु. 2,37,670/-। **निविदा खुलने की तारीखः 17.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (15) 21251072, बीओएक्सएनएचएल इत्यादि के लिए बोगी सेंटर पाइवोट टॉप, रु. 2,16,500/-। **निविदा खुलने की तारीखः 22.10.2025, समयः 13.30 बजेः** (16) 12254007, आरडीएसओ आरेख सं. टी-3706 के अनुसार एचवीएन इंसुलेटिंग लाइनर 66 के लिए चालू अनुबंध। रु. 20,00,000/-। **निविदा खुलने की तारीखः 15.10.2025, समयः 13.30 बजेः** (17) 22255229बी, इंजेक्शन परब्रोलाइजुमैब 100 एमजी, आयटम कोड एम261946, एआई 25-26, रु. 0/-. **निविदा खुलने की तारीखः 03.11.2025, समयः 13.30 बजेः** (15) 22251625, टैब/कैब रक्सोलिथिनिब 20 एमजी (आयटम कोड एम251024) एआई 25-26, रु. 0/-। **निविदा लागत :** सभी के लिए रु. 0। (बी) **निविदा सं. :** 52256012. **संक्षिप्त विवरणः** आरसीएफ आरेख सं. एमजे005531 के अनुसार एलएचबी कोचों के लिए आईआर डीआरडीओ बॉयो-डॉयजेस्टर सिस्टम। **निविदा बंद होने की तारीखः** 30.10.2025 को 13.30 बजे। **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 67,54,320/-। **टिप्पणीः** उपरोक्त उल्लेखित सभी निविदाएँ ई-निविदा हैं तथा सभी निविदादाताओं से अपनी बोलियां आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के जरिए ऑन-लाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। उपरोक्त उल्लेखित निविदाओं तथा अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में और अधिक विवरण के लिए कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें। (Stores-41/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री से लाइव जुड़े एकमा प्रखंड के विद्यार्थी, विकसित भारत विल्डथॉन 2025 में प्रस्तुत किए प्रोजेक्ट के माध्यम से नवाचार

नवाचार को सामाजिक विकास से जोड़ने का दिया संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। विकसित भारत बिल्डेथॉन-2025 कार्यक्रम के तहत बिहार के सारण जिले के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय गौसपुर व रामनंदन उच्च विद्यालय योगिया में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देशभर के चुनिंदा विद्यालयों के छात्र-छात्राओं से लाइव संवाद कर उन्हें नवाचार, तकनीकी सोच व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक मोहम्मद तौकीर अंसारी व लालबाबू यादव, विज्ञान शिक्षक ओम प्रकाश सिंह कार्यक्रम के संयोजक डॉ शशि भूषण शाही, किसलय कुमार, रंजीत कुमार, रंजीत रंजन, जुली कुमारी, विकास कुमार सिंह, कमल कुमार सिंह आदि की मौजूदगी में एकमा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय गौसपुर व रामनंदन उच्च विद्यालय योगिया के छात्र-छात्राओं छात्राओं ने सीधा संवाद करते हुए ह्लआत्मनिर्भर भारतह्व, ह्लस्वदेशीह्व, ह्लवोकल फॉर लोकलह्व और ह्लसमृद्ध भारतह्व जैसे विषयों पर अपना नवाचार प्रोजेक्ट प्रस्तुत करते हुए विचार साझा किए और उन्हें अपने नवाचार को सामाजिक विकास से जोड़ने का संदेश दिया। वहीं नवाचार और सामाजिक सुधार पर आधारित अपने-अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

छात्र-छात्राओं ने बताया कि यह आयोजन उन्हें सोचने, बनाने और देश के लिए कुछ नया करने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिया है।

सारण के छात्र-छात्राओं में नई ऊर्जा का संचार- एकमा प्रखंड के छात्रों ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताया। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री से जुड़ना और उनके संदेश को सुनना एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

विद्यालयों के शिक्षकों ने कहा कि आने वाले समय में छात्र अपनी नवाचार योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगें।

विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के टेलीविजन डिस्प्ले के माध्यम से यह कार्यक्रम इंटरनेट पर लाइव प्रसारित हुआ, जिससे छात्र-छात्राओं ने न केवल प्रधानमंत्री को सुना, बल्कि उनसे प्रेरणा लेते हुए अपनी योजनाओं पर भी विचार साझा किया।

प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के युवा और विद्यार्थी देश को विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुँचाने में सबसे बड़ी शक्ति हैं। नवाचार, तकनीक और रचनात्मकता से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण होगा।

विद्यालयों में हुआ उत्सव जैसा माहौल- दोनों विद्यालयों में कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। विद्यालयों को पोस्टर, बैनर और स्लोगन से सजाया गया था।

कार्यक्रम को ले शिक्षकों, छात्रों व स्थानीय लोगों में दिखा उत्साह

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपने मॉडल्स व प्रस्तुतीकरण के माध्यम से यह दिखाया कि कैसे स्थानीय समस्याओं का समाधान विज्ञान और तकनीक के माध्यम से किया जा सकता है।

प्रधानाध्यापक और शिक्षकों ने बताया कि विकसित भारत बिल्डेथॉन जैसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर हैं, जिससे वे बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकें।

जानिए विकसित भारत बिल्डेथॉन 2025 क्या है?- यह एक राष्ट्रीय नवाचार आंदोलन है, जिसे अटल इनोवेशन मिशन और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य देशभर के स्कूली छात्रों को स्थानीय और राष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान के लिए तकनीकी प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए प्रेरित करना है।

टिकट विवाद के बाद भी

चट्टानी एकता के साथ दिखे जदयू कार्यकर्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

इस्लामपुर(नालंदा)। इस्लामपुर विधानसभा क्षेत्र में जदयू खेमे में टिकट को लेकर चली लंबी रस्साकशी और गुटबाजी के बाद आखिरकार हालात पूरी तरह बदल गए हैं। अब पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता एक स्वर में जदयू के अधिकृत प्रत्याशी के समर्थन में जुट गए हैं। जिस संगठन में कुछ सप्ताह पहले तक टिकट को लेकर चार अलग-अलग गुट बन गए थे, वही संगठन अब एक मंच पर मजबूती से खड़ा दिखाई दे रहा है।

सूत्रों के अनुसार, टिकट की घोषणा के बाद स्थानीय स्तर पर वरिष्ठ नेताओं की सक्रिय भूमिका से सभी गुटों में समन्वय स्थापित हुआ। बैठक दर बैठक और संवाद के जरिए मतभेदों को दूर किया गया, जिसका परिणाम यह हुआ कि आज सभी कार्यकर्ता अपने मतभेद भुलाकर एनडीए प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से मैदान में उतर चुके हैं।

जदयू की गोलबंदी से विपक्षी खेमे में मची हलचल

गौरतलब है कि टिकट की दावेदारी के दौरान कुछ दिनों तक जदयू खेमे में जबरदस्त खींचतान रही थी। स्थिति ऐसी बन गई थी कि विपक्षी दलों को लगने लगा था कि जदयू की आंतरिक फूट का उन्हें सीधा लाभ मिलेगा। कई विपक्षी नेताओं ने इसे अपने पक्ष में हवा बनाने की भी कोशिश की थी। लेकिन टिकट की घोषणा के बाद जदयू नेताओं ने जिस तरह गोलबंदी की, उसने विपक्षी खेमे में हलचल मचा दी है।

जदयू के अधिकृत प्रत्याशी के व्यवहार-कुशलता और सहज स्वभाव से लोग धीरे-धीरे प्रभावित होते गए। कार्यकताओं और स्थानीय जनता में उनके प्रति सकारात्मक धारणा बनने लगी है, जिससे चुनावी माहौल में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार हुआ है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्णय को सभी जदयू कार्यकताओं ने सर माथे पर लिया है और उनके निर्देश को धरातल पर उतारने में तेजी से जुट गए हैं। संगठन के सभी स्तरों पर कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और चुनावी तैयारी को लेकर कार्ययोजना को गति दी जा रही है।

जदयू प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि ह्लइस बार इस्लामपुर की जनता को स्पष्ट संदेश जा चुका है कि जदयू में कोई मतभेद नहीं है। हम सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं। भारी मतों से जीत दर्ज कर नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पुनः बिहार में एनडीए की सरकार बनाने के लिए हर घर-घर तक पहुंचेंगे।

पीके ने खोजी तेजस्वी की काट

हाजीपुर। जन सुराज पार्टी ने राघोपुर से चंचल सिंह को विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का प्रत्याशी बनाया है। इसके साथ ही प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने की अटकलबाजी पर विराम लग गया है। जन सुराज पार्टी ने चंचल सिंह को पार्टी का सिंबल भी दे दिया है। राघोपुर सीट पर चंचल सिंह की एंट्री से चुनाव के दिलचस्प होने के आसार हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए चल रही नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत कई प्रमुख राजनीतिक चेहरे अपना नामांकन दाखिल करेंगे। बुधवार की सुबह करीब 11 बजे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपनी पारंपरिक सीट राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करेंगे। वे समाहरणालय परिसर स्थित अनुमंडल कार्यालय में निवार्ची पदाधिकारी व सदर एसडीओ के समक्ष नामांकन दाखिल करेंगे। उनके नामांकन में कई राजनीतिक हस्तियों के शामिल होने की संभावना है।

आधी आबादी के प्रतिनिधित्व को तरस रहा अलौली विस क्षेत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। राजनीति में आधी आबादी की बात खूब होती है। परंतु जब हिस्सेदारी की बात आती है, तो उपेक्षा की जाती है। खगड़िया में चार विधानसभा है। इसमें अलौली (सुरक्षित) से कभी भी महिला को बिहार विधानसभा में प्रतिनिधित्व का मौका नहीं मिला है।हालांकि, फरवरी 2005 के विधानसभा चुनाव में राजद की मीरा देवी दूसरे स्थान पर रही थीं। लोजपा के पशुपति कुमार पारस विजयी रहे थे। पशुपति कुमार पारस को 39,951 और मीरा देवी को 30,240 मत मिले थे। अक्टूबर 2005 के विधानसभा चुनाव में राजद ने उम्मीदवार बदल डाला।

राजद से रामवृक्ष सदा और लोजपा के पशुपति कुमार पारस के बीच टक्कर हुई थी। पशुपति कुमार पारस विजयी रहे थे। पशुपति कुमार पारस को 40,870 और रामवृक्ष सदा को 32,923 मत प्राप्त हुए थे।

जबकि 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू की साधना देवी दूसरे स्थान पर रही। राजद के रामवृक्ष सदा और जदयू की साधना देवी के बीच कांटे की टक्कर हुई। रामवृक्ष सदा को 47,183 और साधना देवी को 44,410 मत मिले। राजद के रामवृक्ष सदा विजयी रहे। अलौली विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 2,65,486 है। इनमें महिला मतदाताओं की संख्या 1,26,418 है। पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,39,060 है। अन्य मतदाता आठ हैं। बेलदौर विधानसभा(पहले का चौथम) से सिर्फ 2005 फरवरी के चुनाव में लोजपा से सुनीता शर्मा जीती।सुनीता शर्मा को 28,961 और जदयू के पन्नालाल सिंह पटेल को 24,024 मत मिले थे। अक्टूबर 2005 के विधानसभा चुनाव में जदयू के पन्नालाल सिंह पटेल विजयी रहे। जदयू के पन्नालाल सिंह पटेल को 30,292 और लोजपा के सुनीता शर्मा को 29,270 मत मिले थे। बेलदौर विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 3,22,348 है। इनमें महिला मतदाताओं की संख्या 1,52,600, पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,69, 744 है। अन्य मतदाता चार हैं।

परबत्ता विधानसभा से 1957 और 1962 में कांग्रेस की लक्ष्मी देवी बिहार विधानसभा पहुंची। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 3,14,852 है। पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,67,552 है। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 1,47,296 है। अन्य मतदाता चार हैं। खगड़िया विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 2,59,933 है। महिला मतदाताओं की संख्या 1,22,423 है। जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,37,509 है। अन्य एक हैं। आंकड़े पर गौर करें, तो चार में सबसे कम महिला मतदाताओं की संख्या खगड़िया विधानसभा में है। परंतु खगड़िया विधानसभा से पांच बार महिलाओं को प्रतिनिधित्व का मौका मिला है।

तीर की तनातनी पर भागलपुर की सियासत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सुगबुगाहट के बीच जनता दल (यू) में अंदरखाने का संग्राम खुलकर सामने आ गया है। भागलपुर की सियासत इन दिनों दो मंडलों के बीच फंसी है। एक ओर भागलपुर के सांसद अजय मंडल, तो दूसरी ओर गोपालपुर के बाहुबली विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल।

दोनों की नाराजगी एक ही बात पर टिकट बंटवारा। फर्क सिर्फ इतना कि सांसद ने नाराजगी चिट्ठी के जरिये जताई, तो विधायक सीधे मुख्यमंत्री आवास पर धरने पर बैठ गए।

सांसद अजय मंडल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे पत्र में अपना दर्द उकेर दिया। बोले, बीते दो दशक से पार्टी को परिवार की तरह सींचा है, लेकिन अब संगठन में ऐसे फैसले हो रहे हैं जो पार्टी के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

उन्होंने तंज कसा कि विधानसभा टिकट बांटने में स्थानीय सांसद से सलाह तक नहीं ली जा रही। जिन्होंने कभी संगठन के लिए पसीना नहीं बहाया, उन्हें टिकट देने की चर्चा है, जबकि जमीन पर काम करने वालों की राय को दरकिनार किया जा रहा है।

अजय मंडल ने अपने पत्र में याद दिलाया 2019 में जब मैं सांसद बना, तब मेरे नेतृत्व में हुए उपचुनाव में पूरे बिहार में जदयू की एकमात्र जीत मेरी सीट से दर्ज हुई थी। आज उन्हीं कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है, जो पार्टी की रीढ़ हैं।

उन्होंने यह भी लिखा कि जब उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने तक नहीं दिया जा रहा, तो आत्मसम्मान बनाए रखना ही शेष रह गया है। सांसद ने साफ लहजे में कहा कि अगर पार्टी ऐसे ही रास्ते पर चली, तो संगठन की जड़ें कमजोर होंगी। इसलिए उन्होंने सांसद पद से त्यागपत्र देने की अनुमति मांगी है। उधर, गोपालपुर विधायक गोपाल मंडल का तेवर किसी बागी सैनिक जैसा दिखा। सोमवार की सुबह वे अचानक पटना पहुंचे और सीएम हाउस के बाहर धरने पर बैठ गए। कहा, सुबह आठ बजे से इंतजार कर रहा हूं। मुख्यमंत्री से मिलना है, टिकट चाहिए। जब तक टिकट नहीं मिलेगा, यहीं बैठा रहूंगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता उनकी सीट पर शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को टिकट देने की साजिश कर रहे हैं। बोले, मैं नीतीश कुमार को अपना नेता मानता हूं। न्याय मिलेगा, इसलिए टिकट लिए बिना नहीं जाऊंगा।

जदयू खेमे में इस दोहरी नाराजगी से हलचल मच गई है। सूत्र बताते हैं कि पार्टी नेतृत्व कुछ सीटों पर नए चेहरों को मौका देने की तैयारी में है, जिससे पुराने और प्रभावशाली नेताओं में बेचैनी बढ़ गई है। गोपालपुर सीट तो अब सीधा सियासी अखाड़ा बन गई है। एक तरफ सांसद अजय मंडल की सिफारिश, दूसरी ओर विधायक गोपाल मंडल का मैदान में डेरा।

पार्टी के रणनीतिकारों के लिए यह स्थिति कम सिरदर्द नहीं। एक ओर समर्पित सांसद का त्यागपत्र का इशारा, दूसरी ओर विधायक का धरना और चुनौती। नीतीश कुमार के सामने अब संगठन के भीतर मानझ्रसम्मान बनाम टिकट समीकरण की परीक्षा है। फिलहाल इतना तय है कि गोपालपुर की टिकट की यह जंग, भागलपुर की गलियों से लेकर पटना के सत्ता गलियारे तक चर्चा का सबसे गर्म मुद्दा बन चुकी है।

एनडीए की सीट शेयरिंग की घोषणा के बाद पक रही सियासी खिचड़ी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

__पटना।__ बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीट शेयरिंग की घोषणा के बाद से ही हलचल मच गई है। रविवार को जारी हुई घोषणा के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड दोनों समान सीटों पर चुनाव लड़ने वाली थी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक जनतांत्रिक मोर्चा के सीटों की भी घोषणा कर दी गई है। लेकिन घोषणा के तुरंत बाद ही उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी और जीतन राम मांझी की पार्टी ने सीट बंटवारे पर गहरी नाराजगी जाहिर कर दी है। उपेन्द्र कुशवाहा ने तो सोशल मीडिया पर भी अपने कार्यकताओं की नाराजगी के साथ एक शायरी भी पोस्ट की। वहीं जीतनराम मांझी ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कम सीट देकर उनकी पार्टी की अहमियत कम आंकी गई है, जिसका असर एनडीए पर पड़ सकता है।

सोमवार को शाम 4 बजे भाजपा के प्रदेश कार्यालय में एनडीए की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी थी, जिसमें सीट बंटवारे का औपचारिक ऐलान होना था, लेकिन अचानक इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि भाजपा और जदयू के बीच कुछ सीटों को लेकर मतभेद अब भी बना हुआ है। सीटों की अदला-बदली और उम्मीदवार चयन को लेकर अभी भी बातचीत अधूरी रह गई। हालांकि इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और जदयू नेता संजय झा की गुप्त

लगाये जा रहे तरह-तरह के कयास

बैठकें भी हुई, लेकिन समस्या अब तक बरकरार है।एलआरएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने अपनी नाराजगी को शायराना अंदाज में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि, ह्लआज बादलों ने फिर साजिश की, जहां मेरा घर था वहीं बारिश की। अगर फलक की जिद है बिजली गिराने की, तो हमें भी जिद है वहीं पर आशियां बसाने की।

वहीं हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतनराम मांझी ने भी सीट बंटवारे के बाद असंतोष जाहिर किया। उन्होंने पहले कहा, ह्लमैं संतुष्ट हूंह्व, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि, ह्लआलाकमान ने जो फैसला लिया है, वह स्वीकार है, लेकिन सिर्फ 6 सीट देकर हमारी अहमियत कम आंकी गई है। इसका असर एनडीए पर पड़ सकता है।

राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी फिलहाल महागठबंधन से कुछ नाराज हैं। उनकी नाराजगी सीट शेयरिंग और उनके उप मुख्यमंत्री की मांग पर है। इसी वजह से महागठबंधन में अब तक बात नहीं बन पाई। इस बात का इजहारको उन्होंने दिल्ली जाने से पहले भी बताया था। उन्होंने दिल्ली जाने के दौरान पटना एयरपोर्ट पर कहा कि, ₹आप जो कह रहे हैं थोड़ा सा महागठबंधन अस्वस्थ हुआ है। अब हम भी दिल्ली जा रहे हैं, क्योंकि सभी डॉक्टर वहीं पर मौजूद हैं। वहां पर बेहतर उपचार हो जाएगा और स्वस्थ होकर हम सभी पटना वापस लौटेंगे। इधर एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर मामला स्पष्ट हो गया था कि एनडीए के घटक कितने सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। आज इसको लेकर प्रेस वार्ता भी होनी थी लेकिन यह प्रेस वार्ता कैंसिल कर दी गई। इसकी वजह यह है कि मुकेश सहनी का महा गठबंधन में मैन मुताबिक समझौता नहीं होने पर वह भाजपा के कुछ नेताओं के संपर्क में आये और अब वह एनडीए में शामिल हो सकते हैं। इस बात की चर्चा में यह बात भी अब सामने आ रही है कि मुकेश सहनी के एनडीए में शामिल होने के बाद जदयू व भाजपा से 3-3 सीट और लोजपा राम विलास से 1 सीट सहनी को देने की संभावना बन रही है।

वायरल वीडियो के आधार पर तीन गिरफ्तार

तीन देसी कट्टा और चार कारतूस बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के धोबहा थाना पुलिस ने इंटरनेट पर प्रसारित हुए एक वीडियो रील के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी सुंदरपुर-बरजा गांव से हुई।

पकड़े गए आरोपितों में धोबहा के सुंदरपुर बरजा गांव निवासी गंगा ठाकुर एवं शिवम चौधरी उर्फ बोधी चौधरी के अलावा एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। पुलिस ने तीन देसी पिस्तौल (कट्टा), चार कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

घटना के संबंध में रविवार को एसपी राज ने जानकारी दी। एसपी ने बताया कि धोबहा पुलिस को 11 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो रील मिली थी, जिसमें कुछ युवक हाथों में हथियार लहराते और नाचते दिखाई दे रहे थे।

वायरल वीडियो के आधार पर धोबहा थाना पुलिस ने वीडियो में दिख रहे व्यक्तियों की पहचान के प्रयास शुरू किए। पहचान के बाद रविवार को सुंदरपुर-बरजा गांव में छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान गंगा ठाकुर और शिवम चौधरी (उर्फ बोधी चौधरी) को गिरफ्तार किया गया। साथ ही एक 17 वर्षीय नाबालिग भी पकड़ा गया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर विजय तिवारी के मकान के पास झाड़ियों से तीन देसी कट्टा व चार कारतूस बरामद हुए। थानाध्यक्ष वर्षा रानी के बयान पर चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार अभी एक अन्य आरोपित आयुष फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

शराब दुकानों में लगाना होगा सीसीटीवी कैमरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सोमवार को विभाग के सचिव व आयुक्त के साथ राज्य में शराब की बिक्री, व्यवस्था आदि के बिंदुओं पर समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान में एक सितंबर से झारखंड में लागू नई उत्पाद नीति के सफल संचालन की रिपोर्ट सामने आई है।

मंत्री ने बताया कि गत वर्ष सितंबर महीने में जितना राजस्व आया था, उसकी तुलना में इस वर्ष के सितंबर महीने में 48 प्रतिशत अधिक का राजस्व आया है। बैठक में सहमति बनी कि शराह की हर एक बोतल की निगरानी सख्ती से होगी।इसके लिए ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम को सख्ती से लागू किया जाएगा। ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम मजबूती से लागू हो, इसके लिए उत्पाद के अधिकारियों की एक टीम दीपावली के बाद दूसरे राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बंगाल आदि राज्यों का दौरा करेगी और उसे बेहतर तरीके से समझेगी, ताकि झारखंड में उसे लागू किया जा सके। ट्रैक एंड ट्रेस को सख्ती से लागू करने के पीछे यह उद्देश्य है कि शराब की हर बोतल की निगरानी प्लांट से बिकने तक की जा सके। इससे यह होगा कि आम लोगों तक जहरीली शराब नहीं पहुंच सकेगी। लोगों की जान-माल की रक्षा तो होगी ही, नकली व अवैध शराब की खेप को रोकने से सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि राज्य की खुदरा शराब दुकानों में सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य किया जा रहा है। उस सीसीटीवी कैमरे में रिकार्डिंग की भी व्यवस्था होगी। अगर ग्राहक से किसी भी तरह का विवाद होता है तो उस रिकर्डिंग के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकेगी।

सीसीटीवी कैमरा लगने से शराब पर एमआरपी से अधिक वसूली की भी निगरानी हो सकेगी। विभागीय मंत्री ने आम लोगों से शराब की खरीदारी के वक्त उससे संबंधित बिल लेने को कहा है। उन्होंने कहा है कि वे बिल अवश्य लें, इससे पता चल सकेगा कि दुकानदार ने एमआरपी से अधिक कीमत लिया है या नहीं।

32 दारोगा हुए इधर से उधर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। जिले में कार्यरत 32 दारोगा के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया गया है। एसपी सौरभ द्वारा जारी आदेश तहत विभिन्न थाना व पुलिस केन्द्र में तैनात एसआई को इधर से उधर किया गया है। बदले गए सभी पुलिस अधिकारी को तत्काल अपने नवपदस्थापित स्थान पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। वहीं, इंस्पेक्टर रवि ठाकुर को बाबा मंदिर का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। यहां थाना प्रभारी का पद कुछ दिनों से रिक्त था। रवि ठाकुर वर्तमान में पुलिस लाइन में थे।

'फ्रेंडली फाइट' की संभावना

पटना। एनडीए में सीट शेयरिंग के बाद भी कुछ सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' की संभावना बन रही है। जीतन राम मांझी ने हम की छह सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं, मगर दो और सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों को सिंबल देने की घोषणा की है। यह दोनों उम्मीदवार मखदुमपुर और बोधगया सीट पर चिराग की पार्टी लोजपा (रा) के विरुद्ध उतारे जाएंगे।

दरअसल, पटना में पत्रकारों ने जदयू और लोजपा की सीटों पर फंसे पेच के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गुस्सा होने को लेकर सवाल किया।

इस पर मांझी ने कहा कि मैं नीतीश कुमार के गुस्से से पूरी तरह सहमत हूं। जब एनडीए में निर्णय हो गया है, तब जदयू की सीटों पर कैसे कोई दूसरा दल अपना सिंबल दे रहा है। इससे सहमत होते हुए हम भी बोधगया और मखदुमपुर से अपना सिंबल देगा। उन्होंने कहा कि एनडीए इस बार बहुमत से जीतेगा। गौरतलब है कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने भी अपने हिस्से की छह सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। हम के संरक्षक जीतन राम मांझी ने मंगलवार को पार्टी प्रत्याशियों को सिंबल बांटे।

इमामगंज में मांझी की बहू ठोंकेंगी ताल

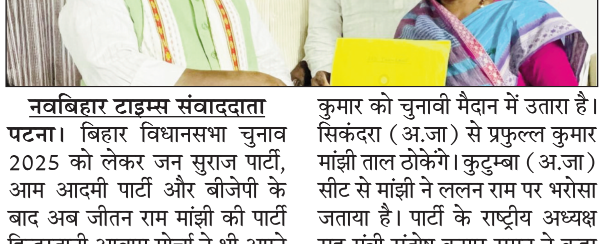

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर जन सुराज पार्टी, आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बाद अब जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा ने भी अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। मांझी ने सभी 6 सीटों पर प्रत्याशियों का एलान किया है। उन्होंने खुद एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। साथ ही में सभी प्रत्याशियों की तस्वीर भी साझा की। इमामगंज विस सीट से मांझी ने अपनी पुत्रवधू दीपा कुमारी को टिकट मिला है। टिकारी से 'हम' ने अनिल कुमार को मैदान में उतारा है। वहीं, बाराहट्टी (अ.जा) से ज्योति देवी को टिकट मिला है। अतरी से रोमित कुमार को चुनावी मैदान में उतारा है। सिकंदरा (अ.जा) से प्रफुल्ल कुमार मांझी ताल ठोकेंगे। कुटुम्बा (अ.जा) सीट से मांझी ने ललन राम पर भरोसा जताया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि यह चुनाव केवल सीट जीतने का नहीं, बल्कि सम्मान का सवाल है। उन्होंने दावा किया कि मांझी के नेतृत्व में हम पार्टी इस बार निर्णायक भूमिका निभाएगी और एनडीए सरकार की रीढ़ साबित होगी। महकार में उमड़े कार्यकर्ताओं के उत्साह ने साफ कर दिया कि हम पार्टी इस बार केवल भागीदारी नहीं, बल्कि भागीदारी से आगे बढ़कर निर्णायक जीत की ओर नजरें गड़ाए बैठी है।

एनडीए का आंतरिक कलह शर्मनाक : अभय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने संबोधित किया। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि सीट बंटवारे में अति पिछड़ों को एनडीए ने पीछे छोड़ दिया और नेता विपक्ष बनने की कवायद शुरू कर दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि गठबंधन में रहते हुए बीजेपी ने पहले एकेले अधूरी लिस्ट जारी की। उन्होंने मूल रूप से कुछ मुद्दों को संवाददाता सम्मेलन में उठाया जिसमें सांसद अजय मंडल को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने नहीं दिया गया। इससे आहत होकर नीतीश कुमार को अपना इस्तीफा तक उन्होंने भेज दिया है। उन्होंने कहा कि सांसद को अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष से नहीं मिलने दिया जाता है जो बताने को काफी है कि पार्टी को हाइजैक किया जा चुका है। जदयू विधायक गोपाल मंडल सी.एम.आवास के बाहर धरने पर बैठे रह गये पर उनको नीतीश जी से मिलने नहीं दिया गया। ललन सिंह, संजय झा, विजय चौधरी ने पार्टी को अपने कब्जे में ले रखा है, जो सोनवर्षा सीट गठबंधन के तहत एलजेपी आर को दी गयी थी उस सीट पर भी जदयू ने अपना उम्मीदवार दे दिया है। यह उनके गठबंधन की नाकामी बताने के लिए काफी है। उपेन्द्र कुशवाहा ने अपने कार्यकर्ताओं के नाम जो दर्द भरी चिट्ठी लिखी है वो भी उनके आंतरिक कलह की कलई खोल रही है। केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि उनकी जाति की वजह से उनकी पार्टी को कम सीटें मिली। गिरिराज सिंह ने अपने साथी केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के लिए लिखा कि आज मजबूत सीट लेकर स्ट्राईक झुनझुना बजा रहे जिस पूर्व सांसद अरूण कुमार ने कहा था कि नीतीश की छाती तोड़ूंगा उसी अरूण कुमार को ललन सिंह जदयू में लेकर आ गए, मुझे तो शक है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उन्हें पहचान भी पाएं या नहीं? जीतन राम मांझी ने कहा है कि वह चिराग पासवान की पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ अपने उम्मीदवार उतारेंगे। ये बातें साबित करती हैं कि विपक्ष में बैठने के लिए एनडीए के नेताओं में होड़ मची हुई है और इस रेस में वन अपना पूरा योगदान देने को आतुर दिख रहे हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड को 101-101 सीटें मिली हैं जबकि चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं। वहीं दो प्रमुख सहयोगी जीतन राम मांझी की 'हम' और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम को केवल 6-6 सीट मिले हैं। जीतन राम ने फैसला स्वीकारा, लेकिन खामियाजा भुगतने की चेतावनी दी। मांझी ने 15 सीटों की मांग की थी- हमें सिर्फ 6 सीट देकर उन्होंने हमारी अहमियत कम आंकी है। इसका खामियाजा एनडीए को भुगतना पड़ सकता है। उपेंद्र कुशवाहा ने 24 सीटों की मांग की थी। उपेंद्र ने अपने हजारों-लाखों कार्यकर्ताओं के मन दुखने की बात कहकर असंतोष जताया। सीट बंटवारे से साफ है कि एनडीए की मानसिकता ही अतिपिछड़ों को पीछे धकेलने की है।

भाजपा-जेडीयू गठजोड़- ये ज्यादा बेहतर है कि इसे जोड़-तोड़ माथा-फोड़ गठबंधन कहें। एनडीए के सीट बंटवारे के समाचारों ने एक बात साफ कर दी कि ये लोग बिहार के हक के लिए नहीं, सिर्फ सत्ता की भूख के लिए आपस में लड़ने वाले लोग हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर तंज कसते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि 2020 के चुनावों में 135 सीटों पर लड़कर मात्र एक सीट जीतने वाले दल एलजेपी को 29 सीट एनडीए ने देकर सीट बंटवारे के साथ ही हार की ओर पहला कदम बढ़ा दिया है। नीतीश कुमार की अस्वस्थता इस सीट बंटवारे में साफ झलक रही है। पिछले 20 सालों से जेडीयू हमेशा भाजपा से ज्यादा सीटों पर लड़ता था, आज समान सीटों पर लड़कर एक दूसरे के सामने खड़ी है। भाजपा-जेडीयू के बीच अब नेता विपक्ष किस दल का बने - यही लड़ाई है। भाजपा कभी भी बिहारवासियों की स्वाभाविक पसंद नहीं रही, इसलिए आजादी के बाद से अब तक उसका कोई मुख्यमंत्री नहीं बना। अब बिहार की जनता कह रही है कर लो तैयारी, अब अच्छी सरकार देने की महागठबंधन की बारी। संवाददाता सम्मेलन में बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, असित नाथ तिवारी सहित अन्य नेतागण मौजूद रहे।

बी. डी कॉलेज के तरुमित्र परिसर में पर्यावरणीय जागरूकता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना के इको क्लब (वृक्ष वेद) एवं एनएसएस इकाई द्वारा आज तरुमित्र परिसर में एक प्रेरणादायक पर्यावरणीय जागरूकता भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने प्रकृति संरक्षण के विविध उपायों को नजदीक से देखा, समझा और सीखा। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने 'वृक्ष वेद' इको क्लब के प्रतीक चिह्न (लोगो) का औपचारिक अनावरण भी किया। यह लोगो डॉ. अमित कुमार द्वारा डिजाइन किया गया है जो पर्यावरणीय चेतना, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और संस्थान की हरित प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इको क्लब की संयोजक डॉ. सरिता कुमारी के साथ-साथ सदस्यगण डॉ. विशाल विजय, डॉ. मनीता कुमारी यादव एवं डॉ. मोनिका कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष रूप से सार्थक और प्रेरक बनाया। यह सम्पूर्ण भ्रमण तरुमित्रा, पटना की समन्वयक देवमित्रा दत्ता के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संचालित हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने प्रकृति से जुड़ने का वास्तविक अनुभव प्राप्त किया। बी.डी. कॉलेज का यह प्रयास न केवल पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में एक सशक्त कदम है, बल्कि यह विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति जागरूक, उत्तरदायी और संवेदनशील नागरिक बनने की प्रेरणा भी प्रदान करता है।

चर्चित लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने ली भाजपा की सदस्यता, राजद विधायक भरत बिंद भी भाजपा में हुए शामिल

विपक्ष हताशा में मीडिया को शिगूफा दे रहा : डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा प्रदेश मीडिया सेंटर में आयोजित मिलन समारोह में आज राजद विधायक भरत बिंद अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इसके अतिरिक्त चर्चित लोकगायिका मैथिली ठाकुर ने भी आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने दोनों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई और पार्टी में स्वागत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने इस मौके पर कहा कि बिहार के मतदाता फिर से एनडीए की सरकार बनाने को तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास कर रहा है। विपक्ष के पास आज कोई मुद्दा नहीं है। विपक्ष विकास को लेकर कोई बात नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा विपक्ष आज परेशान है कि एनडीए सौहार्दपूर्ण तरीके से सीट बंटवारे की घोषणा कर दी और आज से उम्मीदवारों की भी घोषणा शुरू हो गई है। विपक्ष हताशा में है और मीडिया को कुछ शिगूफा देने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि एनडीए में शामिल पांचों दल चट्टानी एकता के साथ चुनावी मैदान में चल दिए हैं। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि आधे दर्जन से ज्यादा विधायक कांग्रेस और राजद छोड़कर भाजपा में शामिल होंगे। अभी आगे और देखिए क्या होता है। सही अर्थों में विपक्ष धराशायी होते जा रहा है क्योंकि हमने पारदर्शिता के साथ गठबंधन धर्म भी निभाया है। उन्होंने कहा कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे और विजयी भी होंगे। बिहार का विकास रफ्तार पकड़ चुका है और अब बिहार विकसित बनेगा।

प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी और विधान पार्षद संजय मयूख और प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल भी मौजूद रहे।

डॉ. प्रेम कुमार को नौंवी बार टिकट मिलने पर भाजपा नेताओं ने मनाया जश्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री एवं नगर विधायक डॉ. प्रेम कुमार को गया शहर विधानसभा सीट से नवमी बार प्रत्याशी घोषित किए जाने की खुशी में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने आज भव्य रूप से जश्न मनाया। इस अवसर पर पूरे जिले में हर्षोल्लास का माहौल रहा। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जिला पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास कुमार, सुनील सिन्हा, विधानसभा विस्तारक संजय बराडे, जिला प्रवक्ता बंटी वर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम पुकार सिंह, धनंजय कुमार धीरू, राजनंदन प्रसाद गांधी, दक्षिणी मंडल महामंत्री गाजो बाबा, गौतम गोस्वामी, सोनी सिन्हा, दिवाकर कुमार, नरेश चंद्रवंशी, पिंटू शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

सामाजिक पुनर्निर्माण पर केंद्रित सांस्कृतिक आयोजन में विश्वा पटना द्वारा नाटक 'नवोत्थान' का मंचन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विकास प्रबंधन संस्थान (डीएमआई), पटना द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस 2025' के अवसर पर एक विशेष आयोजन, ज्ञान भवन, पटना में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. देवी प्रसाद मिश्रा एवं चंद्रशेखर सिंह (भा.प्र.से) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर नाट्य संस्था वाइटल इन्वेंशन सोशल हार्मोनी विथ आर्ट द्वारा सामाजिक सरोकारों पर आधारित नाटक 'नवोत्थान' का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन राजेश नाथ राम ने किया जबकि संगीत निर्देशन मो. जॉनी का था और प्रकाश परिकल्पना राजीव राय ने किया, नाट्य लेखन विवेक कुमार द्वारा किया गया। 'नवोत्थान' की कहानी बिहार के एक गांव की घटनाओं पर आधारित है, यह नाटक दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि आपदा केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय चेतना की भी परीक्षा होती है। नाटक के माध्यम से आपदा प्रबंधन दल के सदस्य ग्रामीणों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आपदा के कारणों और बचाव के उपायों की जानकारी देते हैं। 'नवोत्थान' केवल एक आपदा-कथा नहीं, बल्कि मानवता, पुनर्निर्माण और आशा की यात्रा है जो दर्शाती है कि जागरूकता और एकजुटता से ही किसी भी संकट से उबरा जा सकता है। कार्यक्रम में डीएमआई के छात्र, शिक्षकगण, आपदा प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञ, और अनेक अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने नाटक की सामाजिक प्रासंगिकता और प्रस्तुति की सराहना की। मंच पर - गंगिया अपराजिता कुमारी- सूत्रधार हर्ष कुमार,- सोनू - सौरभ शेखर,- मोछू + कलाकार 1 - विनोद कुमार विश्वकर्मा,- भंजू और दिना - रवि कुमार,- अग्निदेव+कलाकार 3 + कलाकार 2 - प्रिंस राज,- कलाकार 4+ कलाकार 5 - अमन आदर्श,- मोछू की पत्नी - उर्मिला कुमारी,- सोनू की मां - सपना,- टीचर+ कलाकार 3+ चाचा - मो. आसिफ़,- नाल वादक - सहदेव चौधरी,संगीत निर्देशन - मो जानी मौजूद रहे।

लेडीज विंग-पंजाबी बिरादरी, पटना ने किया दीपावली उत्सव का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लेडीज विंग-पंजाबी बिरादरी, पटना द्वारा दीपावली का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ लाला लाजपत राय भवन, टी.एन. बनर्जी रोड, छज्जू बाग, पटना में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वीना भगत, पंजाबी बिरादरी, पटना के अध्यक्ष दिलजीत खन्ना एवं सीमा खन्ना द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। दीपों की इस ज्योति ने उत्सव का शुभारंभ मंगलमय बनाया। इस भव्य आयोजन का संचालन अध्यक्ष उमा सिंह, महासंयोजक बबी भल्ला, वित्त नियंत्रक ईशा जैन तथा संयोजिकाओं अंजु भसीन (पूर्व अध्यक्ष) एवं रितिका जगवानी के कुशल नेतृत्व में हुआ। दीपों, पुष्पों और रोशनी से सजे सभागार में संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। सभी सदस्याओं और अतिथियों की सहभागिता ने इस शाम को और भी रंगीन और यादगार बना दिया। अपने संबोधन में दिलजीत खन्ना, अध्यक्ष-पंजाबी बिरादरी, पटना ने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और लेडीज विंग की मेहनत व रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पंजाबी बिरादरी हमेशा एकता, करुणा और सांस्कृतिक गौरव की प्रतीक रही है। श्री खन्ना ने समाज में प्रकाश, सकारात्मकता और सद्भाव फैलाने का संदेश दिया तथा बिरादरी की महिलाओं के सामाजिक व सांस्कृतिक योगदान की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि वीना भगत ने अपने संबोधन में इस उत्सव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, प्रेम और पारिवारिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आयोजकों को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का समापन भव्य संगीत संध्या के साथ हुआ जिसमें सभी उपस्थित अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और दीपावली के इस पावन पर्व की खुशियों का आनंद उठाया।

सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम के लिए चलाया गया अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। स्वच्छता पखवाड़ा के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डीडीयू मंडल ने आज 'सिंगल यूज प्लास्टिक निषेध दिवस' मनाया। इस अवसर पर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्लास्टिक अपशिष्ट के उपयोग और प्रबंधन से संबंधित गतिविधियां संचालित की गईं। विक्रेताओं को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के रोकथाम की जानकारी दी गई और स्टॉलों पर विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। प्लास्टिक अपशिष्ट पर नियंत्रण के लिए यात्रियों को जागरूक करने के लिए पोस्टर, घोषणाएं और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल ने पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए यात्रियों, विक्रेताओं और कर्मचारियों को पुनः उपयोग योग्य विकल्पों की ओर प्रेरित किया। इन गतिविधियों का उद्देश्य रेलवे परिसरों को प्लास्टिक मुक्त बनाना और अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करना रहा। इसी क्रम में डीडीयू मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर आज भी 'अमृत संवाद' कार्यक्रम सक्रिय रूप से जारी रहा। यात्रियों से प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से उनके यात्रा अनुभव, स्टेशन परिसर की स्वच्छता, प्लास्टिक उपयोग पर उनकी राय और सेवा अपेक्षाओं को समझा गया। यात्रियों ने पर्यावरणीय सुधारों और स्वच्छता से जुड़े अपने विचार साझा किए। डीडीयू मंडल द्वारा आज का आयोजन स्वच्छता, पर्यावरणीय जागरूकता और जन सहभागिता को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस पहल रहा।

विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा मीडिया सेंटर का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन

पत्रकारों की सुविधा के लिए पार्टी से जुड़ी सभी सूचनाएं मिल सकेंगी : धर्मेंद्र प्रधान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा द्वारा पटना के होटल चाणक्य में विधानसभा चुनाव के लिए मीडिया सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस मीडिया सेंटर से पत्रकार चुनाव से संबंधित पार्टी की खबरों को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा बिहार चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मीडिया सेंटर का उद्घाटन किया और इसकी भूमिका की चर्चा की गई। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बिहार की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ खड़ी है और उन पर विश्वास भी करती है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस चुनाव में एनडीए प्रदेश में एक बार फिर से सरकार बनाएगी और ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को परेशानी न हो इसके लिए मीडिया सेंटर का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कई तरह की भ्रामक खबरें भी उड़ाई जाती हैं। इस सेंटर से पत्रकार वास्तविकता की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि पत्रकारों को मीडिया सेंटर से कार्य करने में सुविधा मिल सकेगी। पार्टी से जुड़ी कोई भी चुनावी खबरें आसानी से मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान मीडिया का उत्तरदायित्व और भी बढ़ जाता है जिस कारण उनका परिश्रम भी बढ़ता है। कम समय में सही खबरें पहुंचाना उनकी जिम्मेदारी होती है। ऐसे में यह मीडिया सेंटर उनके लिए मददगार होगा। पार्टी से जुड़ी खबरें उन्हें तत्काल उपलब्ध हो जाएंगी। इधर, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मीडिया सेंटर संवाद का प्रमुख केंद्र होता है। चुनाव में इसकी भूमिका अति महत्वपूर्ण साबित होगी। इस मौके पर उन्होंने पार्टी के सभी प्रवक्ता और पैनलिस्ट से अपील करते हुए कहा कि वे बेहद मजबूती से एनडीए सरकार के कार्यों को जनता के समक्ष रखेंगे।

कुम्हरार विधानसभा से सुशील मोदी के शिष्य संजय गुप्ता को मिला टिकट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली सूची में कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रदेश मंत्री संजय कुमार गुप्ता को टिकट मिला है। लिस्ट में नाम आने के बाद संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि मैं स्व. सुशील कुमार मोदी का शिष्य हूं और उन्हीं के आदर्श और विचार से प्रभावित होकर राजनीति में आया था। उन्होंने कहा कि स्व. मोदी के आदर्शों को अपनाकर ही मैं इस चुनाव को लड़ूंगा और जीतूंगा। सुशील कुमार मोदी पटना मध्य से चुनाव जीतते थे और मुझे भी पटना के कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र से टिकट मिला है। इसके लिए मैं पार्टी के शीर्ष सभी नेताओं और अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता के प्रति आभार प्रकट करता हूं। गौरतलब है कि संजय कुमार गुप्ता की राजनीतिक यात्रा 1993 में शुरू हुई। वे 15 वर्ष की आयु में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से जुड़कर संघ के स्वयंसेवक बने। 1994 में पटना मध्य विधानसभा क्षेत्र (वर्तमान कुम्हरार विधानसभा) के तत्कालीन विधायक स्व. सुशील कुमार मोदी से सम्पर्क हुआ और उनके आग्रह पर 1995 विधानसभा चुनाव में संत मैथ्यू स्कूल मतदान केन्द्र कंकड़बाग के 4 बूथ का प्रभारी बन भाजपा में कार्य प्रारम्भ किए।

भवानी क्लब ने स्टार क्लब को 3-1 से हराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुदरा। प्रखंड के देवराढ़ खेल मैदान पर चल रहे जिला फुटबॉल लीग चैम्पियन मैच के सेमीफाइनल में भवानी क्लब कुदरा ने स्टार क्लब कुदरा को 3-1 से हरा दिया। मैच का उद्घाटन भ्रष्टाचार निरोधक जन विकास अभियान समिति के जिला संयोजक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। हालांकि भवानी फुटबॉल क्लब की टीम ने पहला गोल कर स्टार स्पोर्ट्स क्लब पर दबाव बना लिया। हालांकि दबाव से निकलते हुए स्टार क्लब की टीम ने एक गोल दागे। जिसके जबाव में दो गोल लगातार दागकर भवानी टीम के खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल मुकाबला 3-1 से जीत लिया। मैच में उपस्थित गणमान्य लोगों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।मैच में बासगीत सिंह, दिलीप सिंह संजय सिंह, समेत दर्जनों गणमान्य लोगों के साथ सैकड़ों खेलप्रेमी व खिलाड़ी उपस्थित थे।

दरिहट पुलिस ने भड़कुड़िया में आरोपित के घर चिपकाए इश्तेहार

आरोपी जल्द करें आत्मसमर्पण नहीं तो होगी कुर्की जब्ती : रवि रंजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढ़ीगोला। पुलिस ने कोर्ट से निर्गत आदेश पर की कार्रवाई की। दरिहट थाना क्षेत्र के भड़कुडिया गांव में दहेज प्रथा के पुराने मामले में फरार चल रहे शिवनाथ शर्मा के घर पर एसआई कुंदन कुमार ने न्यायालय से निर्गत आदेश पर इश्तेहार को आरोपी के घर पहुंच कर दरवाजे पर इश्तेहार चिपकाया। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष रवि रंजन प्रियदर्शी ने बताया कि न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी के विरुद्ध थाना में पूर्व से ही मामला दर्ज किया गया था जिसमें गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है, लेकिन आरोपी पकड़ में नहीं आ रहा है। न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तेहार को आरोपी के घर पर चिपकाया गया है। यदि कुछ दिनों में थाना या न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो कोर्ट के आदेश पर कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि दो महिला सहित पांच लोग फरार है जिसमें शिवनाथ शर्मा, रीना देवी, मंडोल शर्मा, प्रदीप शर्मा व आरती देवी शामिल है।

फतुहा से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे रंजीत कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। फतुहा विधानसभा से हम से के पूर्व राष्ट्रीय सचिव रंजीत कुमार उर्फ रंजीत चंद्रवंशी चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। वो यहां से निर्दलीय प्रत्याशी होंगे। उन्होंने कहा कि यहां पिछड़े और अतिपिछड़ों की सेवा करेंगे। वे शिक्षा और रोजगार पर विशेष जोर देंगे। रंजीत कुमार हमेशा गरीबों की आवाज रहे हैं। उन्होंने मुफ्त स्वास्थ्य लाभ देने का संकल्प भी लिया है और अपने क्षेत्र में गरीब परिवार को मुफ्त शिक्षा दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि जनता का प्यार व समर्थन उनके साथ है।

होटल मौर्या में शुरू हुआ दो दिवसीय बुटिक्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी के होटल मौर्या में बुटिक्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी के 38वें संस्करण का भव्य शुभारम्भ किया गया। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि लायंस क्लब इंटरनेशनल की पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर वीणा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि नेहा त्यागराजन, प्रीति प्रिया एवं बुटिक्स ऑफ इंडिया के संस्थापक एवं सीईओ संजय अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। 14 और 15 अक्टूबर को आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में 40 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के डिजाइनर ज्वेलरी, कपड़े, घरेलू सजावट उत्पाद, फुटवेयर्स आदि ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। बुटिक्स ऑफ इंडिया के संस्थापक एवं सीईओ संजय अग्रवाल ने बताया कि बुटिक्स ऑफ इंडिया देश के विभिन्न शहरों से चुनिंदा डिजाइनर्स और बुटिक्स को एक मंच पर लाता है। ताकि पटना के लोगों को फेस्टिव सीजन में ट्रेंडिंग फैशन और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स की एक ही जगह पर शानदार रेंज मिल सके। इस प्रदर्शनी में देशभर से आये डिजाइनर्स ने अपने आकर्षक फेस्टिव वियर, ज्वेलरी, लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स और होम डेकोर आइटम्स प्रदर्शित किए हैं। संजय अग्रवाल ने बताया कि आगामी दिवाली और वेडिंग सीजन को देखते हुए इस बार प्रदर्शनी में एथनिक और इंडो - वेस्टर्न कलेक्शंस को खास तौर पर शामिल किया गया है।

देसी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढ़ीगोला। दरिहट पुलिस ने सोमवार की रात गुप्त सूचना पर दरिहट सोन नद तट के समीप से तीस लीटर देसी महुआ शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष रवि रंजन प्रियदर्शी ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बना रहे इसके लिए निरंतर छापेमारी व कार्रवाई की जा रही है जहां अवैध कारोबारियों में खौफ पैदा हो सके।

वर्षों से फरार तीन वारंटी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढ़ीगोला। आयरकोठा व दरिहट थाना की पुलिस ने सोमवार की रात छापेमारी कर तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय में प्रस्तुत करते हुए जेल भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष रवि रंजन प्रियदर्शी ने बताया कि भड़कुड़िया गांव निवासी मेराज अंसारी का 25 वर्षीय पुत्र रूसतम अंसारी तथा दूसरा चेक बाउंस मामले में वारंटी धरहरा गांव निवासी लालबिहारी सिंह के 32 वर्षीय पुत्र आजाद भारती कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय को सौंप दिया गया है। वहीं दूसरी ओर आयरकोठा पुलिस ने गनुआ गांव से कन्हैया तिवारी के 41 वर्षीय पुत्र राजू तिवारी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करते हुए जेल भेज दिया गया। दोनों थानाध्यक्ष ने बताया कि पूर्व कांड में फरार थे। न्यायालय ने वारंट निर्गत किया था जिसके तहत तीनों को गिरफ्तार किया गया है।

संपादकीय

डिजिटल धोखाधड़ी बनती जा रही है हमारे लिए एक गंभीर समस्या

तेजी से बदलते दौर में नई तकनीकों के उपयोग को वक्त की जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है। इसी क्रम में आम जिंदगी में संवाद से लेकर पढ़ाई-लिखाई और लेन-देन जैसे तमाम मामले अगर डिजिटल तकनीक के दायरे में आ रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। इसी के मद्देनजर 'डिजिटल इंडिया' का नारा भी दिया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इंटरनेट आधारित तकनीकों के उपयोग के प्रति आकर्षित हों। विडंबना यह है कि जिस तेजी के साथ डिजिटल यंत्रों का उपयोग बढ़ा है, उसी अनुपात में इसमें सुरक्षित गतिविधियों का ढांचा विकसित नहीं हुआ है।इससे उपजने वाले जोखिम रोज नए और जटिल स्वरूप में सामने आ रहे हैं। अमूमन हर रोज देश के किसी हिस्से से डिजिटल धोखाधड़ी की खबरें आती हैं और उसमें किसी की मेहनत की कमाई के लाखों रुपए अलग-अलग तरीके से लूट या उड़ा लिए जाते हैं। ऐसे मामले आम हैं, जिनमें सिर्फ किसी को फोन पर की जाने वाली बातचीत में उलझा कर उसे धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। सवाल है कि अगर देश में आधुनिक तकनीकों का विस्तार किया जा रहा है तो क्या इससे बचाव के इंतजामों को भी उतना ही अहम माना जा रहा है।गौरतलब है कि बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने यह कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी हमारे लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है। हालांकि डिजिटल फर्जीवाड़े के मामलों में कोई अचानक उफान नहीं आया है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ है कि आधुनिक तकनीक जितनी सुविधाजनक है, उतना ही यह जोखिम का वाहक भी बन रही है। किसी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आता है और वह व्यक्ति बातों के जाल में इस कदर फंस जाता है कि अपने बैंक खाते से खुद ही लाखों रुपए भेज देता है।इसके कुछ ही पल बाद जब उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी के बारे में पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है। पिछले कुछ समय से ऐसे मामले आम होते देखे गए हैं, जिसमें अनजान नंबर से आए फोन काल के जरिए किसी व्यक्ति को डरा-धमका कर 'डिजिटल कैद' की स्थिति में डाल दिया जाता है और फिर भयादोहन करके उसके बैंक खाते में जमा रकम को उड़ा लिया जाता है।अब ऐसी घटनाएं कोई नई नहीं रह गई हैं, लेकिन इसमें तेजी से होते इजाफे ने यह सवाल पैदा किया है कि जिन डिजिटल संसाधनों का विकास सुविधाजनक और सुरक्षित लेनदेन और अन्य गतिविधियों के लिए किया गया, आज उसी से उपजे खतरे से निपटने के तौर-तरीके आम क्यों नहीं हो पा रहे हैं।

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्ज़रलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान–तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में जहां लगातार आगे बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है।

तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे हैं महिला अपराधों के आंकड़े

(योगेंद्र योगी)

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए।

वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 4,45,256 और 2021 में 4,28,278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101, राजस्थान में 45,450, पश्चिम बंगाल में 34,691 और मध्यप्रदेश में 32,342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले सबसे ज्यादा थे, जिनमें 133,676 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 19.7 रही। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 88,605 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 13.1 रही। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला करने के 83,891 मामले आए जबकि बलात्कार के 29,670 मामले दर्ज किए गए। अठारह वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं से बलात्कार के 28,821 मामले आए और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से बलात्कार के 849 मामले आए। बलात्कार के प्रयास के 2,796 मामले दर्ज किए गए।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत बच्चों से बलात्कार के 40,046 मामले, यौन उत्पीड़न के 22,149 मामले, यौन प्रताड़ना के लिए 2,778 मामले, पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने के 698 मामले और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत 513 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के निपटारा आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्षों से 185,961 मामले जांच के लिए लंबित थे, जबकि 4,48,211 नए मामले दर्ज किए गए और 987 स्थानांतरित किए गए। इस तरह कुल 635,159 मामले थे। एसिड अटैक के 113 मामले दर्ज किए गए।

साल 2012 में दिल्ली में निर्भया के बलात्कार और हत्या के बाद जमीन पर ज्यादा कुछ बदला नहीं दिखता। कठोर कानून मौजूद हैं, पर वे कितने प्रभावी हैं? साल 2022 के लिए उपलब्ध आंकड़े दिखाते हैं कि 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गये, जो साल 2021 से चार फीसदी ज्यादा थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध का सबसे बड़ा हिस्सा 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' (31.4 फीसदी) के तहत दर्ज हुआ, जबकि सभी अपराधों में 'शील हनन की नीयत से महिलाओं पर हमले' का हिस्सा 18.7 फीसदी था, और 'बलात्कार' 7.1 फीसदी पर रहा।

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्ज़रलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2022 में महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में भारत शीर्ष 10 सबसे खराब देशों में शामिल है। मेक्सिको 537 ऐसी घटनाओं के साथ इस सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद ब्राज़ील (327) का स्थान है, जबकि भारत इस सूची में 125 घटनाओं (प्रति 100,000 महिलाओं पर) के साथ सातवें स्थान पर है, जहाँ विशेष रूप से राजनीतिक हिंसा के लिए महिलाओं को निशाना बनाया जाता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है; पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएँ हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं। भारत की चुनौती वैश्विक रुझानों के समान और उनसे भी बदतर है। कई देशों की तरह, भारत भी कम रिपोर्टिंग और कलंक से जूझ रहा है। लेकिन गहरी जड़ें जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रह और विशाल जनसंख्या घनत्व का मतलब है कि अघोषित अपराधों का एक छोटा सा प्रतिशत भी बहुत बड़ी संख्या में तब्दील हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना इस बात पर ज़ोर देती है कि समाधानों में हर देश की हिस्सेदारी है ङ्क अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करने से लेकर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने तक। कानूनों और जागरूकता के मामले में भारत में हाल ही में हुए सुधार सकारात्मक हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत अभी भी कई समकक्षों से पीछे है।(इस लेख में लेखक

हम कैसे खुश रहें! दूसरों को कैसे खुश रखें?

चंद्र मोहन

खुशी कोई एक निश्चित घटना नहीं है, बल्कि जीवन भर चलने वाली एक प्रक्रिया है..जीवन के हर पड़ाव पर खुशी के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। यह व्यक्ति की अपनी सोच और अनुभवों पर निर्भर करती है। इंसान तब सबसे ज्यादा खुश होता है जब वह अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करता है, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताता है, और समाज में योगदान देता है। खुशी एक व्यक्तिपरक भावना है और यह खुशी की परिभाषा पर निर्भर करती है, यह एक सार्वभौमिक सत्य नहीं है कि किस उम्र या परिस्थिति में हर कोई खुश होता है। उदाहरण के लिए, कुछ लोगों को वित्तीय स्थिरता में खुशी मिलती है, जबकि कुछ दूसरों के लिए दूसरों की मदद करने में आनंद पाते हैं। लक्ष्यों की प्राप्ति : जब कोई व्यक्ति लंबे समय से मेहनत कर रहा होता है और अपने किसी उद्देश्य या लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है, तो उसे बहुत खुशी मिलती है। सामाजिक जुड़ाव : परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना, उनके साथ खुशी बांटना, और दूसरों के साथ अच्छे संबंध बनाना खुशी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। अपनी कमजोरियों पर काबू पाना, नई चीजें सीखना, और जीवन के कठिन अनुभव से सीखकर आगे बढ़ना भी खुशी देता है। दूसरों की मदद करना, किसी अच्छे काम को पूरा करना, और अपने आसपास एक सकारात्मक माहौल बनाना व्यक्ति को संतुष्टि और खुशी देता है।

जीवन की संतुष्टि : अपने जीवन से संतुष्ट होना और जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण रखना खुशी का एक बड़ा कारक है।

आत्म-देखभाल और शांति : कुछ लोग अपने अकेलेपन का आनंद लेते हैं और शांत वातावरण में खुशी महसूस करते हैं. वे अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसे ध्यान और मेडिटेशन का अभ्यास। खुश रहने के लिए कोई निश्चित उम्र नहीं है; खुशी एक मानसिक स्थिति है जो हर व्यक्ति के सोचने के तरीके और जीवन के नजरिए पर निर्भर करती है. शोध के अनुसार, जीवन में खुशी का स्तर यू-आकार का होता है, जिसमें युवावस्था (लगभग 23 वर्ष) और बुढ़ापा (लगभग 69-70 वर्ष) में लोग अधिक खुश रहते हैं, जबकि मध्यम आयु (लगभग 40 से 50 वर्ष) में खुशी का स्तर घटता है। युवावस्था (लगभग 23 वर्ष): इस उम्र में लोग अक्सर अपने जीवन को स्थिर करना शुरू करते हैं, करियर पर ध्यान देते हैं और स्वतंत्र महसूस करते हैं, जिससे उन्हें खुशी मिलती है।

अधेड़ उम्र में गिरावट : 30 से 50 की उम्र तक खुशी का स्तर घटता है और लोग अधिक चिंतित रहते हैं।

बुढ़ापे में फिर से वृद्धि (लगभग 69-70 वर्ष) : इस उम्र में लोग जीवन के अनुभव से संतुष्ट हो जाते हैं, भविष्य की चिंता कम करते हैं और वर्तमान पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

खुश रहने का सार : मानसिकता और नजरिया

खुशी उम्र की मोहताज नहीं है। यह आपकी सोचने की क्षमता और सकारात्मक दृष्टिकोण पर निर्भर करती है. आप छोटी-छोटी बातों में भी खुशियाँ ढूंढ सकते हैं।

वर्तमान में जीना: वर्तमान क्षण को अपनाने और सराहना करने से हर उम्र में खुशी संभव है। अवास्तविक अपेक्षाओं को त्यागना और अपनी सभी खामियों के साथ खुद को स्वीकार करना एक अधिक संतुष्टिदायक जीवन की कुंजी है।

उन गतिविधियों में शामिल होना जिनसे आपको आनंद मिलता है, तनाव को कम कर सकता है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। खुश रहने के लिए सकारात्मक सोचें, नियमित व्यायाम करें, संतुलित आहार लें, पर्याप्त नींद लें, और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं। अपने पसंदीदा काम करें, ध्यान व योग करें, प्रकृति में समय बिताएं, और दूसरों की मदद करें। अपनी तुलना दूसरों से न करें और खुद को समय दें।

सकारात्मक सोच अपनाएं: अपने विचारों को सकारात्मक बनाने का प्रयास करें, क्योंकि सोच जीवन और भावनाओं को दिशा देती है.

दूसरों से तुलना न करें : दूसरों से अपनी तुलना करने से बचें, क्योंकि इससे आप दूसरों के मुकाबले खुद को कमतर महसूस कर सकते हैं. अपने लिए मी-टाइम निकालें और अपनी पसंदीदा गतिविधियों में समय बिताएं।

रचनात्मक और नई चीजें करें : नई और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने से आनंद और संतुष्टि मिलती है। नियमित व्यायाम करें: शारीरिक स्वास्थ्य के लिए व्यायाम महत्वपूर्ण है, यहां तक कि 10 मिनट का व्यायाम भी फायदेमंद हो सकता है। संतुलित और स्वस्थ आहार लें: संतुलित आहार, जिसमें ताजे फल, सब्जियां, प्रोटीन और स्वस्थ वसा शामिल हों, शरीर और मन दोनों को ऊर्जावान रखता है।

तालिबान-पाकिस्तान में दोस्ती कराने चला था चीन, उल्टी पड़ गई जिनपिंग की चाल

(प्रियेश मिश्र)

पाकिस्तान और तालिबान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद चीन का बयान आया है। चीन ने दोनों पक्षों के बीच शांति की अपील की है और अपने निवेश की सुरक्षा करने को कहा है। चीन ने यह भी कहा है कि वह पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने में रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने को तैयार है। चीन की अफगान तालिबान और पाकिस्तान में दोस्ती कराने की कोशिश नाकाम होती दिख रही है। रविवार को दोनों ही पक्षों में भीषण संघर्ष हुआ जिसमें कम से कम 58 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। काबुल में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह दोनों पड़ोसियों के बीच सबसे गंभीर लड़ाई है। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगी सीमा चौकियों को बंद कर दिया है। इससे अफगानिस्तान से होने वाला निर्यात ठप पड़ गया है। इस बीच चीन ने कहा है कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्षों को लेकर बेहद परेशान है और दोनों देशों से शांति की अपील करता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्षों को लेकर चिंतित है। उसने दोनों देशों से क्षेत्र में अपने नागरिकों और निवेशों की सुरक्षा करने का आग्रह किया है। चीन अपने पश्चिमी क्षेत्र में अफगानिस्तान और अवैध रूप से पाकिस्तान के साथ सीमा साझा करता है और दोनों पक्षों के बीच शत्रुता को शांत करने में मध्यस्थता की भूमिका निभाने का प्रयास कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक नियमित प्रेस वार्ता के दौरान कहा, चीन पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने में रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने को तैयार है। लिन ने कहा कि बीजिंग को उम्मीद है कि काबुल और इस्लामाबाद शांत और संयमित रहेंगे, और संघर्षों को बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत और परामर्श के माध्यम से एक-दूसरे की चिंताओं का उचित समाधान करने में लगे रहेंगे।अगस्त में, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने काबुल में पाकिस्तानी और अफगान अधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लिया, जिसमें उन्होंने सभी स्तरों पर आदान-प्रदान को मजबूत करने का आह्वान किया। कुछ हफ्ते पहले बीजिंग में आयोजित एक अनौपचारिक त्रिपक्षीय बैठक में चीन ने कहा था कि काबुल और इस्लामाबाद अपने राजनयिक संबंधों को उन्नत करने पर सहमत

अपमान का बदला लेने कांग्रेस छोड़ जनसंघ में आईं थीं विजयाराजे सिंधिया, ऐसा था सियासी सफर

(अनन्या मिश्रा)

ग्वालियर साम्राज्य की ही नहीं राजनीति की भी राजमाता मानी जाने वाली विजयाराजे सिंधिया का 12 अक्तूबर को जन्म हुआ था। विजयाराजे सिंधिया ने अपने सियासी सफर की शुरूआत कांग्रेस के साथ की थी। लेकिन एक अपमान का बदला लेने के लिए उन्होंने जनसंघ का दामन थाम लिया था।

ग्वालियर की राजमाता और भाजपा की दिग्गज नेता रहीं राजमाता विजयाराजे सिंधिया का 12 अक्तूबर को जन्म हुआ था। विजयाराजे सिंधिया का राजनीति में आना किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं था। उनकी पर्सनल लाइफ में भी कम उथल-पुथल नहीं थी, तो वहीं राजमाता विजयाराजे सिंधिया का अपने इकलौते बेटे माधवराव सिंधिया से विवाद भी किसी से छिपा नहीं था। हालांकि विजयाराजे सिंधिया ने अपने सियासी सफर की शुरूआत कांग्रेस के साथ की थी। लेकिन एक अपमान का बदला लेने के लिए उन्होंने जनसंघ का दामन थाम लिया। राजमाता विजया राजे सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना लोकसभा सीट से 6 बार सांसद रही थीं। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में।

जन्म और परिवार: मध्य प्रदेश के सागर में 12 अक्टूबर 1919 को राजमाता विजयाराजे सिंधिया का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम महेंद्र सिंह ठाकुर था, जोकि यूपी के जालौन जिले के डिप्टी कलेक्टर थे। उनकी मां का नाम विदेंश्वरी देवी था। वहीं 21 फरवरी 1941 को ग्वालियर के महाराजा जीवाजीराव सिंधिया से विजयाराजे सिंधिया से हुई।

राजनीतिक सफर: पति के निधन के बाद राजमाता राजनीति में सक्रिय हुई और साल 1957 से 1991 तक 8 बार ग्वालियर के गुना से सांसद रही। कभी राजमाता विजयाराजे की देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की करीबी मानी जाती थीं। विजयाराजे ने साल 1957 से कांग्रेस से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया था। फिर 10 साल तक कांग्रेस में रहने के बाद साल 1967 में उन्होंने पार्टी का दामन छोड़ दिया।

बेटे से रहा विवाद: राजमाता विजयाराजे सिंधिया अपने जीवनकाल में इकलौते बेटे कांग्रेस नेता रहे माधवराव सिंधिया से गहरा विवाद रहा था। उन्होंने अपनी वसीयत में लिखा था कि उनका अंतिम संस्कार उनके बेटे माधवराव सिंधिया नहीं करेंगे। राजमाता विजयाराजे सिंधिया का सार्वजनिक जीवन जितना आकर्षक था, पारिवारिक जीवन उतना ही ज्यादा मुश्किलों भरा रहा था। राजमाता पहले कांग्रेस में थीं, फिर बाद में इंदिरा गांधी की नीतियों के विरोध में उनकी ठन गई और बाद में पूरी जिंदगी राजमाता ने जनसंघ और भाजपा में रहकर गुजारी। बेटे माधवराव सिंधिया से कांग्रेस का दामन थामने के कारण नाराज थीं। विजयाराजे ने कहा था कि आपातकाल के दौरान उनके बेटे माधवराव सिंधिया के सामने पुलिस ने उनको अपमानित किया था। मां-बेटे में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता रही। इसके कारण ग्वालियर के जयविलास पैलेस में रहने के लिए विजयाराजे ने अपने ही बेटे माधवराव से किराया भी मांग लिया था।

मृत्यु: वहीं 25 जनवरी 2001 राजमाता विजयाराजे सिंधिया का निधन हो गया था। (लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

New page 7_page 12 29.05.2025.qxd 14-10-2025 21:58 Page 1

पोषण माह समारोह आयोजित

उपायुक्त ने महिलाओं को दी पोषण की जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पोषण माह-2025 समारोह का आयोजन समाज कल्याण विभाग द्वारा किया गया। इस दौरान उपायुक्त राम निवास यादव ने समाज कल्याण द्वारा लगाया गए सभी स्टालों का निरीक्षण कर पोषण माह जागरूकता अभियान के तहत पौष्टिक आहार का जायजा लिया। साथ ही कई महिलाओं की गोदभराई भी कराई गई तथा बच्चों का अन्नप्राशन किया गया।

इस दौरान उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं को पोषण से संबंधित जानकारी दी। साथ ही किशोरियों को पौष्टिक आहार दिया गया। मौके पर सभी को पौष्टिक आहार/सात्विक भोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिसके लिए समग्र प्रयास की आवश्यकता है। ताकि पोषण माह कार्यक्रम सफल हो सके। पोषण अभियान योजना अंतर्गत 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर तक पोषण माह-2025 का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय व्यंजन प्रतियोगिता जिसमें गिरिडीह जिला अंतर्गत कुल 10 परियोजनाओं के सेविका, सहायिका एवं पोषण सखी ने विभिन्न प्रकार की व्यंजन का स्टॉल लगाया गया। जिसमें सरिया परियोजना ने प्रथम, डुमरी परियोजना ने द्वितीय एवं गिरिडीह सदर परियोजना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पोषण माह 2025 का प्रमुख विषय-मोटापा कम करना-चीनी, नमक और तेल को खाने में कम करना, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा- पोषण भी, पढ़ाई भी वृद्धि निगरानी, शिशु और छोटे बच्चों को खिलाने के तरीके एक पेड़ मॉ के नाम / कन्वर्गेन्स एक्शन एण्ड डिजिटइजेशन पोषण में पुरूष को मुख्यधारा में शामिल करना लोकल फोर वोकल के तहत - प्रतिदिन के आहार में स्थानीय भोजन को बढ़ावा दें। इस अवसर पर उपायुक्त ने अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पोषण का संबंध केवल भोजन से नहीं, बल्कि हमारी पूरी जीवनशैली से है।

उन्होंने बताया कि योग निद्रा और योग थेरेपी भी स्वस्थ पोषण के अभिन्न घटक हैं, जो शरीर और मन दोनों के संतुलन में सहायता करते हैं। उन्होंने आहार से जुड़े कई वैज्ञानिक तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण को स्वस्थ जीवन की कुंजी बताया। मौके उप विकास आयुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

साक्ष्य के अभाव में आरोपित बरी

रांची। रांची में दस जून 2022 को मेन रोड से गुजर रहे बिहार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन की कार और काफिला पर हमला करने के मामले में आरोपित अनीश को अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। न्यायिक दंडाधिकारी मयंक मालियाज की अदालत ने इस मामले में फैसला सुनाया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र कुमार ने पक्ष रखा था। हमले के तीन दिन बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लोअर बाजार पुलिस ने अनीश को गिरफ्तार किया था। 10 जून 2022 को मेन रोड में उपद्रव के दौरान मंत्री नितिन नवीन का काफिला गुजर रहा था। उपद्रवियों ने उनके गाड़ी पर हमला बोल दिया था। मंत्री की गाड़ी में तोड़फोड़ हुई थी। वह निजी कार्यक्रम में भाग लेने रांची आए थे। मंत्री ने ई-मेल के माध्यम से मामला दर्ज कराया था। मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से चार गवाहों को प्रस्तुत किया गया था, लेकिन घटना को साबित नहीं किया जा सका। बता दें कि आरोपित के जेल में रहते आठ दिसंबर 2022 को आरोप तय किया गया। इसके बाद अभियोजन पक्ष को घटना साबित करने के लिए ढाई साल से अधिक समय दिया गया।

घाटशिला उपचुनाव में भाजपा उतारेगी 40 स्टार प्रचारकों को

ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी रहेंगे शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। घाटशिला उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्रीय नेतृत्व द्वारा 40 स्टार प्रचारकों की भव्य सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में देश और प्रदेश के दिग्गज नेताओं को शामिल कर अपनी रणनीति और मजबूत बनाई है।

सूची में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जुएल उरांव, अन्नपूर्णा देवी सहित केंद्रीय स्तर के अन्य वरिष्ठ नेता प्रचार की कमान संभालेंगे। इसके अलावा, ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करेंगे।

प्रदेश स्तर के दिग्गज नेताओं को भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है। इसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुवर दास, चंपई सोरेन और मधुकोड़ा भी जनता के बीच प्रचार करेंगे। पार्टी का मानना है कि उनके सक्रिय प्रचार से मतदाताओं तक पार्टी के संदेश और योजनाओं की पूरी जानकारी पहुंचेगी।

भाजपा ने इस उपचुनाव को बेहद गंभीरता से लिया है। स्टार प्रचारकों की इस सूची के माध्यम से पार्टी की तैयारी, रणनीति और चुनावी नेतृत्व की सक्रियता का संदेश मतदाताओं तक पहुँचाया जा रहा है। पार्टी के अनुसार, केंद्र और राज्य के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी से जनता में विश्वास बढ़ेगा और पार्टी उम्मीदवार को जीत दिलाने की संभावना और मजबूत होगी।

जानकार बताते हैं कि भाजपा की यह रणनीति घाटशिला में सघन प्रचार के माध्यम से मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। इस उपचुनाव में स्टार प्रचारकों की सक्रिय भागीदारी से पार्टी को अपनी नीतियों, विकास योजनाओं और केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों का व्यापक प्रचार करने में मदद मिलेगी। पार्टी नेतृत्व पूरी तरह से इस सीट पर जीत के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दे रहा है।

कर्पूरी भवन निर्माण को ले नाई समाज ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राष्ट्रीय नाई महासभा की एक बैठक मंगलवार को कृष्णानगर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नन्दलाल शर्मा ने की। बैठक में सबसे पहले गिरिडीह में कपूरी ठाकुर चौक का सौन्दर्यीकरण के लिए झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री को धन्यवाद दिया गया। निर्णय लिया गया कि छठ महापर्व के बाद कर्पूरी ठाकुर चौक का उद्घाटन नगर विकास मंत्री के हाथों होगा। बैठक में सभी प्रखंड अध्यक्षों ने मांग किया कि गिरिडीह में एक कर्पूरी भवन का निर्माण के लिए समाज को पहल करना चाहिए। तत्पश्चात यह सर्वसम्मति से तय किया गया कि जल्द ही विभिन्न प्रखंडों में बैठक करके आगामी नवम्बर महिना में जिला स्तर पर एक सम्मेलन किया जाएगा। सम्मेलन में ही कर्पूरी भवन निर्माण की घोषणा की जाएगी। बैठक में नन्दलाल शर्मा, गणेश ठाकुर, मोहनलाल शर्मा, नाथेश्वर ठाकुर, गंगाधर ठाकुर, प्रकाश शर्मा, दशरथ शर्मा, मुकेश ठाकुर, अर्जुन शर्मा, सदानंद शर्मा, प्रेम शर्मा, मनोज शर्मा, राजू ठाकुर, भवानी ठाकुर, राजेंद्र ठाकुर, शंकर शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों पर जांचोपरांत कारवाई का मिला आश्वासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और सुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों और समस्याओं को सुनना, उनका त्वरित निवारण करना और प्रशासनिक सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाना है। इसी क्रम में आज उपायुक्त, रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाकर आमजनों की शिकायतों को सुना और उसके त्वरित निराकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए करीब सैकड़ों से ज्यादा लोगों से उपायुक्त ने मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया।

जनता दरबार में उपस्थित फरियादियों ने जमीन विवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, राशन, शिक्षा एवं अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों पर अंचलाधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रत्येक मामले में फोन पर संबंधित5 अधिकारी से अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और पारदर्शी ढंग से निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें ताकि आमजन को राहत मिल सके। जनता दरबार के प्रति आमजनों का बढ़ रहा है भरोसा, हर मंगलवार और शुक्रवार को सौ से ज्यादा लोग जनता दरबार में पहुंच रहे हैं, अपनी शिकायत से उपायुक्त को अवगत करा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि मंगलवार एवं शुक्रवार के अलावा भी आमजन अपनी समस्याओं को लेकर समाहरणालय आ सकते हैं। संबंधित विभाग को अपना आवेदन दे सकते हैं, उनके आवेदन का त्वरित निराकरण किया जायेगा। उपायुक्त ने बताया कि जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों/आवेदनों के त्वरित निराकरण को लेकर जिला स्तर पर जन समाधान पोर्टल बनाया गया है, ताकि पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ आमजनों की शिकायतों का निष्पादन किया जा सकें।

उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है। इसका उद्देश्य लोगों की वास्तविक समस्याओं को सुनना और उन्हें त्वरित समाधान प्रदान करना है। हमारा प्रयास है कि जिला प्रशासन हर नागरिक तक प्रभावी ढंग से पहुँचे और विश्वास का वातावरण बने।

मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत लाभुकों के चयन हेतु बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत लाभुकों के चयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त आलोक कुमार ने की।

बैठक में जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत बैकयार्ड ऑनामेंटल/ रंगीन/ अलंकारी मछलियों की रियरिंग इकाई के तहत प्राप्त आवेदन की विस्तृत जानकारी उप विकास आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत की गई। चर्चा के क्रम में प्राप्त आवेदन का बारीकी से परीक्षण किया गया तथा संबंधित मानकों के अनुरूप मूल्यांकन करते हुए सभी उपस्थित सदस्यों की सर्वसम्मति से लाभुकों का चयन किया गया।

इस बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, जिला कृषि पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीस, विभिन्न विभागों के पदाधिकारीगण एवं नामांकित गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे। सभी की सहभागिता से योजना के पारदर्शी क्रियान्वयन की दिशा में यह एक सार्थक कदम रहा।

सद्धों कान्हू कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड का जिला स्तरीय कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कार्यशाला का उद्देश्य बिचौलियों को हटाकर किसानों को उनके कृषि और वनोपज का सीधा लाभ पहुंचाना है। कार्यशाला में धान, गेहूं, लाह, इमली और महुआ जैसे उत्पादों के संकलन पर चर्चा हुई, ताकि किसानों के लिए प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित हो सके। नगर भवन में आज सिद्धों कान्हू कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपायुक्त रामनिवास यादव, उप विकास आयुक्त, स्मृता कुमारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया।

उक्त कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीणों को अब वनोपज का मलिकाना हक मिलेगा। इसके लिए प्रशासन सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज सहकारी संघ का गठन कर अनुसूचित जनजाति एवं ग्रामीणों को वनोपज उत्पादन एवं संग्रहित उत्पादों का उचित पारिश्रमिक दिलाने की कवायत शुरू की है। इसमें कृषि एवं वनोपज जैसे धान, गेहूँ, सब्जी, फल, कुटकी, सरगुज, चिरौंजी, नट चिरोता, आवला,

बिडी पत्ता, महुआ, करंज, हरे, बहेरा, रेशम, तशर, लाह आदि का उत्पादन संकलन प्रसंस्करण, अनुसंधान तथा विकास की विभिन्न गतिविधियों को सहकारी आधार पर संगठित किया जायेगा। क्रय विक्रय को ऐसी व्यवस्था होगी जिसमें सदस्यों को सर्वोतम लाभ मिल सके।

विभागीय संकल्प के अनुसार सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ का गठन किया गया है। इसका दायित्व है कि कृषि एवं अनुसंगी गतिविधियों तथा वनोपज के व्यापार से ठिकेदारी प्रथा पूर्ण रूप से समाप्त करना है। अनुसूचित जनजाति एवं ग्रामिणों को अब वनोपज का सिधा लाभा मिलेगा।

उन्होंने कहा इसका दायित्व कृषि एवं वनोपज की खरीद, भंडारण, प्रसंस्कारण और विपणन, बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि का इनपुट व्यवसाय, कृषि अवसंरचना के लिए वेयर हाउस, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज, प्रसंस्करण ईकाइयों, राईस मिल इत्यादि है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न योजनाओं से एमपी सीएस के माध्यम से राज्य के कृषकों/वनोपज संग्रहकों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जा सके तथा उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाया जा सके सभी एमपी सीएस को जिला सहकारी यूनियन का साधारण सदस्य शेयर धारक बनाना।

जिलान्तर्गत कार्यरत एफपीओ को जिला सहकारी यूनियन सिद्वकोफेड से नाममात्र सदस्य के रूप में जोड़ना। सभी एमपीसीएस में सदस्यता अभियान चलाकर कार्यक्षेत्र अंतर्गत शत प्रतिशत परिवारों को जोड़ना प्रधानमंत्री किसान समृद्धि योजना पीएमकेएसवाई के क्रियान्वयन हेतु इच्छुक एवं योग्य एमपीसीएस का चयन। कृषि एवं वनोपज उत्पादों के व्यवसाय हेतु एमपीसीएस को क्रैडिट लिन्केज की सुविधा प्रदान कराना।

सरकारी कर्मियों को मिला तोहफा

रांची। राज्य में शहरी निकाय चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। राज्य मंत्रिपरिषद ने मंगलवार को हुई बैठक में ट्रिपल टेस्ट के आधार पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुशंसा को स्वीकार कर लिया है। इसके तहत निकाय चुनाव में ओबीसी को निर्धारित 14 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। यह आरक्षण कुल 50 प्रतिशत आरक्षण के दायरे में ही होगा। अब नगर विकास विभाग द्वारा नगर निकाय चुनाव कराने की अनुशंसा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजा जा सकेगा, जिसके बाद आयोग चुनाव संपन्न कराएगा। हालांकि इससे पहले राज्यपाल की भी स्वीकृति ली जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में सारंडा वन के 314.68 वर्ग किमी क्षेत्र को वन्य प्राणी अभयारण्य घोषित किए जाने के वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई। तय हुआ कि इसकी एक किलोमीटर की परिधि इको क्षेत्र के दायरे में होगा। राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में मंत्रियों के समूह की रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय किया।

गरिमा केंद्र के तहत प्रखंड स्तरीय सलाहकार समिति का गठन सह बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। कर्रा प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नागेशिया की अध्यक्षता में जेंडर रिसोर्स सेन्टर (गरिमा केंद्र), कर्रा के अंतर्गत प्रखंड स्तरीय सलाहकार समिति का गठन सह बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विजया लक्ष्मी, थाना प्रभारी जरियागढ़ बीरेन्द्र कुमार, कर्रा थाना के एएसआई वृंदावन प्रमाणिक, शाम प्रवीन, गरिमा केंद्र के जेंडर , संकुल संगठन की कार्यकारिणी सदस्यगण एवं सामाजिक कार्य समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक की शुरूआत शाम प्रवीन द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत कर की गई। इस दौरान जिला प्रबंधक (सामाजिक विकास प्रभाग) रमेश नायक द्वारा गरिमा केंद्र के संचालन, सलाहकार समिति के गठन एवं समिति सदस्यों की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं निर्णय लिए गए। प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमती स्मिता नागेशिया ने निर्देश दिया कि गरिमा केंद्र में प्राप्त मामलों की समीक्षा हेतु प्रत्येक माह की 25 से 30 तारीख के बीच सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाए। साथ ही पंचायत स्तर पर मुखिया को भी यह निर्देशित किया जाए कि यदि किसी भी प्रकार का लैंगिक आधारित हिंसा या घरेलू विवाद से संबंधित मामला आता है तो ग्रामसभा स्तर पर जुमार्ना लगाकर या अवैधानिक तरीके से निपटारा नहीं किया जाए। ऐसे मामलों को तत्काल गरिमा केंद्र के माध्यम से समिति के संज्ञान में लाया जाए।

निर्देशित किया गया कि गरिमा केंद्र में आए मामलों की जानकारी तुरंत सलाहकार समिति के अध्यक्ष को दी जाए तथा बिना विलंब किए समाधान की दिशा में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विजया लक्ष्मी ने सुझाव दिया कि किशोर-किशोरियों को हिंसा से बचाव के प्रति जागरूक करने हेतु अभिभावकों के बीच नियमित रूप से जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि वे अपने बच्चों का सही मार्गदर्शन कर सकें।

थाना प्रभारी जरियागढ़ बीरेन्द्र कुमार ने कहा कि यदि किसी प्रकार का विधिक उल्लंघन, हिंसा या शोषण से संबंधित मामला सामने आता है, तो पीड़ित या उनके परिजन बिना झिझक थाने में शिकायत दर्ज कराएं। थाना प्रशासन पूर्ण सहयोग करेगा।

इस बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि गरिमा केंद्र के माध्यम से लैंगिक समानता, महिला सुरक्षा एवं सामाजिक न्याय के उद्देश्यों को सशक्त रूप से लागू किया जाएगा।

25 दिवसीय वॉल हैंगिंग कला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

किया गया टूलकिट का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। ग्राम रेवा पंचायत बिरहु में आज मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड द्वारा प्रायोजित कौशल उन्नयन योजना के तहत 25 दिवसीय वॉल हैंगिंग कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ टूलकिट वितरण के साथ किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण उद्यमियों, विशेषकर महिलाओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाना तथा उनकी आय के स्त्रोतों में वृद्धि करना है। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को हस्तकला कौशल में दक्ष बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की जिला उद्यमी समन्वयक श्रीमती आतेन विशवासी तोपनो, बिरहु पंचायत की उपमुखिया अनीता देवी, प्रखंड उद्यमी समन्वयक किरण लता भेंगरा (खूँटी), आशीष वर्मा (मुरहु), संतोष कुमार सोनी (कर्रा), प्रशिक्षण एजेंसी एसेंसिव एडुकेयर प्रा. लि. के शांतनु तथा जिला उद्योग केंद्र के चितरंजन कुमार उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को यह जानकारी दी गई कि प्रशिक्षण अवधि में उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जो सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण स्थल पर दोपहर भोजन (लंच) की व्यवस्था भी की गई है।

प्रशिक्षण में भाग ले रही प्रतिभागी महिलाएं एवं युवा इस पहल से अत्यंत उत्साहित और प्रसन्न हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण से उन्हें न केवल नई कला सीखने का अवसर मिल रहा है बल्कि भविष्य में स्वावलंबन की दिशा में एक मजबूत कदम भी उठाने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

आदिवासी समन्वय समिति सह समस्त आदिवासी सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भरी हुंकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मंगलवार को आदिवासी समन्वय समिति सह समस्त आदिवासी सामाजिक संगठनों के आह्वान पर प्रतिकार आक्रोश रैली कचहरी मैदान से नेताजी सुभाष चन्द्र चौक होते हुए डाक बंगला रोड से पुनः कचहरी मैदान तक भगवान बिरसा मुंडा की जन्म भूमि कर्म भूमि में झारखंड के कुर्मी/कुर्मियों द्वारा फार्जी इतिहास तथ्यविहीन दस्तावेज और असंगत तर्को के आधार पर भारत के संविधान में आदिवासी स्टेटस की असंवैधानिक मांग से यहां के मूल आदिवासियों में जबरजस्त आक्रोश और गुस्सा आज की ऐतिहासिक रैली में देखने को मिला। आज की कार्यक्रम में खूंटी जिला के कोने-कोने से आदिवासी समाज का एक-एक परिवारों से लोगों ने अपने हक और अधिकार को बचाने के लिए इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में महती भूमिका निभाई। आज की कार्यक्रम की अध्यक्षता समन्वय समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रभात मुण्डा ने किया और संचालन समन्वय समिति के उपाध्यक्ष सुरजू हस्सा।

कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने कुड़मी समाज द्वारा बनाए नैरेटिब का कतरा-कतरा खोलते हुए पर्दा फाश किया। अध्यक्ष चन्द्र प्रभात मुण्डा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बाहरी पूंजी पतियों के इसारे पर कुड़मी समाज के तथाकथित नेताओं के द्वारा राजनीतिक माइलेज लेने के लिए बहकावे में अपने ही कुड़मी समाज के लोगों को भटका कर युज कर रहे हैं जिससे झारखंड का सौहार्द बिगड़ रहा है इसे पटरी पर लाने और कुड़मियो को सही दिशा देने में आज का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम झारखंड के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम रहा। आज के कार्यक्रम में जिला के प्रशासनिक पदाधिकारियों द्वारा एवं समाज के युवा साथियों ने विधि व्यवस्था संधारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इसके लिए समिति के अध्यक्ष ने सहृदय आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।महाराष्ट्र के नागपुर से पधारे प्रेम गेंडाम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 1965 में बनी लुकुर कमिटी द्वारा एसटी सूची के लिए एक माफ दंड तैय किया है इस माफ दंड में झारखंड के कुड़मी कहीं भी फिट नहीं है न ही इनका डीएनए आदिवासियों के उब्अ से मिलता है। ये लोग फार्जी तरिके से झारखंड का माहौल को खराब कर रहे हैं। हम आदिवासियों को

भारत वर्ष पर अपनी विशिष्ट पहचान और समन्वय बनाने की जरूरत है। लेखक एवं सामाजिक एक्टिविस्ट गैल्डसन डुंगडुंग ने कहा कि 1871-72 से लेकर अबतक जितने भी जनगणना हुई है किसी भी जनगणना के इम्पिरियर टेबल में छोटानागपुर वर्तमान झारखंड के कुड़मी समुदायों का नाम रळ या आदिम जनजाति के सूची में दर्ज नहीं है। डिस्ट्रिक्ट गेजेटियर ऑफ मानभूम 1813 डालटेन और रिसले का हवाला देते हैं वह 1865 में हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम से संबंधित है।नागवंशी राजाओं के काल में ये लोग छोटानागपुर में आये और सत्ता का चमचाई करके कई मुण्डा, भूमिज मुंडा संताल,हो गांवों को कब्जा किया जिसका जीता जागता सबूत आदिवासियों के उस गांव में स्थित ससंन और उससंन में चढ़ाए गए पत्थरों से मिलता है।कुड़मी द्वारा दिए जा रहे दस्तावेजों और तथ्यों के आधार पर इनका एसटी सूची में शामिल होना असम्भव है। सभा को पड़ाह राजा सोमा मुण्डा ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का हक और अधिकार केवल और केवल सामाजिक आंदोलन द्वारा ही बचाया जा सकता है इसलिए सामाजिक एकता और समन्वय को बनाए रखना अति आवश्यक है।

आज के कार्यक्रम को मार्शल बरला अलेस्टर बोदरा पड़ाह राजा सनिका भेंगरा चुनकु मुंडा बिरतूस ओड़ेया जैक जॉन हमसोय पड़ाह राजा मंगल सिंह मुण्डा डेमका मुंडा दामू मुंडा ज्योत्सना केरकेट्टा शशि पन्ना आदि लोगों ने संबोधित किया। कार्यक्रम में अमन तोपनो विजय संगा राजेन कुजूर अनूप मुंडा अनुपम हस्सा डेविड हमसोय बासिंह मुंडा कुवार मुंडरी बुधराम बोदरा जॉनसन होरो राम तोपनो राम तिडू चार्ल्स पाहन होरो पड़ाह राजा नमजन होरो तोरपा प्रमुख रोहित सुरिन रनिया मुंडा संघ के अध्यक्ष सुरेश कोनगाड़ी हरि सोय अम्रीता मुंडा कुंवारी होरो मोदेस्ता तोपनो भीमसेन कैथा सागी टुटी सोमा मुंडा चंद्रसाय सोले, सभी गांव के ग्राम प्रधान मुंडा पाहन और समाज के जाबांज आदिवासी युवक-युवतियों ने कार्यक्रम के सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया।

CMYK

35 लाख के पैकेज को मारी लात

घर-घर बनने वाली इस चीज को बनाया ब्रांड, अब 1.8 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली एजेंसी। ओडिशा के संबलपुर के सौरभ खंडेलवाल ने कमाल की कामयाबी हासिल की है। उनकी कहानी जुनून को हकीकत में बदलने की मिसाल है। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट से ग्रेजुएट सौरभ ने 35 लाख रुपये सालाना के पैकेज को ठुकराकर अपने सपने को सच करने का फैसला किया। उनका दिल हमेशा से एक ऐसा ब्रांड बनाना चाहता था जिसे हर कोई जाने। सौरभ ने पाया कि ओडिशा का सबसे लोकप्रिय स्ट्रीट फूड दही-बड़ा आलू दम में ग्लोबल ब्रांड बनने की अपार क्षमता है। उन्होंने सड़क किनारे विक्रेताओं के साथ रहकर इस व्यंजन पर महीनों तक गहन शोध किया। कई शुरुआती झटकों के बाद सौरभ ने दहीबड़ा एक्सप्रेस ब्रांड की नींव रखी। अब यह 1.8 करोड़ का टर्नओवर पार कर चुका है। आइए, यहां सौरभ खंडेलवाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कंधों पर जल्दी पड़ी गई परिवार की जिम्मेदारी

संबलपुर के रहने वाले सौरभ खंडेलवाल की यात्रा 2019 में भुवनेश्वर के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट से स्नातक होने के साथ शुरू हुई। उनके सिर पर परिवार की जिम्मेदारी जल्दी आ गई थी। 12वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के दौरान ही उनके पिता का निधन हो गया था। ग्रेजुएशन के तुरंत बाद उन्होंने सर्विस इंडस्ट्री में नौकरी शुरू कर दी। लेकिन, उनके मन में हमेशा से अपना एक ऐसा बड़ा ब्रांड बनाने का जुनून था जिसे लोग पहचान सकें। छात्र रहते हुए उन्होंने जागृति यात्रा में हिस्सा लिया था। इसने उन्हें सफल उद्यमियों के साथ नेटवर्क बनाने और सीखने का मौका दिया। हालांकि, फूड बिजनेस में उनका शुरुआती प्रयास कोरोना महामारी और एक चक्रवात के कारण हुए नुकसान के चलते विफल रहा। उन्हें वापस नौकरी करनी पड़ी, जहां वह 35 लाख रुपये सालान का अच्छा वेतन कमा रहे थे।

नौकरी छोड़ने का लिया बड़ा फैसला

दिल्ली में आरामदायक नौकरी के बावजूद सौरभ बेचैन थे। 25 साल की उम्र में उन्होंने सोचा कि ब्रांड बनाने का जोखिम लेने का यही सही समय है, वरना शायद वह कभी सर्विस सेक्टर नहीं छोड़ पाएंगे। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ी और ओडिशा लौटकर स्थानीय भोजन पर रिसर्च शुरू की। उन्हें लगा कि ओडिशा का प्रसिद्ध दही बड़ा आलू दम में एक ग्लोबल ब्रांड बनने की बड़ी संभावना है। यह आमतौर पर सड़क किनारे बिना किसी स्वच्छता मानक के बेचा जाता है। इस व्यंजन की बारीकियों को समझने के लिए सौरभ ने एक महीने तक कड़ी मेहनत की। वह पूरे दिन दहीबड़ा चखते रहे, स्वाद और बनावट को समझा और यहां तक कि इसे बनाने का तरीका सीखने के लिए कुछ विक्रेताओं के घरों पर भी रहे। इस रिसर्च के दौरान दही खाने के कारण उन्हें गंभीर जुकाम हुआ। निमोनिया के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

अस्पताल के बिस्तर पर पड़े सौरभ ने महसूस किया कि दहीबड़ा की बहुत मांग है। इसे स्वस्थ, स्वच्छ तरीके से परोसने की एक बड़ी कमी है। उन्होंने इसे दुनिया का अपनी तरह का पहला दहीबड़ा ब्रांड बनाने का फैसला किया। दिसंबर 2022 में दुबई की यात्रा के दौरान उन्हें एक ओडिशा-मूल के निवेशक से 30 लाख रुपये का शुरुआती निवेश (सीड फंडिंग) मिला। जनवरी 2023 में उन्होंने टीएचक्यू फूड एंड बेवरेजेस के तहत दहीबड़ा एक्सप्रेस की शुरुआत की। हालांकि, केवल छह महीनों में वित्तीय योजना की जानकारी न होने के कारण कंपनी का सारा कैश खत्म हो गया। निवेशक ने फंड देने से मना कर दिया और अपना पैसा वापस मांग लिया। सौरभ पूरी तरह टूट चुके थे। लेकिन, हार नहीं मानी। तभी उनके एक दोस्ते ने उन्हें फ्रेंचाइजी मॉडल शुरू करने का सुझाव दिया। सौरभ के दोस्त के सर्कुलेट किए गए दहीबड़ा एक्सप्रेस के एक वीडियो को 12 घंटे में 40 लाख व्यूज मिले। इसके कारण उन्हें फ्रेंचाइजी के लिए 3000-4000 कॉल आए। शुरुआत में कम फ्रेंचाइजी फीस (50 हजार रुपये) के

बिकने जा रहा है प्राइवेट बैंक आरबीएल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के बड़े प्राइवेट बैंकों में एक आरबीएल बिकने जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दूसरा सबसे बड़ा बैंक एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी इसे खरीदने के लिए आए आया है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार यह बैंक आरबीएल में 15,000 करोड़ रुपये (करीब 1.7 अरब डॉलर) के बड़े निवेश के लिए अंतिम दौर की बातचीत कर रहा है। अगर यह सौदा पूरा हो जाता है तो एमिरेट्स एनबीडी आरबीएल बैंक में सबसे बड़ा शेयरधारक बन जाएगा और बैंक का नियंत्रण भी उसके पास आ जाएगा।

कैसे होगा यह निवेश

यह निवेश शेयर और वॉरंट के जरिए किया जाएगा, जिसे प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट कहते हैं। इसके बाद आरबीएल बैंक के 26 प्रतिशत अतिरिक्त शेयरों के लिए एक ओपन ऑफर भी लाया जाएगा। इस पूरे निवेश का मकसद बैंक को नई पूंजी देना है, ताकि उसकी वित्तीय स्थिति और मजबूत हो सके। आरबीएल बैंक का मौजूदा मार्केट कैप करीब 17,786.8 करोड़ रुपये है। जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तो उम्मीद है कि एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक के कुल इक्विटी पूंजी का 51 प्रतिशत हिस्सा अपने नाम कर लेगा। इस मौके की खबर के बाद आरबीएल के शेयर में तेजी आई है। पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन में यह शेयर करीब 7 फीसदी चढ़ गया है। वहीं मंगलवार को भी इसमें उछाल आया। सोमवार को यह शेयर 290.15 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह तेजी के साथ 294 रुपये पर खुला। कुछ ही देर बाद इसमें 3 फीसदी से ज्यादा तक की तेजी आ गई और यह 299.65 रुपये पर पहुंच गया। सुबह 10:20 बजे यह शेयर करीब एक फीसदी की तेजी के साथ 292.80 रुपये पर

इस मामले में बढ़ेगी यूएई के बैंक की ताकत

इस मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल के हफ्तों में बैंक के नियंत्रण में बदलाव के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस सौदे से एमिरेट्स एनबीडी बैंक की एशिया में मौजूदगी बढ़ेगी। साथ ही, यह भारत और पश्चिम एशिया के बीच तेजी से बढ़ते रेमिटेंस यानी पैसे भेजने के बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने का एक बड़ा मौका होगा। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय, देश के कुल प्रवासी भारतीयों का लगभग आधा हिस्सा हैं। वित्तीय वर्ष 2024 में खाड़ी देशों से भारत भेजे गए 38.7 अरब डॉलर के रेमिटेंस में से आधा हिस्सा सिर्फ यूएई से आया था।
यह भारत के लिए विदेशी पैसे भेजने का दूसरा

एलजी के आईपीओ ने तो झोली भर दी, लेकिन इस महीने लिस्ट हुए 12 में 8 आईपीओ ने निवेशकों को रुला दिया

मुंबई, एजेंसी। आईपीओ या इनीशियल पब्लिक ऑफर में आप भी निवेश करते हैं तो यह खबर जरूर पढ़िए। इस महीने मतलब कि अक्टूबर में मेनबोर्ड पर लिस्ट हुए 12 में से आठ आईपीओ अब अपने इश्यू प्राइस (जारी मूल्य) से नीचे कारोबार कर रहे हैं। यह दिखाता है कि प्राइमरी मार्केट में भारी हलचल के बाद निवेशकों का उत्साह कम हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि यह सुस्त प्रदर्शन कुछ खास वजहों से है। जैसे कि बहुत ज्यादा कीमत पर आईपीओ लाना, रिटेल निवेशकों की कम भागीदारी और लिस्टिंग के बाद का उत्साह फीका पड़ जाना। इनके मुताबिक कई आईपीओ ने एग्रेसिव प्राइस सेट किया, जिसे बाजार ने नकार दिया। इस महीने लिस्ट हुए कुछ खास आईपीओ जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, उनमें ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स शामिल है। यह 8 अक्टूबर को 135 रुपये के इश्यू प्राइस पर लिस्ट हुआ था, लेकिन लिस्टिंग के समय ही इसे 40 प्रतिशत का भारी डिस्काउंट मिला। अब यह अपने इश्यू प्राइस से 27 प्रतिशत नीचे गिर गया है। ग्लॉटिस का आईपीओ 129 रुपये प्रति शेयर पर आया था और अब यह इश्यू प्राइस से 40 प्रतिशत नीचे है। वहीं, बीएमडब्ल्यू वेंचर्स 99 रुपये के इश्यू प्राइस से 35 प्रतिशत गिर गया है। वीवर्क मैनेजमेंट ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज फैबटेक टेक्नोलॉजीज, जिंकुशल इंडस्ट्रीज और पेस डिजिटेक भी अपने ऑफर प्राइस से नीचे चल रहे हैं, हालांकि इनमें गिरावट की मात्रा अलग-अलग है। अच्छी बात यह है कि टाटा कैपिटल कल लिस्ट होने के बाद थोड़ा ऊपर गया है।

विजय माल्या ने ब्रिटेन में दिवालियापन रद्द करने का आवेदन वापस लिया

लंदन एजेंसी। धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों में मुकदमे का सामना कर रहे विजय माल्या से जुड़ी एक अहम जानकारी ब्रिटेन से सामने आई है। भारत में वांछित विजय माल्या ने सोमवार को लंदन में होने वाली सुनवाई से पहले अपने खिलाफ दिवालियापन आदेश को रद्द करने के लिए दिया गया आवेदन वापस ले लिया। इसका मतलब है कि दिवालियापन ट्रस्टी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व वाले बैंकों का संघ 69 वर्षीय किंगफिशर एयरलाइंस पर बकाया लगभग 1.05 बिलियन पाउंड के अनुमानित ऋण के भुगतान को हासिल करने के लिए परिसंपत्तियों की तलाश जारी रख सकेगा। बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म टीएलटी एलएलपी ने एक बयान में कहा, 卐विजय माल्या के दिवालियापन ट्रस्टी, उनकी दिवालियापन संपत्ति के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों की जांच और वसूली का काम बिना किसी बाधा के जारी रख सकेंगे।卐 माल्या ने यह कदम हाईकोर्ट के न्यायाधीश एंथनी मान की ओर से बैंकों के पक्ष में दिए गए फैसले के उठाया है। इसमें चार वर्ष से अधिक पुराने दिवालियापन आदेश को बरकरार रखा गया था। इस बीच, माल्या अपने वकीलों जैवाला एंड कंपनी के जरिए 2021 के दिवालियापन आदेश को रद्द करने के लिए याचिका दायर कर रहे थे। इसका आधार यह था कि बैंकों का कर्ज भारत में पहले ही वसूल किया जा चुका है। माल्या के खिलाफ एसबीआई और अन्य के मामले की सुनवाई मई 2018 से शुरू हुई है। उस दौरान डीआरटी के फैसले के आधार पर बैंकों को वैश्विक फ्रीजिंग आदेश दिया गया था। तब से इस मामले में कई सुनवाइयां हुई हैं। इसके बाद 26 जुलाई, 2021 को माल्या के खिलाफ दिवालियापन आदेश जारी किया गया। इसके अलावा, भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध के संबंध में, माल्या ब्रिटेन में जमानत पर हैं, जबकि शरण आवेदन से संबंधित एक गोपनीय कानूनी मामला सुलझ गया है।

एक दिन में 90 प्रतिशत टूट गया टाटा इनवेस्टमेंट का शेयर

मुंबई, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में मंगलवार सुबह तेज गिरावट दिखी। ऐसा लगा कि कंपनी के शेयर 90 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर मंगलवार को एनएसई पर 1015 रुपये के निचले स्तर पर जा पहुंचे। कंपनी के शेयर सोमवार को 9,949 रुपये पर बंद हुए थे। असल में टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में कोई गिरावट नहीं आई, बल्कि कंपनी के शेयर स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट पर ट्रेड कर रहे थे। स्टॉक स्प्लिट के प्राइस एडजस्टमेंट की वजह से यह गिरावट दिखी है। कंपनी ने 10 टुकड़ों में बांटा है अपना शेयर टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने अपने शेयर का बंटवारा किया है। कंपनी ने अपने शेयर को 1:10 के अनुपात में बांटा है। यानी, कंपनी ने अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा है। कंपनी के शेयर मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 को शेयर

दिवाली तक रिकॉर्ड 4.75 लाख करोड़ की होगी त्योहारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर छूट, कम ब्याज दरें और जीएसटी कटौती की तिकड़ी ने इस त्योहारी सीजन की रौनक बढ़ा दी है। बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल दिखाई दे रही है, जिससे व्यापारियों को उम्मीद है कि नवरात्र की शुरुआत के साथ दिवाली तक चलने वाले मौजूदा त्योहारी सीजन में खरीद-बिक्री के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट जाएंगे। इस बार खास बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपनाने के आह्वान के बाद खरीदारों में भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ गई है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया, दिवाली तक चलने वाले त्योहारी सीजन में देशभर के खुदरा बाजारों में 4.75 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक कारोबार होगा। यह पिछले त्योहारी सीजन के 4.25 लाख करोड़ से 11.76 फीसदी ज्यादा है। इसमें प्रमुख रूप से स्वदेशी उत्पादों का योगदान होगा। खंडेलवाल ने बताया, आयकर, ब्याज दर और जीएसटी में मिली राहत ने लोगों में त्योहारी खरीदारी का उत्साह बढ़ा दिया है। नवरात्र और करवा चौथ के बिक्री के शानदार आंकड़े इसकी तस्वीर बयां कर रहे हैं। धनतेरस और दिवाली अभी बाकी है। कैट के मुताबिक, दिवाली तक चलने वाली त्योहारी बिक्री में चार साल से बढ़ोतरी देखी जा रही है।

पीएम मोदी के आह्वान से चीनी उत्पाद बाजार से गायब: कैट का दावा है कि चीनी उत्पादों के बहिष्कार की प्रवृत्ति साल-दर-साल मजबूत होती जा रही है। गलवां मामले के बाद से व्यापारी और उपभोक्ता दोनों चीनी उत्पादों की खरीद-बिक्री से बच रहे थे। इस दिवाली बाजारों से चीनी उत्पाद लगभग गायब हैं। इस त्योहारी सीजन के दौरान एफएमसीजी से लेकर कपड़ा, किराना और वाहन समेत हर क्षेत्र में बंपर बिक्री की उम्मीद है। खरीदार जिन स्वदेशी वस्तुओं के प्रति इस बार खासा उत्साह दिखा रहे हैं, उनमें मिट्टी के दीये, मूर्तियां, वॉल हैंगिंग, हैंडीक्राफ्ट, पूजन की सामग्री, एफएमसीजी उत्पाद, घर के सजावटी सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कपड़ा शामिल हैं।

30 साल की उम्र का सबसे मजबूत फाइनेंशियल फॉर्मूला है सिप, हिप और टिप

नई दिल्ली एजेंसी। फाइनेंशियल प्लानिंग में अक्सर एसआईपी, हिप और टीआईपी का फार्मूला कोट किया जाता है। यहां एसआईपी का मतलब सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है। एचआईपी का मतलब हेल्थ इंश्योरेंशन प्लान है और टीआईपी का मतलब टर्म इंश्योरेंस प्लान है। जिंदगी के बड़े लक्ष्य होते हैं। सबसे पहले तो एक शानदार मकान, शादी, बच्चे। फिर बच्चों की पढ़ाई, रिटायरमेंट। इन सब प्लानिंग का फाउंडेशन आपकी पहली नौकरी या कमाई की शुरुआत से ही पड़ता है। यदि आपने 30 की उम्र में मजबूत निवेश की नींव बनाई है तो वह आपको लंबी अवधि में वृद्धि, सुरक्षा और मानसिक शांति देती है। इसके लिए आपको शुरू से ही प्रयास करना होगा। हम मान कर चल रहे हैं कि आप सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान या सिप से परिचित हैं। यह आपके पैसे को लंबे समय में तेजी से बढ़ाता है। इसमें हर महीने तय राशि का निवेश करके आप रुपया-लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभ उठाते हैं। एसआईपी का इतिहास बताता है कि लंबी अवधि तक भारतीय इक्विटी में बने रहने पर औसतन दो अंकों की सालाना वृद्धि देखने को मिली है। समय बढ़ने के साथ जोखिम कम होता है। एसआईपी शुरू हो जाए तो आप स्टेप-अप एसआईपी को भी चुन सकते हैं। इसमें हर साल 5ङ्ख10 फीसदी राशि बढ़ाने से साधारण एसआईपी के मुक़ाबले बहुत बड़ा फंड तैयार होता है। आप जो आय अर्जित करते हैं, उसकी सुरक्षा के लिए टर्म इंश्योरेंस प्लान लेना बहुत जरूरी है। 30 साल की उम्र में इसे लेने का सुझाव इसलिए दिया जाता है।

पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान अगले महीने से होगा शुरू

30 नवंबर तक चलेगा अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार 1 से 30 नवंबर तक पेंशनभोगियों के लिए देशव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान चलाएगी। इसमें देशभर के 2,000 जिलों और उपमंडल मुख्यालयों को शामिल किया जाएगा। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) का यह चौथा अभियान होगा। पेंशनभोगियों को पेंशन जारी रखने के लिए हर साल नवंबर महीने में जीवन प्रमाणपत्र जमा करना होता है।

यह अभियान 19 पेंशन वितरण बैंकों, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी), पेंशनभोगी कल्याण संघों (पीडब्ल्यूए), रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए), दूरसंचार विभाग (डीओटी), रेलवे, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सहयोग से चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य देश के दूरदराज के हिस्सों में प्रत्येक पेंशनभोगी तक पहुंच सुनिश्चित करना है।

कार्मिक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस वर्ष भी इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक अपने 1.8 लाख डाकियों और ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) के विशाल नेटवर्क के जरिये सभी जिलों में डीएलसी शिविरों का आयोजन करेगा। इससे सभी श्रेणी के पेंशनभोगियों को उनके बैंक की परवाह किए बिना उनके घर तक डीएलसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

300 शहरों में कई स्थानों पर लगेंगे शिविर

बयान में कहा गया कि 19 पेंशन वितरण बैंक 300 शहरों में कई स्थानों पर शिविर लगाएंगे। इनमें वृद्ध, दिव्यांग या बीमार पेंशनभोगियों के घरों और अस्पतालों का दौरा भी शामिल है। 57 पंजीकृत पेंशनभोगी कल्याण संघ बैंकों और आईपीपीबी के समन्वय से पेंशनभोगियों को संगठित करने और शिविर आयोजित करने में सहायता करेंगे। बैंक और आईपीपीबी संयुक्त रूप से एसएमएस, व्हाट्सएप, सोशल मीडिया, बैनर और स्थानीय मीडिया कवरेज के जरिये पेंशनभोगियों को डीएलसी जमा करने के विकल्पों के बारे में बताने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान शुरू करेंगे।

टाटा मोटर्स के बिजनेस का हो रहा 2 हिस्सों में बंटवारा

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स के निवेशकों के लिए आज बड़ा दिन है। कंपनी का बिजनेस दो हिस्सों में बंट रहा है। इस बंटवारे के लिए जो रिकॉर्ड डेट तय की गई थी वो आज आज ही है। टाटा मोटर्स ने इसी महीने की शुरुआत में 14 अक्टूबर की तारीख को डिमर्जर के लिए रिकॉर्ड डेट तय किया था। इस बंटवारे से निवेशकों का क्या फायदा आइए समझते हैं।टाटा मोटर्स के डिमर्जर के बाद कंपनी के पैसेंजर व्हीकल्स यूनिट का नाम टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड हो जाएगा। वहीं, कॉमर्शियल यूनिट का नाम टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स हो जाएगा। यानी दोनों कंपनियों का अलग-अलग कारोबार बार होगा। दोनों शेयर बाजार में अलग-अलग ट्रेड करेंगी। डिमर्जर के बाद दो नई कंपनियां अस्तिव में आ गई हैं। ऐसे निवेशक जिनके पास टाटा मोटर्स का एक शेयर आज यानी 14 अक्टूबर को होगा उन्हें दोनों कंपनियों में एक-एक शेयर मिलेंगे। इसकी जानकारी टाटा मोटर्स की तरफ से पहले ही दे दी गई थी। टाटा मोटर्स ने बताया था कि योग्य निवशकों को एक शेयर पर एक शेयर दिया जाएगा। पिछले साल अगस्त में टाटा मोटर्स के बोर्ड ने इस डिमर्जर पर मुहर लगाई थी। तब बोर्ड ने कॉमर्शियल और पैसेंजर व्हीकल्स को दो अलग-अलग लिस्टेड यूनिट में बांटने का फैसला किया था। टाटा मोटर्स का कहना है कि इससे दोनों बिजनेस पर ज्यादा फोकस किया जा सकेगा। जिससे भविष्य में तेजी के साथ ग्रोथ हासिल करने में आसानी रहे। 13 अक्टूबर को टाटा मोटर्स के शेयरों का भाव 2 प्रतिशत से अधिक टूट गया था। सोमवार को कंपनी के शेयर 664 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। यह लगातार 7वां

चांदी की चमक से चकाचौंध बाजार, सिर्फ10 माह में दोगुनी छलांग

89300 रुपये बढ़ी कीमत, निवेशकों को 99 प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव नए सिरे से बढ़ने के कारण सोमवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोने एवं चांदी की कीमतें फिर नए शिखर पर पहुंच गई।जनवरी से अब तक यानी सिर्फ 10 महीने में चांदी की कीमतें 89,300 रुपये बढ़कर 1,79,000 रुपये प्रति किलोग्राम के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। 31 दिसंबर, 2024 को यह 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बंद हुई थी। यानी चांदी ने इस साल अब तक 99.55 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी प्रकार, सोना भी 10 महीने में 49,000 रुपये महंगा होकर 1.28 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।यानी जनवरी से अब तक सोने ने अपने निवेशकों को 62.06 फीसदी रिटर्न दिया है।31 दिसंबर, 2024 को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था।

एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषण (जिंस-मुद्रा) के उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा, अमेरिका-चीन के बीच नए व्यापारिक तनाव के कारण सुरक्षित निवेश की मांग में तेजी आने से सराफा कीमतें बढ़ी हैं।त्योहारी मांग और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी का असर भी कीमतों पर

बाजार में भी भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर

वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाईपर पहुंच गईं।सोना दो फीसदी बढ़त के साथ 4,084.99 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया।चांदी भी तीन फीसदी के उछाल के साथ51.74 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक कोलिन शाह का कहना है कि सोने की रिकॉर्ड कीमतों के बाद भी त्योहारी सीजन में र प्रतिशत-आभूषण की मांग मजबूत बनी रहेगी।हालांकि, बाजार में हल्के आभूषणों की मांग ज्यादा दिखाई दे रही है।उन्होंने कहा, पूछताछ के आधार पर 9 कैरेट से 18 कैरेट तक के आभूषणों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल सकती है।

क्या राजकुमार राव के हाथ लगी एक और हॉरर कॉमेडी फिल्म?

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है।

लीड रोल को लेकर लग रहे कयास

इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, राजकुमार राव बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

कब रिलीज हुई थी बकासुरा रेस्टोरेंट

राजकुमार राव हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री और स्त्री 2 में अपने अभिनय का असर दर्शकों पर छोड़ चुके हैं। बकासुरा रेस्टोरेंट की बात करें तो यह फिल्म इसी साल अगस्त में रिलीज हुई।
एसजे शिवा द्वारा निर्देशित और लिखित यह एक तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसमें प्रवीण, जय कृष्णा, विवेक दंडु, अमर लथु, राम पाटस और शाइनिंग फणी जैसे कलाकार हैं। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

जल्द पापा बनेंगे राजकुमार

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म मालिक में नजर आए। यह इस साल जुलाई में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। एक्टर की निजी जिंदगी की बात करें तो वे और पत्नी पत्रलेखा जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। कपल अपने पहले बच्चे के स्वागत को लेकर उत्साहित है।

कैसी जिंदगी जीना चाहती हैं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने कथित रूमर्ड बॉयफ्रेंड राज निदिमोरु के साथ लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच सामांथा ने अपनी लाइफ को कैसे जीना चाहिए। इसको लेकर एक खास पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कई शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। इसके साथ ही सामंथा ने कैप्शन में अपने विचार, शब्द और काम उनके सबसे अच्छे व्यक्तित्व के बारे में बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि शांत पलों में उन्हें यह समझ आया कि वह इसे सिर्फ कहने की बजाय जीना चाहती हैं।

सामांथा के शेयर किए खूबसूरत पल

उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं, जिनमें वह पूजा करती, जिम में व्यायाम करती और अपने कुत्तों के साथ खेलती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह नारंगी रंग का सूट पहने पूजा करती दिखीं। सामंथा के इस पोस्ट को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सामांथा के फैंस उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल वाले और फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं।

सामंथा का हालिया पोस्ट

पिछले हफ्ते सामंथा ने बताया कि एक उद्धरण ने उनकी सोच बदल दी। उन्होंने कहा, आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा जो आपको परेशान करती हैं। इससे उनकी जिंदगी आसान हुई और वह दूसरों को भी इसे आजमाने की सलाह देती हैं। सामंथा ने स्कूल से सीखी बातों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि सहानुभूति और दयालुता जैसे गुण उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये जीवन में बहुत काम आते हैं।

सामंथा का करियर

काम की बात करें तो सामंथा रुथ प्रभु की आखिरी फिल्म कुशी थी, जो 2023 में रिलीज हुई थी। इसके बाद, वह वरुण धवन के साथ वेब सीरीज सिटाडेल- हनी बनी में दिखाई दीं, जो 2024 में रिलीज हुई थी।

मौनी रॉय ने अपनी नई ओटीटी रिलीज़ की शूटिंग शुरू की

2025 के शानदार सफ़र के बाद, मौनी रॉय ने कोई समय ज़ाया नहीं किया है। हाल ही में मिलान फैशन वीक में अपने लुक्स से दुनिया को दीवाना बनाने के बाद, एक्ट्रेस ने अब अपने अगले प्रोजेक्ट – एक ह्रअअ वेंचर – की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसकी शूटिंग मुंबई और पंजाब में होगी। मौनी ने सोशल मीडिया पर अपने स्क्रिप्ट की एक धुंधली तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, और अगले प्रोजेक्ट की ओर... प्यार और आशीर्वाद, प्लीज़ एक्स, और यह देख कर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मेट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उन्होंने 'द भूतोनी' और 'सलाकार' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली हैं – वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है' में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हर प्रोजेक्ट में उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू दिखाई देता है, चाहे वो ड्रामा हो, वॉइस एक्टिंग हो या एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस। लेकिन शायद मौनी के पहले से ही बिजी शेड्यूल का सबसे रोमांचक हिस्सा है उनका पहला टॉलीवुड डेब्यू – मेगास्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'विश्वंभरा' में। यह कदम उन्हें न सिर्फ एक प्रतिभाशाली बल्कि एक भरोसेमंद स्टार के रूप में और मज़बूत करता है।

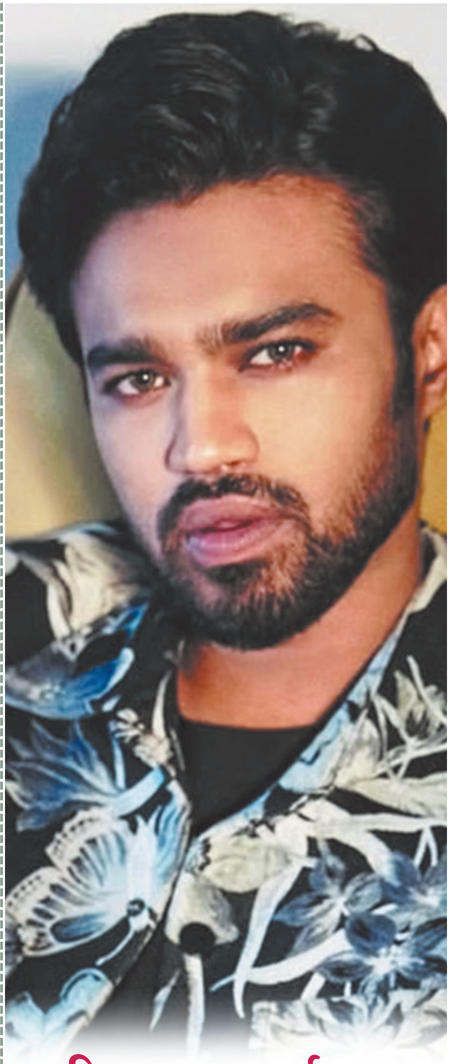

बाबिल खान का दर्द छलका

मैं अपने डिप्रेशन से लड़ रहा था

बाबिल खान ने जब एक्टिंग करियर शुरू किया तो वह अपने संजीदा अभिनय के लिए जाने गए। लेकिन कुछ महीनों पहले उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह रोते हुए दिखे। इंडस्ट्री के कई लोगों को फेक बताते नजर आए। बाद में बाबिल की मां ने एक बयान जारी कर बताया कि वह मुश्किल दौर से जूझ रहे हैं। इस वीडियो के महीनों बाद अब बाबिल की एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आई है। जिसमें वह अपने डिप्रेशन प्रॉब्लम का जिक्र कर रहे हैं। यह पोस्ट देखकर कई बॉलीवुड सेलेब्स बाबिल को सपोर्ट करते भी दिखाई दिए।

डिप्रेशन से जूझ रहे हैं बाबिल खान

अपनी पोस्ट में कविता कहने के अंदाज में लिखते हैं, 'मैं छुपकर सुनने का इरादा नहीं रखता था, इस कांच के घर की दीवारें पतली हैं। मैंने अपना दिल खोलकर रखा था। अब मेरे पास खून से सनी टी-शर्ट हैं। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था। मेरे भीतर के डिमन ने मुझे गहरे जख्म दिए हैं। नींद ना आना और घबराहट ने मुझे अजीब-अजीब चीजें सोचने पर मजबूर कर दिया था। मैं मदद के लिए पुकार रहा था, मैं अपनी आवाज को दबा नहीं पा रहा था। यह सबकुछ मेरी सेहत पर भारी पड़ रहा था। मेरी आत्मा थक चुकी थी। जब तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, तब मैं अपने अवसाद से लड़ रहा था।'

विजय वर्मा से लेकर अपारशक्ति खुराना तक ने किया सपोर्ट

बाबिल खान की हालिया पोस्ट पर बॉलीवुड सेलेब्स भी रिएक्ट रहे हैं। अपारशक्ति खुराना ने 'भाई' लिखते हैं, हार्ट इमोजी बनाया है। वहीं विजय वर्मा ने लिखा, 'हम तुम्हारे साथ हैं बाबिल।' गुलशन देवेया ने लिखा, 'देखो, यहां कौन आया है?' टीवी एक्टर हिमांशु सोनी ने भी बाबिल की पोस्ट को लाइक किया है। फैंस ने भी बाबिल को अपना सपोर्ट दिया है। एक यूजर ने लिखा, 'चलो भाई हो गया जो होना था, अब फिल्में करो, कविता लिखो, अपनी आर्ट को बाहर निकालो। मूव ऑन करो, अपनी विरासत को आगे बढ़ाओ।' इस तरह के सपोर्टिंग कमेंट्स कई फैंस बाबिल के लिए करते दिखाई दिए।

छोटे रोल से निराश हो गए थे सौरभ शुक्ला, खत्म हो गई थी अभिनय में रुचि

जॉली एलएलबी 3 की रिलीज के बाद से लेखक और अभिनेता सौरभ शुक्ला सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने जीवन के उस मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की जब उनकी अभिनय में रुचि लगभग खत्म होने लगी थी। उन्होंने बताया कि एक दौर ऐसा भी था जब उन्हें फिल्मों में केवल छोटे-मोटे रोल ही मिलते थे, जिससे वह निराश हो जाते थे। हालांकि बर्फी की शूटिंग के दौरान वह रणबीर कपूर से मिले और उनको अभिनय में दोबारा मजा आने लगा।

याद किए संघर्ष के दिन

एएनआई से बात करते हुए सौरभ शुक्ला ने अपने निराशाजनक दौर के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि जब बर्फी के निर्देशक अनुराग बसु ने उनसे संपर्क किया तो उन्होंने लगभग फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया था। सौरभ ने कहा मैं रणबीर से बर्फी में मिला था। मैं उस समय बहुत ही निराशा के दौर से गुजर रहा था। लोग कहते थे, सौरभ, तुम बहुत अच्छे एक्टर हो लेकिन जब रोल मिलते थे, तो हमेशा कैमियो होते थे।

सौरभ ने लोगों से क्या कहा?

सौरभ ने आगे कहा मैं वाकई संघर्ष कर रहा था। इसलिए, मैंने लोगों को बताना शुरू कर दिया कि मैं एक्टिंग नहीं करता। मैं एक लेखक हूं और मैंने फिल्में बनाई हैं। जब अनुराग ने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मेरे पहले शब्द थे, अनुराग, अगर तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ है, तो मुझे फोन करो। इस पर अनुराग ने कहा सर, अगर मेरे पास आपके लिए कुछ नहीं होता, तो मैं आपको क्यों बुलाता? उन्होंने मुझे वह फिल्म दी, जो वाकई कमाल की थी।

रणबीर से बात करके अभिनय में रुचि जगी

सौरभ ने आगे कहा बर्फी में मेरी मुलाकात रणबीर से हुई। वह बहुत आकर्षक, जवान, बातों और सपनों से भरा हुआ था। मुझे उसके साथ बैठकर बहुत अच्छा लगा। हम दोनों में एक-दूसरे के लिए सम्मान था। अभिनय करते हुए वह कुछ करता और मुझे उससे कुछ मिलता। इस तरह मेरी रुचि अभिनय में वापस आ गई। इसके बाद मैंने फिर से सोचना शुरू कर दिया कि हां, अभिनय एक बड़ा आनंद है।

मुसीबत में फंसी फिल्म नो एंट्री 2

दिलजीत के बाद अब वरुण धवन के भी फिल्म छोड़ने की खबर

बॉलीवुड की चर्चित कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री' का सीक्वल पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। पहले जहां दर्शक इस फ्रेंचाइजी की वापसी से खुश थे, वहीं अब खबरें आई हैं कि फिल्म की कास्ट में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। पहले दिलजीत दोसांझ ने प्रोजेक्ट से किनारा किया और अब अभिनेता वरुण धवन ने भी 'नो एंट्री 2' से पीछे हटने का फैसला लिया है।

वरुण धवन के फिल्म छोड़ने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण धवन की डेट्स फिल्म के शूटिंग शेड्यूल से मेल नहीं खा रहीं, जिसकी वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। वहीं प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने इस खबर पर अभी तक आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मेकर्स अब दो नए चेहरों की तलाश में हैं जो अर्जुन कपूर के साथ फिल्म में नजर आएंगे।

'नो एंट्री 2' की कास्ट में उलटफेर

बताया जा रहा है कि इस फिल्म में पहले वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर को एक साथ लाने का प्लान था। लेकिन जब दिलजीत ने डेट्स और क्रिएटिव डिफरेंसेज के चलते प्रोजेक्ट छोड़ दिया, तो शूटिंग शेड्यूल में बड़े बदलाव किए गए। इसी फेरबदल ने वरुण के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं क्योंकि उनके पास पहले से ही 'भेड़िया 2' की शूटिंग की डेट्स लॉक थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वरुण इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित थे, लेकिन दिलजीत के जाने के बाद शूटिंग शेड्यूल में ऐसे बदलाव हुए कि सब कुछ मुश्किल हो गया। वरुण की प्राथमिकताएं पहले से तय थीं, इसलिए उन्हें नो एंट्री 2 से बाहर होना पड़ा।

'दिलजीत दोसांझ से कोई मतभेद नहीं'

कुछ दिनों पहले बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू में साफ कहा था कि दिलजीत दोसांझ अब फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा था, हम अच्छे संबंधों में अलग हुए हैं। उनकी तारीखें हमारे शेड्यूल से मेल नहीं खा रही थीं, लेकिन हम जल्द ही एक पंजाबी फिल्म साथ करने की उम्मीद रखते हैं।

अब फिल्म की आगे की राह क्या?

अब नो एंट्री 2 की टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती है- वरुण और दिलजीत की जगह नए एक्टर्स को कास्ट करना। हालांकि अर्जुन कपूर अभी भी फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी पहले से ज्यादा मस्तीभरी और ट्विस्ट से भरी होगी। इसी बीच वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ दोनों ही जेपी दत्ता की फिल्म 'बॉर्डर 2' में साथ दिखाई देंगे, जिसमें सनी देओल और अहान शेट्टी भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट

भारत ने तोड़ा अपना ही टेस्ट रिकॉर्ड

• लगातार इतने टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने आईसीसीवर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए वेस्ट इंडीज को 7 विकेट से हराया और 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने टेस्ट क्रिकेट में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। अरुण जेटली स्टेडियम में भारत ने मंगलवार को सिर्फ 35.2 ओवर में 121 रनों का लक्ष्य पूरा किया। ओपनर केएल राहुल ने नाबाद 58 रन बनाए, जबकि ध्रुव जुरेल ने 6 रन की पारी खेली। राहुल ने अपने शॉट्स में 6 चौके और 2 छक्के शामिल किए और साई सुधर्शन के साथ 79 रनों की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। कप्तान शुभमन गिल ने 13 रन बनाये। इस जीत के साथ भारत ने अरुण जेटली स्टेडियम में अपनी अजेय स्ट्रीक को 14 मैचों तक बढ़ा दिया, जो मार्च 1993 से चली आ रही है। यह किसी भारतीय स्टेडियम में भारत की सबसे लंबी अजेय स्ट्रीक है और मोहाली व ब्रेबोर्न स्टेडियम के रिकॉर्ड (13-13) से भी बेहतर है। भारत ने दोनों टेस्ट मैचों में वेस्ट इंडीज के सभी 40 विकेट अपने नाम किए। तेज गेंदबाजों ने धीमी और कम मददगार पिच पर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि स्पिनरों ने धैर्य दिखाते हुए विरोधी टीम को रोका। दोनों मैचों में भारतीय बल्लेबाजों ने पांच शतक और एक नज़दीकी 90 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने दक्षिण अफ्रीका के साथ सबसे ज्यादा लगातार टेस्ट सीरीज जीतने के रिकॉर्ड में बराबरी कर ली और डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भी महत्वपूर्ण 12 अंक जोड़ लिए।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर गौतम गंभीर ने दिया हिंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर रवाना होगी। 19 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज का सभी फैंस को बेसब्री से इंतजार है क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली की मैदान पर वापसी होने वाली है। इतना ही नहीं शुभमन गिल पहली बार भारतीय वनडे टीम की कमान संभालेंगे।

इस सीरीज से पहले भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने वर्ल्ड कप 2027 को लेकर और रोहित-विराट के भविष्य पर भी हिंट दिया है। भारतीय हेड कोच ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया के आगे की रणनीतियों पर खुलकर बात की है। जहां उन्होंने हर्षित राणा को ट्रोल करने वालों को फटकार लगाई है, वहीं उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली

को एक बेहतरीन खिलाड़ी बताया। साथ ही वनडे वर्ल्ड कप 2027 को लेकर बड़ा हिंट भी दिया है। उनका मानना है कि अभी भारत को वर्तमान पर ध्यान देना होगा, क्योंकि वनडे वर्ल्ड कप 2027 में अभी वक्त बाकी है।

गौतम गंभीर का पूरा बयान- गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,50 ओवर का वर्ल्ड कप अभी दूर है। रोहित और कोहली दोनों बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उम्मीद है कि दोनों अच्छा करेंगे। फिलहाल अभी वर्तमान पर ध्यान देना जरूरी है। वहीं किसी भी खिलाड़ी को बाहर करना बहुत ही भावनात्मक फैसला होता है। यानी गंभीर ने साफतौर पर रोहित और विराट को हिंट दे दिया है कि अगर आप परफॉर्म करेंगे तो ही आपको आगे फ्यूचर के प्लान में रखा जाएगा। ये साफ है कि अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली अच्छा फॉर्म अगले एक डेढ़ साल बरकरार रखते हैं तो ही उन्हें वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेलने का मौका मिलेगा।

रो-को की वापसी पर सबकी नजर- रोहित शर्मा और विराट कोहली चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद अब भारतीय जर्सी में नजर आएंगे। रोहित शर्मा ने अपने मिशन वर्ल्ड कप 2027 की शुरुआत कर दी है और वह मुंबई में ट्रेनिंग भी अभिषेक नायर की देखरेख में कर रहे हैं। वहीं विराट कोहली भी भारत आ गए हैं। दोनों खिलाड़ी अब सिर्फ एक फॉर्मेट में ही खेलेंगे।

रोहित-विराट से बस इतना चाहता हूं शुभमन गिल का बड़ा बयान, ऑस्ट्रेलिया के लिए जताए...

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज खत्म होते ही टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल की निगाहें अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जम गई है. ऑस्ट्रेलिया दौरे की टीम में चुने किस खिलाड़ी से गिल को क्या चाहिए, इस बारे में भी उन्होंने अपने इरादे जताने शुरू कर दिए हैं. वेस्टइंडीज के खिलाफ पोस्ट मैच प्रजेन्टेशन में शुभमन गिल से विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल हुआ, जिसके जवाब में उन्होंने बताया कि बतौर कप्तान उन दोनों सीनियर खिलाड़ियों से उन्हें क्या चाहिए? गिल का ये जवाब एक तरह से रोहित और विराट के लिए टीम के कप्तान की तरफ से क्लियर मैसेज की तरह भी है.

गिल ने रोहित-विराट से की कौन सी डिमांड?- अब सवाल है कि शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित-विराट से किस चीज की डिमांड की? उन्होंने पहले तो कहा कि हर कप्तान अपनी टीम में रोहित-विराट जैसा खिलाड़ी चाहता है, जिसके पास 10-15 सालों का अनुभव हो.

अमन सहरावत ने गलती स्वीकारी

• डब्ल्यूएफआई से प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने का अनुरोध, बताया वजन कम न कर पाने का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत ने सोमवार (13 अक्टूबर) को भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा उन पर लगाए गए एक साल के प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया। सहरावत को जगरेब में विश्व चैंपियनशिप में मुकाबले से पहले वजन कम करने में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया है। शुरुआती मुकाबले से पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से 1.7 किलोग्राम अधिक था। भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सहरावत ने स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले महीने वजन कम न कर पाने की गलती की थी। इस पहलवान ने कहा कि वह डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करेंगे और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे।

मेरी पहली गलती है, मैं इसे दोहराऊंगा नहीं- सहरावत ने 2024 पेरिस खेलों में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने के लिए 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद कहा, ''मैं उनसे (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष) मुलाकात कर यह अनुरोध करूंगा। यह मेरी पहली गलती है, मैं इसे दोहराऊंगा नहीं।''

सहरावत को कारण बताओ नोटिस- डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर को सहरावत से चूक के लिए स्पष्टीकरण मांगते हुए कारण बताओ नोटिस दिया था। महासंघ ने कहा था कि 29 सितंबर को जमा किए गए उनके जवाब को अनुशासनात्मक समिति ने 'असंतोषजनक' पाया। सहरावत ने कहा कि स्पर्धा से एक दिन पहले अचानक पेट दर्द शुरू होने के कारण वह और वजन कम करने का प्रयास जारी नहीं रख पाए।

अचानक मेरे पेट में दर्द होने लगा

अमन सहरावत ने कहा, ''मैंने स्पर्धा एक सप्ताह पहले वजन कम करना शुरू कर दिया था। जब एक दिन बचा था, तब मेरा 600-700 ग्राम (अधिक) वजन रह गया था। यह जिम में आखिरी सेशन था। मेरे पास (कम करने के लिए) 600 ग्राम बचा था।'' उन्होंने कहा, ''मैं अभ्यास कर रहा था लेकिन अचानक मेरे पेट में दर्द होने लगा। मैं सीधे अपने कमरे में चला गया। मैंने सुबह चार बजे उठने की योजना बनाई थी लेकिन पेट का दर्द रात में फिर से बढ़ गया और कुछ दवा लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हुआ।''

डिकॉक से पहले इन क्रिकेटरों ने भी संन्यास से लिया यू-टर्न

• रिटायरमेंट से वापस आकर दोबारा खेला इंटरनेशनल क्रिकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने वनडे और टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट वापस ले लिया है. डिकॉक ने 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में आखिरी वनडे मैच खेला था, उसके बाद संन्यास ले लिया था. वहीं उन्होंने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में खेला और वनडे के तरह टी20 इंटरनेशनल से भी रिटायरमेंट ले लिया था. डिकॉक एक बार फिर से साउथ अफ्रीका के लिए वाइट बॉल फॉर्मेट में खेलने लगे हैं. हालांकि, उन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट से अभी भी संन्यास वापस नहीं लिया है. क्विंटन डिकॉक को दक्षिण अफ्रीका की टी20 इंटरनेशनल और वनडे में शामिल कर लिया गया है. डिकॉक ने अब तक 155 वनडे मैचों में 45.74 की औसत और 96.64 के स्ट्राइक रेट से 6770 रन बनाए हैं. डिकॉक को पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में चुना गया है. वहीं वह टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए भी दक्षिण अफ्रीकी टीम में चयन कर लिया गया है. उन्होंने 92 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 2584 रन बनाए हैं.

रिटायरमेंट से वापस आकर दोबारा इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले स्टार खिलाड़ी

- **शहीद अफरीदी (पाकिस्तान)-** पाकिस्तान के विस्फोटक ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी संन्यास से वापसी के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं. उन्होंने कई बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा और फिर वापस खेलने आ गए. 2011 विश्व कप के बाद अफरीदी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया, लेकिन 2011 में ही वापस आ गए. इसके बाद उन्होंने 2016 में भी एक बार और वापसी की.
- **बेन स्टोक्स (इंग्लैंड)-** इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने 2022 में वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी, ताकि वह टेस्ट क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे सकें, लेकिन उन्होंने 2023 के वनडे विश्व कप में रिटायरमेंट के अपने फैसले को वापस लेते हुए टीम में वापसी की.
- **मोहम्मद आमिर (पाकिस्तान)-** पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने दिसंबर 2020 में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ कुछ विवादों के कारण 28 साल की उम्र में संन्यास ले लिया था. लेकिन तीन साल बाद, उन्होंने पाकिस्तान के लिए टी20 विश्व कप 2024 खेलने के लिए अपने संन्यास को वापस लिया और टीम में लौट आए. बता दें कि हमने यहां सिर्फ स्टार क्रिकेटरों का जिक्र किया है, वहीं संन्यास से यू-टर्न लेने वाले क्रिकेटरों की फेहरिस्त काफी लंबी है. इसमें अंबाती रायडू, तमीम इकबाल, ब्रेंडन टेलर, केविन पीटरसन और रॉस टेलर का नाम शामिल है.

भारत से भिड़ने से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका

पहले वनडे से दो खिलाड़ी बाहर, 4 बाद विकेटकीपर की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया को दोहरा झटका लगा है। विकेटकीपर जोश इंगलिस पिंडली की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। स्पिनर एडम जम्पा पारिवारिक कारणों से उपलब्ध नहीं होंगे। इंगलिस को पर्थ में ट्रेनिंग के दौरान पिंडली में खिंचाव आया था। वह पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह जोश फिलिप को टीम में शामिल किया गया है। वह 2021 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के बाद से उनका पहला वनडे मैच होगा। स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन को भी ऑस्ट्रेलिया को जम्पा की जगह टीम में शामिल किया गया है।

एलेक्स कैरी एशेज सीरीज की तैयारियों के सिलसिले में साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए शेफील्ड शील्ड मैच में क्वींसलैंड के खिलाफ खेलने के कारण भारत के खिलाफ पहले मैच से बाहर रहेंगे। दूसरे मैच से पहले उनके वनडे टीम से जुड़ने की उम्मीद है। जम्पा पिता बनने वाले हैं। उनकी पत्नी हैरियट दूसरे बच्चे को जन्म देने के करीब हैं।

कुहनेमन 2022 के बाद पहला वनडे खेल सकते हैं- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद है कि इंगलिस 25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे से पहले ठीक हो जाएंगे। जम्पा के एडिलेड वनडे के लिए उपलब्ध रहने की उम्मीद है। कुहनेमन 2022 के बाद से अपना पहला वनडे खेल सकते हैं, जबकि मैट शॉर्ट और कूपर कोनोली मेजबान टीम के लिए उपलब्ध अन्य स्पिन विकल्प हैं।

तीनों फॉर्मेट खेलने वाले खिलाड़ियों को मैनेज करने की चुनौती- ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं को एशेज से पहले तीनों प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों को मैनेज करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

रंजी ट्रॉफीः

2 पारियों में 0 पर आउट

20 महीने पुराना जख्म भरने उतरेंगे वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी शुरू है. इसके लिए सभी टीमें कमर कसकर तैयार है. बिहार ने भी अपनी टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें पिछले साल ही रणजी डेब्यू करने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को उप-कप्तानी की बड़ी जिम्मेदारी मिली है. वैभव सूर्यवंशी के कंधे पर उप-कप्तानी का दारोमदार तो होगा ही, उसके अलावा 20 महीने पुराने जख्म को भरने की भी बड़ी चुनौती होगी. अब सवाल है कि ये जख्म है क्या? तो इसका ताल्लुक पटना में उनके साथ घटी घटना से जुड़ा है. इसका ताल्लुक उस मैदान से है, जिस पर बिहार की टीम को इस सीजन अपना पहला रणजी मुकाबला खेलना है.

15 अक्टूबर से बिहार के अभियान का आगाज- बिहार की टीम अपने नए रणजी सीजन की शुरुआत अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ करेगी. दोनों के बीच ये मुकाबला 15

अक्टूबर से पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर खेला जाएगा. ये वही मैदान है, जिस पर पिछले साल जनवरी में वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया था. तब उनकी उम्र 13 साल से भी कम थी.

मोइनुल हक स्टेडियम पर किया था रणजी डेब्यू- वैभव सूर्यवंशी ने मुंबई के खिलाफ 5 से 8 जनवरी 2024 को खेले मुकाबले में बिहार के लिए अपना पहला रणजी मैच खेला था.

मोइनुल हक स्टेडियम पर पुराना जख्म भरने उतरेंगे

अब सवाल है कि वो जख्म क्या था. जो उन्हें पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर 12 से 15 जनवरी 2024 के बीच खेले अपने रणजी करियर के दूसरे मुकाबले में मिला था. दरअसल, वो उस मैच की दोनों पारियों में जीरो पर आउट हो गए थे, जिसके बाद उन्हें टीम से ड्रॉप भी कर दिया गया था.

वैभव सूर्यवंशी का मोइनुल हक स्टेडियम पर रिकॉर्ड- पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 2 मैच की 4 पारियों में सिर्फ 31 रन बनाए हैं. साफ है कि परफॉर्मेन्स का ये ग्राफ भी उनके मिजाज से मेल खाता नहीं दिखा. 20 महीने बाद अब बिहार के उप-कप्तान बनकर खेलने उतरने वाले वैभव सूर्यवंशी को पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर उसी परफॉर्मेन्स ग्राफ को बदलना है.

संक्षिप्त समाचार

एमसीडी उपचुनाव: 12 वार्डों में मतदान केंद्रों की फाइनल लिस्ट पर जल्द लगेगी आयोग की मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों में उपचुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसके लिए मतदान केंद्र इसी सप्ताह तय हो सकते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने इन सभी 12 वार्ड के जिला निर्वाचन अधिकारियों से सोमवार शाम 5 बजे तक आपत्तियों और सुझावों का निपटारा कर मतदान केंद्रों की अंतिम सूचियां मांगी थीं। इन अंतिम सूची पर राज्य निर्वाचन आयोग की अंतिम मुहर लगने के बाद इन्हें सार्वजनिक कर दिया जाएगा। मतदान केंद्रों की ड्राफ्ट सूची पहले ही तैयार कर ली गई थी, इन्हें सभी रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालयों में और अन्य प्रमुख स्थानों पर आम जनता के निरीक्षण के लिए प्रदर्शित किया गया था। जनता से मिले सुझाव और आपत्तियों का निपटारा रिटर्निंग अधिकारियों को ही करना था। संभव है कि आपत्तियों और सुझाव के आधार पर इन सूची में कुछ परिर्तन करना पड़े। ऐसे में राज्य निर्वाचन आयोग ने 13 अक्टूबर यानी सोमवार की शाम 5 बजे तक फाइनल सूची इन सभी वार्डों के जिला निर्वाचन अधिकारियों से अनुमोदन के लिए मांगी थी। जिला निर्वाचन अधिकारियों से किए गए अनुमोदन पर अब राज्य निर्वाचन आयोग अंतिम मुहर लगाएगा। इसके बाद ही मतदान केंद्रों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। एमसीडी उपचुनाव के लिए मतदाता सूची को भी अपडेट किया जाएगा। आयोग का कहना है कि उपचुनाव के लिए बीते विधानसभा चुनाव में तैयार की गई मतदाता सूची का ही इस्तेमाल किया जाएगा। सूची में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नए मतदाताओं को शामिल किया जाएगा। नए मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकेंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम के सदन की बैठक आज मंगलवार को होगी। (एमटीएस) व घरेलू प्रजनन जांचकर्ता (डीबीसी) कर्मचारियों से जुड़ी मांगों और दिल्ली में अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष में टकराव हो सकता है।

सांसों पर संकट! बढ़ने लगा प्रदूषण, तीन इलाकों में एक्यूआइ 300 पार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी की हवा में प्रदूषण का स्तर एक बार फिर से बढ़ता हुआ दिख रहा है। सोमवार को दिल्ली के तीन इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार यानी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। अगले दो दिनों के बीच हवा में प्रदूषक कणों का स्तर बढ़ने के आसार हैं। तापमान में गिरावट और हवा की रफ्तार कम होने के चलते दिल्ली की हवा में अब प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। हालांकि, रविवार को तेज धूप और हवा की रफ्तार थोड़ा बढ़ने से प्रदूषण के स्तर में भी कुछ कमी आई थी। लेकिन एक बार फिर से प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी का रुख दिख रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 189 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है लेकिन, यह खराब श्रेणी से सिर्फ 12 अंक नीचे है। एक दिन पहले रविवार को यह सूचकांक 167 के अंक पर रहा था। बीते 24 घंटों के भीतर ही सूचकांक में 22 अंकों का इजाफा हुआ है। चिंता की बात यह है कि सोमवार की शाम चार बजे दिल्ली के तीन इलाकों का सूचकांक 300 के ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। इनमें आनंद विहार, ओखला फेज टू और नॉर्थ कैंपस डीयू जैसे इलाके शामिल हैं। आठ अन्य इलाकों का सूचकांक भी 200 से ऊपर यानी खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। अगले दो दिनों के बीच हवा की रफ्तार आमतौर पर दस किलोमीटर प्रति घंटे से कम रहने के आसार हैं। इसके चलते प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी होने की आशंका है। यूं तो दिल्ली की हवा में प्रदूषक कणों का स्तर बढ़ रहा है। लेकिन, अभी तक तकनीकी तौर पर वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में ही है।

बैन है या नहीं; दिल्ली में तो धड़ल्ले से बिक रहे पटाखे, सुको का आदेश भी नहीं आया

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले एक अलग असमंजस है। प्रदूषण को देखते हुए पटाखों पर लगने वाला बैन अभी तक सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नहीं आया है और दूसरी ओर ग्रीन पटाखों को जलाने की छूट को एक्सपर्ट्स सही नहीं मान रहे हैं। इस बीच दिल्ली के कई इलाके ऐसे हैं जहां खुलेआम पटाखों की बिक्री हो रही है। राजधानी के बाजारों में त्योहारी चहल-पहल कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

चांदनी चौक, जामा मस्जिद और सदर बाजार की यात्रा में यह पाया कि पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध होने के बावजूद, वे शहर के कई हिस्सों में खुलेआम बेचे जा रहे हैं। इस बीच, एनसीआर की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशनों के अनुसार, पिछले हफ्ते बड़ी संख्या में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिसके चलते पटाखों की आवाज पहले ही पूरे एनसीआर की हवा में गूंजने लगी है। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने पटाखे बनाने वालों की ओर से लगाए गए स्थायी प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं पर अपना फ़ैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार ने यह सिफ़ारिश की थी कि पटाखों की बिक्री को केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों तक सीमित किया जाए और ऑनलाइन

प्लेटफ़ॉर्म को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री की सुविधा देने से रोका जाए।

रविवार और सोमवार को सदर बाजार की गलियां दिवाली की खरीदारी करने वालों से भरी हुई थीं, जिनमें से कई लोग चोरी-छिपे पटाखों के बारे में पूछताछ कर रहे थे और उन्हें ख़रीद भी रहे थे। कम से कम 10 विक्रेताओं को देखा जिनमें से तीन मुख्य सड़क पर थे, जो बम और फुलझड़ियों के पैकेट बेच रहे थे। इनमें से कुछ पैकेट टेबल के नीचे या मिठाई के कार्टन के पीछे छिपाकर रखे गए थे। नाम न छापने की शर्त पर सदर बाज़ार के एक 19 वर्षीय स्ट्रीट वेंडर ने बताया, हम बड़े पटाखे दिखाते नहीं हैं, उन्हें टेबल के नीचे रखा जाता है, लेकिन अगर कोई पूछता है, तो हम उन्हें चुपके से बेच देते हैं। इस विक्रेता ने दावा किया कि वह दिवाली की बिक्री के सिर्फ़ दो दिनों मेंअपनी पूरे महीने की सामान्य कमाई से ज्यादा पैसा कमा लेता है। उस वेंडर के अनुसार इलाके के क़रीब 15 विक्रेता वीकेंड पर एक दिन में 50,000 से 4 लाख तक कमा लेते हैं। इस तरह पूरे त्योहारों के दौरान वे सामूहिक रूप से 30 लाख से अधिक की कमाई करते हैं। रविवार को, ये विक्रेता दिल्ली पुलिस कर्मियों की नजरों से बचे रहे, जो भीड़ और ट्रैफ़िक को संभाल रहे थे। हालांकि, एक दूसरे विक्रेता ने बताया, पुलिस ने मुझे पटाखे बेचते हुए पकड़ लिया था और कुछ घंटों तक थाने में रखने के बाद छोड़ा। उसने आगे बताया कि उस जैसे छोटे विक्रेताओं को बड़े निर्माताओं पर लगे प्रतिबंध से कैसे फ़ायदा हो रहा है।

उस विक्रेता ने कहा, हम थोक विक्रेताओं से स्टॉक खरीदते हैं, जो प्रतिबंध के कारण सीधे माल नहीं बेच सकते। हम इसे 50-60त्न मुनाफ़े पर बेचते हैं। यह बताते हुए उसने 300 का एक ग्रीन क्रैकर पैकेट दिखाया, जिसकी क़ीमत असल दाम से 60त्न ज़्यादा थी। जहां जामा मस्जिद के गेट नंबर 3 के सामने पटाखों की दुकानें बंद थीं, वहीं बच्चे अपने माता-पिता के साथ उसी गली में पटाखों के पैकेट लिए घूम रहे थे।

टिकट के लिए अब काउंटरों पर लगने की जरूरत नहीं! दिल्ली के स्टेशनों पर है खास इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों का मौसम आते ही नॉर्दर्न रेलवे ने यात्रियों के लिए कमर कस ली है। दिवाली और छठ की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने खास इंतजाम शुरू कर दिए। इस बार नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशनों के साथ-साथ शकूरबस्ती स्टेशन से भी पहली बार स्पेशल ट्रेनें रवाना होंगी। शकूरबस्ती में यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी होल्डिंग एरिया भी तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा अनरिजर्व टिकट लेने की प्रक्रिया को और आसान बनाने के लिए रेलवे कई नई सुविधाएं ला रहा है। रेलवे ने यात्रियों की सहूलियत के लिए कई अनोखे कदम उठाए हैं। अब टिकट लेना और भी आसान होगा, क्योंकि मोबाइल यूटीएस (अनरिजर्व टिकटिंग सिस्टम) की सुविधा शुरू की गई है। यह एक तरह का चलता-फिरता टिकट काउंटर है, जो आपको लंबी लाइनों से बचाएगा। नई दिल्ली स्टेशन पर 7000 लोगों की क्षमता वाला एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है, जिसमें तीन अलग-अलग जोन हैं। टिकट लेने से पहले का जोन, टिकट लेने के बाद का जोन और टिकटिंग एरिया। नई दिल्ली स्टेशन के अजमेरी गेट की ओर 21 यूटीएस काउंटर, 20 अतिरिक्त टिकट काउंटर और एक पूछताछ काउंटर तैयार किया गया है।

दिल्ली की एसएयू में छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न, पुलिस ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दक्षिणी इलाके में स्थित साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में एक छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की घटना सामने आई है। पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए इसकी शिकायत मिली। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे मैदांगढ़ी पुलिस स्टेशन पर एक पीसीआर कॉल आया, जिसमें पीड़िता के किसी परिचित ने यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, छात्रा को अभी काउंसलिंग दी जा रही है और उसका बयान दर्ज होना बाकी है। एक अधिकारी ने बताया, हमने एफआईआर दर्ज कर ली है और हर एंगल से जांच कर रहे हैं। फिलहाल और डिटेल्स का इंतजार है, लेकिन यह घटना कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था पर उंगली उठा रही है। इस तरह का ये पहला मामला नहीं है। 6 अक्टूबर को आदर्श नगर इलाके के एक होटल में हरियाणा की 18 साल की एमबीबीएस छात्रा के साथ कथित बलात्कार हुआ। पीड़िता, जो दिल्ली में पढ़ाई कर रही है, ने पुलिस को बताया कि जिंद (हरियाणा) का रहने वाला आरोपी उसे पार्टी के बहाने होटल ले गया, नशीला पदार्थ पिलाया, कमरे में बंद किया और फिर उसका शोषण किया।

बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो लाइन की डीपीआर तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद से सटे पलवल जिले के लोगों के लिए अब दिल्ली दूर नहीं होगी। बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनकर तैयार हो चुकी है। मेट्रो चलाने के लिए जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा। यह जानकारी राज्य खेल मंत्री गौरव गौतम में हरियाणा सरकार के मैगपाई टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान दी।

बता दें कि अभी बदरपुर बॉर्डर से बल्लभगढ़ स्टेशन तक मेट्रो जाती है। राज्य खेल मंत्री गौरव गौतम ने बताया कि डीपीआर में बल्लभगढ़ से पलवल तक कितने स्टेशन स्टेशन बनाए जाएंगे, इसकी जानकारी नहीं है। डीपीआर की फाइल अभी अधिकारियों के पास ही है। मेट्रो के पलवल तक पहुंचने के बाद वहां के लोगों की दिल्ली-फरीदाबाद के अलावा नोएडा,

गाजियाबाद से भी कनेक्टिविटी बेहतर होगी। पलवल में बेहतर सार्वजनिक सुविधा के नाम पर दैनिक यात्री ट्रेन और हरियाणा रोडवेज की बसें ही है। मेट्रो चलने से सबसे अधिक लाभ दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्रों के अलावा फरीदाबाद, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में नौकरी करने वालों को होगा। मेट्रो चलने से दैनिक यात्रियों की यात्रा सुगम होगी। इसके अलावा सड़क के ट्रैफिक जाम और मौसम की वजह से होने वाली लेट लतीफी से भी छुटकारा मिल जाएगा। एक अनुमान के अनुसार, पलवल से करीब तीन से चार हजार विद्यार्थी दिल्ली यूनिवर्सिटी के विभिन्न कॉलेज के अलावा उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ते हैं। इसके अलावा आठ से नौ हजार लोग दिल्ली व उससे लगते जिलों में नौकरी करते हैं। इसके साथ ही हजारों की संख्या में लोग अपने व्यापार संबंधी कार्यों से दिल्ली जाते हैं। मेट्रो चलने से इन सभी को काफी लाभ मिलेगा। पलवल के लोगों की भी विभिन्न जिलों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी। एचएमआरटीसी के प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर खरे ने कहा कि रूट की भौगोलिक स्टडी का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें देखा जाएगा कि कितने लोग मेट्रो से सफर कर सकते हैं। रूट कहां से निकाला जाएगा। परियोजना पर जल्द काम शुरू किया जाएगा। फरीदाबाद से गुरुग्राम की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए मेट्रो शुरू किए जाने की योजना पर कई वर्षों से योजना पर काम चल रहा है।

हमास की कैद में एकमात्र हिंदू बंधक बिपिन जोशी की मौत

येरुशलम, एजेंसी। हमास की ओर से बंधक बनाए गए नेपाली हिंदू छात्र बिपिन जोशी का शव इजरायल को लौटा दिया गया है। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल पर किए गए हमले के दौरान उसका अपहरण कर लिया गया था। अटैक के वक्त जोशी ने अपनी बहादुरी से कई सहपाठियों की जान बचाई थी। सोमवार को गाजा में संघर्ष विराम समझौते के बाद उसकी मृत्यु की पुष्टि ऐसे समय हुई, जब 20 जीवित बंधकों की रिहाई पर उत्सव का माहौल था। बंधक बनाए जाने के कुछ दिनों बाद इजरायली सेना की ओर से वीडियो फुटेज जारी किया गया, जिसमें जोशी को गाजा के शिफा अस्पताल में घसीटते हुए दिखाया गया था। हमास के लड़ाकों ने जब हमला किया, तब 22 वर्षीय बिपिन जोशी नेपाल से गाजा सीमा के पास किबुत्ज अलुमिम गए थे। यहां वह खेती-किसानी को लेकर ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए आए थे। जोशी गाजा में जीवित माने जाने वाले एकमात्र गैर-इजरायली और हिंदू बंधक थे। नेपाल के इजरायल में राजदूत धन प्रसाद पंडित ने रिपब्लिका को उनकी मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सोमवार देर रात हमास ने जोशी के शव को इजरयइली अधिकारियों को सौंप दिया। पंडित ने कहा, बिपिन जोशी का शव हमास ने इजरायली अधिकारियों को सौंपा है और इसे तेल अवीव ले जाया जा रहा है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा कि हमास ने बिपिन जोशी सहित 4 बंधकों के शव लौटाए हैं। उनके शव को नेपाल भेजने से पहले डीएनए टेस्ट किया जाएगा। उम्मीद है कि उनका अंतिम संस्कार नेपाली दूतावास के सहयोग से इजरायल में किया जाएगा। जोशी की इजरायल यात्रा सितंबर 2023 में शुरू हुई, जब वह 16 अन्य छात्रों के साथ किबुत्ज अलुमिम गए थे। यह पहल नेपाली छात्रों को इजरायली कृषि तरीकों के बारे ट्रेनिंग देने के लिए की गई थी। 7 अक्टूबर की सुबह हमास आतंकवादियों ने अचानक हमला कर दिया। छात्रों ने बम बंकर में शरण ली। जब बंकर के अंदर ग्रेनेड फेंके गए तो जोशी ने एक जिंदा ग्रेनेड को पकड़कर बाहर फेंक दिया, जिससे कई लोगों की जान बच गई। हालांकि, हमले में वह घायल हो गए और बाद में हमास के बंदूकधारियों ने उन्हें पकड़ लिया।

● हमास ने किया था किडनैप

गले लगाया, किस किया... 738 दिन हमास की कैद से छूटे कपल का वीडियो वायरल

गाजा, एजेंसी।
2 साल यानी 738 दिन या 17,712 घंटे बाद जब एक कपल आपस में मिला, तो दोनों की खुशी का ठिकाना नहीं था। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाते हुए किस करना शुरू कर दिया। यह वीडियो इजरायल से सामने आया है और प्रेमिका को गले लगाकर झूमने वाला व्यक्ति पिछले 2 साल से हमास की कैद में था।

इजरायल और हमास के बीच शांति समझौते के बीच हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा किया है। इस लिस्ट में एक नाम अविनातन का भी शामिल है। 7 अक्टूबर 2025 को इजरायल पर हमले के बाद हमास ने अविनातन और अर्गमानी को भी बंदी लिया था।

इजरायली डिफेंस फोर्स ने अर्गमानी को पिछले साल रिहा करवा लिया था, लेकिन अविनातन हमास के कब्जे में था। हालांकि, अब हमास ने 20 बंधकों के साथ अविनातन को भी छोड़ दिया है। अविनातन और

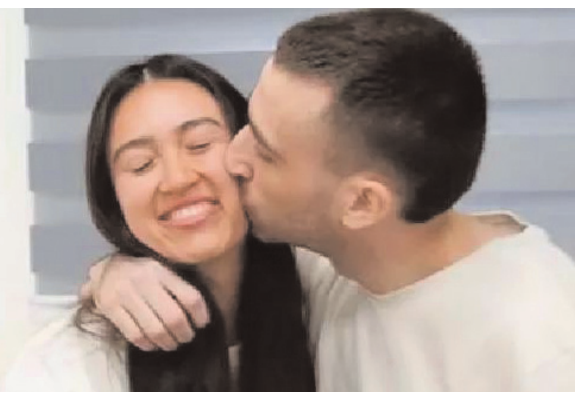

अर्गमानी के मिलने का वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों एक-दूसरे के साथ खुशी से झूमते दिखाई दे रहे हैं।

दरअसल 7 अक्टूबर 2023 को अर्गमानी और अविनातन नोवा संगीत समारोह में पहुंचे थे। इसी बीच हमास ने इजरायल पर हमला कर दिया। हमले के बाद पूरे समारोह में भगदड़ मच गई और कपल अलग हो गया।

हमास के लड़ाके अर्गमानी को बाइक पर जबरन बैठाकर अपने साथ गाजा ले गए। अर्गमानी लगातार अविनातन के बारे में पूछ रही थी, उसे नहीं पता था कि अविनातन क साथ क्या हुआ? अविनातन जिंदा भी है या नहीं और अगर है तो कहां है?

पिछले साल रिहा हुईं थीं अर्गमानी: चीनी मूल की इजरायली नागरिक अर्गमानी को आइडीएफ ने पिछले साल 245 दिनों की कैद के बाद रिहा करवाया। तभी से अर्गमानी इजरायल के बंधकों को छोड़ने की गुहार लगा रही हैं। गाजा से वीडियो सामने आने के बाद अर्गमानी को पता चला कि अविनातन हमास की कैद में है।

अमेरिका एक्सपर्ट की कड़ी चेतावनी: अपनी कब्र खुद ही खोद रहा पाकिस्तान, तालिबान से पंगा पड़ेगा भारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अफगान बॉर्डर पर शनिवार रात हुई भारी गोलीबारी के बाद अमेरिका के वरिष्ठ राजनयिक जाल्मय खलीलजाद ने पाकिस्तान की नीतियों पर कड़ा हमला किया है। खलीलजाद ने कहा कि पाकिस्तान जो कर रहा है, उससे वह खुद अपनी ही कब्र खोद रहा है। विशेष रूप से पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को चेताते हुए खलीलजाद ने कहा कि तालिबान के साथ टकराव और पड़ोसी देशों के साथ बिगड़ते रिश्ते के लिए भारी पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान नई-नई समस्याओं में फंस रहा है और भविष्य में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। दक्षिण एशिया विशेषज्ञ जाल्मय खलीलजाद 2018 से 2021 तक अमेरिका के अफगानिस्तान विशेष प्रतिनिधि रहे। तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद वे अमेरिका लौट गए। खलीलजाद ने कहा कि पाकिस्तान की नीतियां देश के लिए विनाशकारी साबित हो रही हैं। कूटनीति अपनाने की बजाय पाकिस्तान का प्रतिष्ठान अपनी ही

खाई खोद रहा है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि पाकिस्तान अफगान जनता की आज़ादी की परवाह करता है, पर दशकों से उसने उन समूहों का समर्थन किया जो अफगानिस्तान में अशांति फैला रहे थे। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में राजनीतिक स्थिति पर भी निशाना साधा। खलीलजाद ने कहा कि देश की वास्तविक सत्ता सैन्य प्रतिष्ठान के हाथ में है, आम चुनाव और लोकतंत्र पर सवाल हैं, और लोकप्रिय नेता इमरान खान जेल में हैं।

ट्रंप ने क्लिंटन से मिली सराहना का किया स्वागत

अमेरिकी राष्ट्रपति को मिस्र का सर्वोच्च सम्मान

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तारीफ का स्वागत किया है। बता दें कि, बिल क्लिंटन ने गाजा युद्धविराम समझौते में ट्रंप की भूमिका की प्रशंसा की थी। ट्रंप ने इसे बहुत अच्छा कहा और माना कि क्लिंटन सच कह रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनका बिल क्लिंटन से पुराना संबंध रहा है। उन्होंने कहा, वो मेरे दोस्त रहे हैंज वो और उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन भी मेरी शादी में भी आए थे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सोशल मीडिया पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप, उनकी टीम, कतर और अन्य

देशों ने मिलकर इस समझौते को सफल बनाया। उन्होंने इस मौके को स्थायी शांति की दिशा में एक मौका बताया।

ट्रंप ने गाजा युद्धविराम को लेकर दिया भाषण: गाजा युद्धविराम को लेकर ट्रंप ने मिस्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में भी भाषण दिया। उन्होंने इस समझौते को पश्चिम एशिया के लिए नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, हमने वो कर दिखाया जो असंभव कहा जा रहा था। अब युद्ध खत्म हो गया है और एक नई सुबह आ रही है।

गाजा के पुनर्निर्माण पर भी बोले ट्रंप: इस दौरान ट्रंप ने दोहराया कि गाजा के पुनर्निर्माण में मदद तो होगी लेकिन पैसा हिंसा के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा हमने तय किया है कि गाजा को दोबारा खड़ा करेंगे, लेकिन हथियारबंदी नहीं होने देंगे। मिस्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल हुए। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी और ट्रंप ने इसकी अध्यक्षता की। इस सम्मेलन से पहले हमास ने सभी 20 जीवित इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया था।

ट्रंप को मिस्र ने किया सम्मानित, इस्राइल करेगा सम्मान: मिस्र ने राष्ट्रपति ट्रंप को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल से सम्मानित किया। वहीं, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने उन्हें इस्राइल प्राइज के लिए नामित किया और कहा, ट्रंप

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-2/पू में

विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा आज दिनाँक 14 अक्टूबर को डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-2/उ, में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 54 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों सतर्कता, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। विद्यार्थियों ने ह्लभ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर अपने विचारों को रंगो के माध्यम से रचनात्मकता के साथ सुंदर और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. इस अवसर पर बीएसएल के श्री ज्ञानेश झा, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ, श्री शनि रंजन, सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) के साथ श्री प्रवीण कुमार, प्राचार्य एवं सतर्कता विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे. विद्यालय के शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों में नैतिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास बताया। कार्यक्रम का आयोजन सतर्कता विभाग की टीम द्वारा किया गया. कार्यक्रम के विजेताओं को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा. कार्यक्रम का सञ्चालन डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-2/उ, की शिक्षिका सुश्री किरण कुमारी के द्वारा किया गया.

बोकारो स्टील प्लांट में सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला का आयोजन

बोकारो स्टील प्लांट में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता पहल के तहत मानव श्रृंखला का आयोजन रीफ्रैक्टरीज एवं सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम बोकारो स्टील प्लांट के प्लांट प्लाजा रोड में आयोजित किया गया, जिसमें सुरक्षा संदेशों और नारों से युक्त तख्तियों के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक(सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री बी.के. सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (रीफ्रैक्टरीज) श्री एन श्रीकंठ, आरएमपी विभाग के विभागाध्यक्ष महाप्रबंधक श्री मुकेश कुमार सिंह, सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग एवं रीफ्रैक्टरीज विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी के साथ बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक उपस्थित थे. सभी ने सुरक्षा तख्तियों के माध्यम से सड़क पर सतर्कता बरतने, यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित कार्य परिवेश सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया. कार्यक्रम का उद्देश्य प्लांट के कर्मचारियों एवं श्रमिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता लाना और सभी को यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करना था. बीएसएल अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता आया है और इस प्रकार के कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं.

बीएसएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत 'सजग साथी - पार्टनर्स इन इंटीग्रिटी' एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो स्टील प्लांट के सतर्कता विभाग द्वारा 'सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी' थीम के तहत सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 'सजग साथी - पार्टनर्स इन इंटीग्रिटी' शीर्षक पर एक विशेष कार्यक्रम मानव संसाधन विभाग के लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों में कार्यरत 20 कर्मचारियों की जीवनसंगिनियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री ज्ञानेश झा द्वारा इंटीग्रिटी शपथ दिलाने के साथ हुआ. कार्यक्रम में सुश्री दीप्ति झा, सुश्री ऋचा प्रियदर्शिनी तथा सुश्री कोमल ने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और साझा सतर्कता पर आधारित प्रेरक कविताओं के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके उपरांत भ्रष्टाचार विषय पर एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें परिवार की भूमिका को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया गया. इसके बाद हुए संवादात्मक सत्र में प्रतिभागियों ने निष्ठा, विवेक और ईमानदारी से संबंधित अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। कार्यक्रम में सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से सत्यनिष्ठा पर आधारित एक समूह क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें टीम ऑर्किड विजेता तथा टीम दुर्गा उप विजेता रही. इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती चित्रा पराशर, वरीय प्रबंधक (सतर्कता) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक (सतर्कता) श्रीमती सौम्या खाती ने किया. एक अन्य कार्यक्रम के तहत मिथिला एके-डमी पब्लिक स्कूल में हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक के आठ विद्यार्थियों ने भाग लिया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री ज्ञानेश झा उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन सुश्री मोनिका मधु ने किया, जबकि समन्वय मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल की शिक्षिका श्रीमती रागिनी झा ने किया. इस प्रतियोगिता में हिन्दी भाषा वर्ग में योगेश कुमार प्रथम, आराध्या राज द्वितीय तथा सोम्या सुरभि तृतीय स्थान पर रही; वहीं अंग्रेजी भाषा वर्ग में पारुल अनुराधा यादव प्रथम, श्रद्धा सिंह द्वितीय तथा सनिया रहमान तृतीय स्थान पर रही. इस अवसर पर लगभग 80 विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई. बीएसएल द्वारा आयोजित दोनों कार्यक्रमों ने यह संदेश दिया कि सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और नैतिक आचरण केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं, बल्कि परिवार और समाज में भी उतने ही आवश्यक हैं.

संक्षिप्त समाचार

हवाई अड्डा से प्रभावित मीट-मुर्गा दुकानों का होगा पुनर्वास : कुमार राकेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झुग्गी झोंपड़ी वासी सह फुटपाथ दुकानदार महासंघ के संरक्षक सह आम आदमी पार्टी के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार से मिलकर हवाई अड्डा से प्रभावित मीट-मुर्गा दुकानदारों को पुनर्वासित करने से संबंधित ज्ञापन सौंपा। सौंपे गये ज्ञापन में पथ विक्रेता अधिनियम 2014 के तहत दुंदीबाद और सेक्टर 12 मोड़ के सभी मीट-मुर्गा दुकानों को पुनर्वासित करने, दुग्गल गेट के समीप खाली स्थान पर पुनर्वासित करने, सेल प्रबंधन से बात कर सेक्टर पांच हटिया की तरह चबूतरा बनाकर आंवटन, बिजली-पानी की सुविधाजनक व्यवस्था करने, जिला प्रशासन द्वारा सभी दुकानदारों को मीट-लाईसेंस प्रदान करने, हवाई अड्डा चाहरदीवारी से सटे झुग्गीवासियों को अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य गरीब बेघरों के शहरी भूमिहीन कानून के तहत पुनर्वासित करने आदि मांगे शामिल हैं। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिला प्रशासन मीट-मुर्गा दुकानदारों को पुनर्वासित करने की योजना बना रहा है। इसके लिए सेल प्रबंधन से बात कर अनुमंडल पदाधिकारी चास को जगह चिन्हित करने का काम सौंपा गया है। उपायुक्त ने बताया कि दूसरे चरण में बोकारो हवाई अड्डा चाहरदीवारी से सटे गरीब झुग्गीवासियों को भी पुनर्वासित करने का काम होगा। प्रतिनिधिमंडल में महासंघ के जिलाध्यक्ष श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, कार्यकारी अध्यक्ष संजय रजक, दुकानदार संतोष मेहता, प्रकाश महतो, बहादुर मेहता सहित अन्य शामिल थे।

दीपावली छठ पर सुचारू बिजली आपूर्ति की मांग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भूली स्थित बी ब्लॉक के योग केंद्र में स्वागत सह सम्मन समारोह का आयोजन किया गया । समारोह में धनबाद विधुत विभाग के सांसद प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता को योग मित्रों ने पुष्पगुच्छ और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। उन्होंने ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि धनबाद में भूली में बिजली व्यवस्था बहुत ही खराब है। उन्होंने दीपावली और छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए बिजली आपूर्ति सुचारु रखने की मांग की है। मौके पर हिरा लाल प्रधान, गुरूचरण सिंह, प्रवीण वर्णवाल, अशोक गुप्ता, रंजीत बिल्लू,निरज शर्मा भगवान दास,,केशव सिंह, विजय श्रीवास्तव, मुन्नी देवी,निर्मला देवी,कान्ती देवी,ज्ञाती देवी,सचिन कुमार, सरोजनी गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सब-जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड बना उपविजेता

बोकारो के खिलाड़ियों का उम्दा प्रदर्शन, हुआ स्वागत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। देहरादून में आयोजित 50वीं सब-जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2025 में झारखंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उपविजेता का खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 10 अक्टूबर तक हुआ। झारखंड टीम में बोकारो के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ी - साहिल कुमार बोदरा, पिन्नु कुमार और ऋषभ राज शामिल थे। झारखंड टीम के सहायक कोच किंकर कृष्णा भी बोकारो से हैं, जिन्होंने खिलाड़ियों को फाइनल तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई। टूनामेंट की शुरूआत लोअर पूल से करने के बावजूद झारखंड टीम ने अद्भुत संघर्ष और टीम वर्क का परिचय दिया। एक के बाद एक जबरदस्त जीत दर्ज करते हुए टीम ने सबका ध्यान खींचा- झारखंड बनाम छत्तीसगढ़- 111-18 ,झारखंड बनाम पंजाब- 100-31,झारखंड बनाम पांडिचेरी-106-21, झारखंड बनाम चंडीगढ़-99-23, झारखंड बनाम पश्चिम बंगाल-80-16, झारखंड बनाम हिमाचल प्रदेश- 104-22 इसके बाद क्वार्टर फाइनल में राजस्थान और सेमीफाइनल में महाराष्ट्र को हराकर झारखंड ने फाइनल में शानदार प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में झारखंड महज 2 अंकों के अंतर से उत्तर प्रदेश से पराजित हुआ, लेकिन अपनी उत्कृष्ट प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया।

जमीन संबंधित मामलों के निष्पादन को लेकर उपायुक्त ने दिया अपर समाहर्ता को निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। आयोजित जनता दरबार में फरियादियों की भीड़ उमड़ी थी। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 64 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया।

वाद खोलकर सुनवाई का दिया निर्देश

जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने अपर समाहर्ता को निर्देश दिया कि भूमि विवाद, अवैध कब्जा या स्वामित्व को लेकर मामला है, उन सभी प्रकरणों को वाद खोलकर न्यायालय में सुनवाई हेतु प्रस्तुत किया जाए, ताकि पारदर्शी और विधिसम्मत निर्णय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि भूमि से जुड़े मामले संवेदनशील होते हैं, इसलिए प्रत्येक आवेदन का निष्पादन विधिक प्रक्रिया के तहत किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, भूमि पर कब्जा, आपूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, राजस्व संबंधित विवाद, अनुमंडल कार्यालय चास/बेरमो, अंचल कार्यालय चास/नावाडीह, बीएसएल, जिला समाज कल्याण विभाग, वन प्रमंडल, सामाजिक सुरक्षा आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार,अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियुष, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

प्रखंडों में भी आयोजित हुआ जनता दरबार

उपायुक्त के निर्देशानुसार जनता दरबार का आयोजन सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी द्वारा किया गया। स्थानीय स्तर पर निष्पादित होने वाले मामलों का निष्पादन मौके पर किया गया।

डीआरडीए कार्यालय का डीसी -डीडीसी ने किया औचक निरीक्षण

मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न शाखाओं में रखे गए अभिलेखों, दस्तावेजों एवं फाइलों की स्थिति को देखा। निरीक्षण क्रम में डीसी-डीडीसी ने कार्यालय में फाइलों/दस्तावेजों के उचित रख-रखाव एवं व्यवस्थित संधारण पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागीय फाइलों एवं अभिलेखों को नई लाल कपड़े में बांधकर सुव्यवस्थित ढंग से बांधकर रखा जाए, ताकि अभिलेखों की सुरक्षा एवं खोज में सुगमता बनी रहे। द्वय पदाधिकारियों ने कहा कि कार्यालयों में रिकॉर्ड प्रबंधन प्रशासनिक दक्षता की पहचान है। इसलिए सभी संबंधित कर्मी यह सुनिश्चित करें कि दस्तावेज साफ-सुथरे, श्रेणीवार एवं अद्यतन रूप में उपलब्ध रहें। उन्होंने मौके पर ही अपर समाहर्ता सह विशेष कार्य पदाधिकारी मो. मुमताज अंसारी को सभी कार्यालय प्रधानों को इस बाबत पत्र जारी कर निर्देश देने को कहा।

छठ महापर्व की तैयारी तेज, उपायुक्त ने किया घाटों का निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लोक आस्था के महापर्व छठ को अब कुछ ही दिन शेष हैं। इसके मद्देनजर बोकारो जिला प्रशासन पूरी तत्परता के साथ तैयारियों में जुट गया है। मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने अधिकारियों की एक टीम के साथ बोकारो और चास के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जलस्तर और पहुंच मार्गों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से सभी कार्य पूरे करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि छठ पर्व स्वच्छता और पवित्रता का प्रतीक है, इसलिए घाटों की सफाई समय रहते पूरी कर ली जाए ताकि व्रती बिना किसी परेशानी के पूजा-अर्चना कर सकें। मीडिया से बातचीत में अजय नाथ झा ने कहा कि यद्यपि पहले ही सभी प्रखंडों और नगर निकायों को घाटों की सफाई का निर्देश दिया गया था, लेकिन कार्यों की प्रगति देखने के लिए वे स्वयं निरीक्षण पर निकले हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है ताकि व्रतियों को बेहतर सुविधा मिल सके। जहां-जहां पानी गहरा है, वहां गोताखोरों की तैनाती और सुरक्षा घेरे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, रौशनी, पेयजल, शौचालय और बैरिकेडिंग जैसी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि छठ से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जनता से भी अपील की कि प्रशासन के प्रयासों में सहयोग करें और स्वच्छता बनाए रखते हुए पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाएं।

पुलिस और प्रिंस खान गिरोह के बीच मुठभेड़, एक घायल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार सुबह धनबाद जिले के तेतुलमारी थाना क्षेत्र के राजगंज में पुलिस और प्रिंस खान गिरोह के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। इस दौरान अपराधी भानु मांझी को गोली लग गई, जिसे घायल अवस्था में इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रिंस खान गिरोह के सदस्य किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम को राजगंज क्षेत्र में एंटी-क्राइम चेकिंग के लिए तैनात किया गया। मंगलवार सुबह शक्ति चौक से राजगंज जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने संदिग्ध वाहन और लोगों की जांच शुरू की थी। इसी दौरान भानु मांझी उस रास्ते से गुजर रहा था। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें भानु मांझी घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी प्रभात कुमार समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। फिलहाल मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है, जो गोलीबारी के सबूत और खाली कारतूसों की जांच कर रही है।

बीएसएल अंतर्गत आने वाले ग्रामों के परिसीमन को ले डीसी ने की बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में बीएसएल (बोकारो स्टील सिटी) टाउनशिप एवं उसके अंतर्गत आने वाले गांवों के परिसीमन से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, उप निदेशक केसिया नायक आर., अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ंडा, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अशोक कुमार खालखो, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, बीएसएल के ए के सिंह, बीडीओ चास डा. प्रवीण कुमार, सीओ चास सेवा राम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत जनगणना से जुड़े कर्मी आदि उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य बीएसएल टाउनशिप क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टर (गांवों) की सीमाओं का स्पष्ट निर्धारण और सत्यापन करना था, ताकि आगामी जनगणना 2027 के कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सकें।

जनगणना 2027 के संदर्भ में दिया निर्देश

उपायुक्त ने कहा कि जनगणना 2027 के लिए प्रत्येक ग्राम, बस्ती और टाउनशिप क्षेत्र का भौगोलिक एवं प्रशासनिक सीमा निर्धारण अत्यंत आवश्यक है। इसी क्रम में बीएसएल टाउनशिप क्षेत्र व इससे सटे ग्रामीणों क्षेत्रों का भौगोलिक एवं प्रशासनिक सीमा निर्धारण जरूरी है। उन्होंने बैठक में उपस्थित बीएसएल के महाप्रबंधक श्री ए के सिंह को बीएसएल टाउनशीप एवं बीडीओ-सीओ चास को संबंधित क्षेत्र का टीम गठित कर सर्वे कराते हुए एक सप्ताह में विस्तृत सर्वे रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि, तैयार की जाने वाली सर्वे रिपोर्ट में प्रत्येक सेक्टर, खाली स्थानों ह्र अतिक्रमण क्षेत्र आदि की स्थिति को ब्लैक एंड व्हाइट प्रदर्शित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अस्पष्टता या विवाद की स्थिति नहीं रहे। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यह कार्य केवल कागजी नहीं, बल्कि मैदानी सत्यापन के आधार पर भी किया जाए। टीम को फील्ड निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करना होगा कि सीमांकन प्रशासनिक अभिलेखों, राजस्व मानचित्रों तथा वास्तविक भौगोलिक स्थिति के अनुरूप हो।

बीएसएल प्रबंधन टाउनशिप स्टेटस के लिए सप्ताह भर में करें आवेदन

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि बीएसएल टाउनशिप क्षेत्र का स्टेट्स अब तक स्पष्ट नहीं है। उक्त टाउनशीप शहरी क्षेत्र में हैं या ग्रामीण। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन को इस दिशा में नगर विकास विभाग तथा उद्योग विभाग को औपचारिक आवेदन प्रेषित करने को कहा। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि आगामी परिसीमन कार्य में सभी तथ्यों का सम्यक समावेश हो सके। उपायुक्त ने कहा कि बीएसएल क्षेत्र जिला प्रशासन के लिए न केवल औद्योगिक महत्व रखता है, बल्कि यह क्षेत्र बड़ी संख्या में जनसंख्या को भी आवास प्रदान करता है।

देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना प्रधानमंत्री का लक्ष्य : दिनेशानंद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा बोकारो विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का चास स्थित दीपांजलि पैलेस में आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जयदेव राय बेबाकी। सम्मेलन में 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' को सफल बनाने को विचार विमर्श हुआ। झारखंड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी मुख्य वक्ता के रुप में शामिल हुए। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के धनबाद लोकसभा के सांसद दुलु महतो उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत गुलदस्ता और अंग वस्त्र ओढ़ाकर किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को विस्तार से समझाया। दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ एक ऐसे देश से है जो अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैश्विक स्तर पर दूसरों पर कम निर्भर हो। यह पहल देश के स्वयं के संसाधनों, प्रतिभाओं और उद्योगों का उपयोग करेगी। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य भारत को आर्थिक ,सामाजिक और तकनीकी रूप से मजबूत और स्वतंत्र बनाना है ताकि वह आत्मविश्वास से वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सके। बाबूलाल मरांडी ने स्थानीय व्यवसायों, नवाचारों और उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कार्यकताओं और जनता से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी का उपयोग कर देश को मजबूती की दिशा में ले जाएं। उन्होंने कहा कि देश के जनमानस में स्वभाषा,स्वभूषा का भाव होना चाहिए ताकि विश्व के अन्य देशों की भांति भारत भी 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा कर सके। उन्होंने छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहन देकर देश के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जो देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने अपने संबोधन में स्वदेशी के उपयोग को विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित देश बनाने के लिए हमें स्वदेशी सामानों के उपयोग में बढ़ावा देना चाहिए क्योंकि विदेशी सामानों के उपयोग से पैसा विदेश चला जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले गोला-बारूद बाहर से आता था लेकिन अब देश में ही बन रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अभी भी हमारे देश से ज्यादातर औषधियां विदेश भेजी जाती हैं। धनबाद सांसद दुलु महतो ने भाजपा की ओर से 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' के तहत आने वाली दीपावली पर स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का आह्वान किया। उन्होंने दुकानदारों से स्वदेशी बोर्ड लगाने की अपील की ताकि इससे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्व-त्योहारों में स्वदेशी सामानों का उपयोग ही आत्मनिर्भर भारत का रीढ़ है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री संजय त्यागी ने किया। सम्मेलन में कार्यक्रम के प्रमंडलीय प्रभारी भरत यादव,पूर्व जिलाध्यक्ष रोहित लाल सिंह, जिला महामंत्री अमर स्वर्णकार, आरती राणा, अर्चना सिंह, कुमार अमित, मुकेश राय, जयप्रकाश तापड़िया, कमलेश राय, दिलीप श्रीवास्तव, मथुर मंडल, रामलाल सोरेन,वीरभद्र सिंह, राकेश कुमार मधु, चक्रधर शर्मा , राजीव कंठ, धर्मेन्द्र महथा, अभिषेक कुमार ध्रुव, अशोक कुमार पप्पू,विभिषण सिंह चौधरी, एंजेला सिंह, बर्षा देवी,हरिष चंद्र सिंह, हरिपद गोप, धनंजय चौबे, अविनाश सिंह, अनिल सिंह,विनय किशोर,अमर स्वर्णकार, मनोज सिंह,पंकज सिंह, बंटी सिंह, कुमकुम राय, अम्बिका देवी,माया राय,प्रिति गुप्ता, पुष्पा देवी, किशोर बाउरी, पियूष गौरव,रेषभ कुमार, विशाल गौतम,निरज कुमार, मंटु राय, श्याम गुप्ता,शिवशंकर राय, बुद्धेश्वर घोषाल, राजाराम शर्मा, मुन्ना सिंह, पन्ना लाल कान्दू, प्रकाश नायक,ब्रज दुबे, अवधेश यादव, सुनिता देवी, ममता देवी, दीपक शर्मा,बचचु घोषाल, विक्रम महतो, राजेश चौबे,गुलाब महतो,निमाई झा, त्रिपुरारी तिवारी, अरविंद दूबे, सीता देवी, गीता देवी,तारा ससकार, लालू मोदक,निमाई महथा, शिबू राय,संजु मेहता, जितेन्द्र शर्मा शामिल हुए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com